कुलगीत

वीर बहादुर सिंह विश्व-विद्यालय का हरितांचल।
जय-जय-जय "पूरब की आत्मा," जय-जय-जय "पूर्वाञ्चल"।।
पूर्व दिशा का ताज रहा है,
"भारत का शीराज रहा है,
यह यमदग्नि-यजन की बेदी यह "कुतबन" का मादल।
जय-जय-जय "पूरब की आत्मा," जय-जय-जय "पूर्वाञ्चल"।।
दो धर्मों की मिलन-धुरी यह,
राग सलोना "जौनपुरी" यह,
संघर्षों की झंझर में झंकृत जिसके जीवन-पल।
जय-जय-जय "पूरब की आत्मा," जय-जय-जय "पूर्वाञ्चल"।।
नये सृजन की सजी आरती,
उतरी वीणा लिये भारती,
नव-जागरण-थाल में अर्पित यह पावन तुलसी-दल।
जय-जय-जय "पूरब की आत्मा," जय-जय-जय "पूर्वाञ्चल"।।
कला-शिल्प-विज्ञान कलेवर,
छलकाये प्रकाश के निर्झर,
धेनुमती-तमसा-गंगा का यह पावन क्रीड़ास्थल।
जय-जय-जय "पूरब की आत्मा," जय-जय-जय "पूर्वाञ्चल"।।
नीति हमारी सरल-तरल हो,
जिसमें जन का क्षेम-कुशल हो,
गौतम-कपिल-कणाद-पंतजलि हो आदर्श अचंचल।
जय-जय-जय "पूरब की आत्मा," जय-जय-जय "पूर्वाञ्चल"।।

वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर, उ0प्र0

गतिमान

छब्बीसवाँ दीक्षांत समारोह

2023

वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर, उत्तर प्रदेश

गतिमान

23 फरवरी, 2023

प्रो. निर्मला एस. मौर्य
कुलपति

श्री संजय कुमार राय
वित्त अधिकारी

श्री महेन्द्र कुमार
कुलसचिव

डॉ. सन्तोष कुमार
कुलानुशासक

श्री व्यास नारायण सिंह
परीक्षा नियंत्रक

डॉ. रजनीश भास्कर
चीफ वार्डेन

प्रो. अजय द्विवेदी
अधिष्ठाता, छात्र कल्याण

डॉ. मनोज मिश्र
प्रधान सम्पादक

श्री अमृत लाल
श्री अजीत प्रताप सिंह
श्रीमती बबिता सिंह
श्री दीपक कुमार सिंह
सहायक कुलसचिव

प्रो. अजय द्विवेदी
डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर
डॉ. सुनील कुमार
डॉ. नितेश जायसवाल
डॉ. लक्ष्मी प्रसाद मौर्य
सम्पादक मण्डल

तकनीकी सहयोग : **श्री नीरज कुमार**

जौनपुर : एक समृद्ध विरासत

विभिन्न संस्कृतियों की बाँकी–झाँकी का साक्षी रहा जनपद जौनपुर अपनी ऐतिहासिकता को बहुत अतीत तक समेटे हुए है। सदानीरा गोमती के तट पर बसा यह शहर एक परम्परा के अनुसार महर्षि यमदग्नि की तपोस्थली रहा है जिस कारण इसका प्रारंभिक नाम यमदग्निपुर पड़ा तथा कालान्तर में यमदग्निपुर ही जौनपुर के रूप में परिवर्तित हो गया। कतिपय विद्वानों ने इस धारणा पर भी बल दिया है कि यहाँ प्राचीन भारत में यवनों का आधिपत्य रहा है जिस कारण इसका नाम प्रारम्भिक दौर में यवनपुर से कालान्तर में जौनपुर हो गया।

जौनपुर की अधिष्ठात्री देवी माँ शीतला चौकियाँ, शक्ति उपासना की केन्द्र हैं। **शीतले त्वं जगन्माता शीतले त्वं जगत्पिता– शीतले त्वं जगद्धात्री शीतलायै नमो नमः** का जयकारा जनपद वासियों को अनिष्टकारी व्याधियों एवं दुर्धटनाओं से सदा रक्षा करता है।

मध्यकालीन भारतीय इतिहास के स्रोतों ने जौनपुर की स्थापना का श्रेय फिरोजशाह तुगलक को दिया है, जिसने अपने भाई मुहम्मद बिन तुगलक (जूना खां) की स्मृति में इस नगर को बसाया और इसका नामकरण भी उसके नाम पर किया। फिरोजशाह तुगलक ने जौनपुर की स्थापना 1359 ई. में की तथा 1360 ई. में जौनपुर किले की नींव रखी। जौनपुर सल्तनत वर्ष 1394–1479 ई. तक उत्तर भारत की एक स्वतंत्र राजधानी रही जिसका शासन शर्की सल्तनत द्वारा संचालित था। लेकिन एक खास बात यह है कि जौनपुर राज्य का संस्थापक मलिक सरदार (सरवर) फिरोज शाह तुगलक के पुत्र सुलतान मुहम्मद का दास था जो अपनी योग्यता से 1389 ई. में वजीर बना। सुलतान महमूद ने उसे मलिक–उस–शर्क की उपाधि से नवाजा था। 1399 ई. में उसकी मृत्यु हो गयी। उसके पद के कारण ही उसका वंश शर्की–वंश कहलाया। ज्ञातव्य है कि उसको कोई संतान नहीं थी, उसके बाद उसका गोद लिया हुआ पुत्र मुबारक शाह गद्दी पर बैठा था। 1402 ई. में मुबारक शाह की मृत्यु हो गयी। इसके बाद उसका भाई इब्राहीमशाह शर्की जौनपुर राज सिंहासन पर बैठा। इब्राहीमशाह के बाद उसका पुत्र महमूदशाह फिर हुसैन शाह तथा अन्ततः जौनपुर 1479 ई. के बाद दिल्ली सल्तनत का भाग बन गया।

जौनपुर में सरवर से लेकर शर्की बंधुओं ने 75 वर्षों तक स्वतंत्र राज किया। इब्राहीम शाह शर्की (1402 ई.–1440 ई.) के समय में जौनपुर सांस्कृतिक दृष्टि से बहुत उपलब्धि हासिल कर चुका था। उसके दरबार में बहुत सारे विद्वान थे जिन पर उसकी राजकृपा रहती थी। उसके राज–काल में अनेक ग्रंथों की रचना की गयी। तत्कालीन समय में जौनपुर शिक्षा का बहुत बडा केंद्र था। यह भी कहा जाता है कि इब्राहीम शाह शर्की के समय में ईरान से 1000 के लगभग आलिम (विद्वान) आये थे जिन्होंने पूरे भारत में जौनपुर को शिक्षा का बहुत बड़ा केंद्र बना दिया था। इसी कारण जौनपुर को 'शीराज–ए–हिंद' कहा गया। शीराज का तात्पर्य श्रेष्ठता से होता है। उसी समय जौनपुर में कला–स्थापत्य की एक नई शैली का जन्म हुआ, जिसे जौनपुर अथवा शर्की शैली कहा गया। कला–स्थापत्य की इस शैली का निदर्शन यहाँ पर आज भी अटाला मस्जिद में किया जा सकता है। अटाला मस्जिद की आधारशिला फिरोजशाह तुगलक द्वारा 1376 में की गयी जिसे 1408 में इब्राहीम शाह ने पूरा किया।

जौनपुर में गोमती नदी के शाही पुल का निर्माण कार्य मुगल बादशाह अकबर ने 1564 ई. में प्रारंभ करवाया जो 1569 ई. में बनकर तैयार हुआ। यह शाही पुल अकबर के सूबेदार मुनीम खाँ के निरीक्षण में बना। शर्की सुल्तानों ने जौनपुर में कई सुन्दर भवन, एक किला, मकबरा तथा मस्जिदें बनवाईं। जौनपुर की जामा मस्जिद को इब्राहीम शाह ने 1438 ई. में बनवाना प्रारंभ किया था और इसे 1442 ई. में इसकी बेगम राजीबीबी ने पूरा करवाया। 1417 ई. में चार अंगुल मस्जिद को सुल्तान इब्राहीम के अमीर खालिस खाँ ने बनवाया। जौनपुर की सभी मस्जिदों का वास्तु प्रायः एक जैसा है। शेरशाह सूरी की सारी शिक्षा–दीक्षा जौनपुर में हुई। हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत और 'खयाल' के विकास में हुसैन शाह (1458–1479 ई.) का अपना योगदान रहा। इस दौरान कई रागों की रचना की गयी जिसमें प्रमुख हैं 'मल्हार–स्याम', 'गौर–स्याम', 'भोपाल–स्याम', 'जौनपुरी बसन्त', 'हुसेनी' या 'जौनपुरी असावरी' जिसे राग जौनपुरी कहा जाता है।

भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में जनपद के अमर शहीदों ने अपनी मातृभूमि की रक्षा में अपना जीवन बलिदान कर दिया। आज भी जनपद के विभिन्न स्थानों पर स्थापित शहीद स्तम्भ उनके बलिदान की याद दिलाते हैं। यहाँ के लोगों ने साहित्य, प्रशासनिक सेवा और विज्ञान अनुसंधान के क्षेत्र में पूरी दुनिया में जनपद का नाम रोशन किया है। इसकी निरन्तरता अद्यतन बनी हुई है।

डॉ० मनोज मिश्र

वीर बहादुर सिंह पूर्वांञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय (पूर्व में पूर्वांचल विश्वविद्यालय) की स्थापना जौनपुर के लोगों के परिश्रम तथा प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री स्व. वीर बहादुर सिंह के प्रयास के फलस्वरूप उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रकाशित गजट संख्या 5005/15–10–87–15 (15)–86 टी.सी. दिनांक 28 सितम्बर 1987 के तहत 02 अक्टूबर 1987 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के पावन पर्व पर की गई। कालान्तर में पूर्वांचल विश्वविद्यालय का नाम स्वर्गीय वीर बहादुर सिंह की स्मृति में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय रखा गया। इस विश्वविद्यालय के स्थापना के साथ ही गोरखपुर विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र का एक बड़ा भाग इसमें स्थानांतरित कर दिया गया। आरम्भ में इस विश्वविद्यालय में पूर्वी उत्तर प्रदेश के जौनपुर, आजमगढ़, मऊ, गाजीपुर, बलिया, वाराणसी, चंदौली, मिर्जापुर, संत रविदास नगर भदोही, कौशाम्बी तथा सोनभद्र के 67 महाविद्यालयों एवं इलाहाबाद के एक महाविद्यालय को इससे सम्बद्ध किया गया था।

प्रारम्भ में विश्वविद्यालय का कार्यालय प्रथमतः टी.डी. कालेज जौनपुर के फार्म हाउस के भवन पीली कोठी में प्रारम्भ हुआ। उत्तर प्रदेश शासन ने विश्वविद्यालय हेतु भूमि अधिगृहित करने के लिए कुल 85 लाख रूपये की धनराशि स्वीकृत की तथा अधिकारियों सहित कुल 67 पद स्वीकृत किये। शासन द्वारा सृजित पदों पर नियुक्तियां हुई और यहीं से विश्वविद्यालय की विकास यात्रा प्रारम्भ हुई। जिला प्रशासन ने जौनपुर शहर से लगभग 12 किमी. दूर जौनपुर शाहगंज मार्ग पर देवकली, जासोपुर ग्राम सभाओं की कुल **171.5** एकड़ भूमि अधिगृहित कर विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराई।

वर्ष 1994 में विश्वविद्यालय ने अपने नवनिर्मित निजी प्रशासनिक भवन में कार्य करना प्रारम्भ किया और इसी के साथ ही विश्वविद्यालय का आवासीय स्वरूप विकसित होना प्रारम्भ हुआ। वर्तमान में परिसर स्थित विभिन्न पाठ्यक्रमों में शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्र–छात्राओं के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त छात्रावास की सुविधा उपलब्ध है। अध्यापकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के रहने के लिए फ्लैट्स तथा ट्रांजिट हॉस्टल की भी व्यवस्था है। इसके अलावा छात्र सुविधा केन्द्र, संगोष्ठी भवन, अतिथि गृह, शिक्षक अतिथि गृह, राष्ट्रीय सेवा योजना भवन, रोवर्स रेंजर्स भवन हैं। इसके साथ ही विभिन्न संकायों के लिए अलग–अलग भवनों का निर्माण किया गया है जो अत्याधुनिक लैब, इण्टरनेट – वाईफाई एवं सी.सी. कैमरे से सुसज्जित हैं।

विद्यार्थियों को शहर से दूर परिसर में उच्च गुणवत्ता से युक्त शैक्षणिक वातावरण प्रदान करने के लिए विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय संचालित है। इसमें परम्परागत पुस्तकालय सुविधा के अतिरिक्त इसका आधुनिकीकरण करके ई लाइब्रेरी के तहत छात्रों को ई जर्नल, ई बुक की सुविधा उपलब्ध करायी गई है, इसके साथ ही एडुसैट व्यवस्था के अन्तर्गत छात्रों को इग्नू, यूजीसी, एआईसीटीई वर्चुअल शिक्षण कार्यक्रम की सुविधा प्रदान की गई है। परिसर के छात्रों को विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के योग्य बनाने हेतु आधुनिक खेल सुविधा से युक्त एकलव्य स्टेडियम का भी निर्माण किया गया है। विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से विश्वविद्यालय का नाम अन्तर्राष्ट्रीय पटल पर पहुँचाया है और पिछले पांच वर्षों से लगातार उत्तर भारत के विश्वविद्यालय एवं उत्तर प्रदेश में शीर्ष स्थान पर है। राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा विभिन्न जनपदों में असहाय लोगों के लिए बापू बाजार का आयोजन किया जाता है। परिसर को हरा–भरा करने के लिए वर्ष 2014 से एक छात्र एक पेड़ योजना संचालित की जा रही है जिसमें छात्रों से पौधारोपण कराकर उसके देख–रेख की जिम्मेदारी उन्हें सौंप दी जाती है। इंजीनियरिंग संस्थान के विद्यार्थियों द्वारा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए विश्वविद्यालय के पड़ोसी गांव देवकली में आधुनिक संसाधनविहीन बच्चों को निःशुल्क कोचिंग पढ़ायी जाती है।

वर्तमान में पूर्वान्चल के दो जनपदों के 551 महाविद्यालय एवं हंडिया पीजी कालेज विश्वविद्यालय से सम्बद्ध हैं। विश्वविद्यालय परिसर में स्नातक स्तर पर इंजीनियरिंग की छः शाखाओं इलेक्ट्रिक इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रानिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रानिक्स एण्ड इन्स्ट्रूमेंटेशन इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग, इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी और मैकेनिकल इंजीनियरिंग एवं बी फार्मा की शिक्षा दी जा रही है। इसके अतिरिक्त स्नातकोत्तर स्तर पर एम. टेक.,एम.सी.ए., एम.बी.ए., एम.बी.ई., एग्रीबिजनेस, ईकामर्स, एम.एफ.सी., एम.एच.आर.डी., मास कम्यूनिकेशन, व्यावहारिक मनोविज्ञान, एम.एस.सी. बायोटेक्नॉलाजी, पर्यावरण विज्ञान, अप्लायड माइक्रो बायोलॉजी, अप्लायड बायोकेमेस्ट्री विषयों की शिक्षा प्रदान की जाती है। विश्वविद्यालय परिसर में प्रो० राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) भौतिकी एवं शोध संस्थान में एम.एस.सी– फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथमेटिक्स एवं एप्लाइड जियोलॉजी पाठ्यक्रम संचालित है। संस्थान में दो शोध केंद्र नैनो साइंस एंड टेक्नोलॉजी शोध केंद्र व गैर परंपरागत ऊर्जा शोध केंद्र संचालित हो रहे है। संकाय भवन में बी.ए. एल.एल.बी (पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड) पाठ्यक्रम में भी सत्र 2018–19 से अध्यापन कार्य प्रारंभ है। बी. कॉम. (आनर्स), बी.सी.ए., बी.एस. सी. (गणित, भौतिकी, भूगर्भ विज्ञान), बी.एस.सी.(जंतु, वनस्पति, रसायन विज्ञान) पाठ्यक्रमों की शुरुआत भी विगत वर्ष से हुई है। परिसर में डी. फार्मा का पाठ्यक्रम संचालित हो रहा है। इस सत्र मे परिसर में बी.ए. पाठ्यक्रम शुरू किया गया है।

यहॉ से शिक्षा प्राप्त कर छात्र राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं।

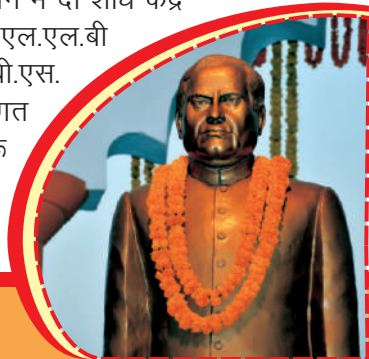

Faculties/ Courses

Faculty of Agriculture
Departments (U.G. & P.G.)
- Agriculture Botany
- Agriculture Chemistry
- Agriculture Zoology & Entomology
- Agriculture Economics
- Agriculture Extension
- Horticulture
- Plant Pathology
- Animal Husbandry and Dairy
- Soil Conservation
- Agriculture Engineering
- Agronomy
- Genetics and Plant Breeding

Faculty of Arts
Departments (U.G. & P.G.)
- Sanskrit and Prakrit language
- Hindi and Modern Indian Language
- Arbi, Farsi and Urdu
- English & Modern European Lang.
- Philosophy
- Psychology
- Education
- Economics
- Political Science
- Anthropology
- Ancient History, Archeology & Culture
- Medieval And Modern History
- Sociology
- Geography
- Fine Arts
- Library Science
- Music

Faculty of Commerce
Departments
- Department of Commerce
(B.Com., M.Com.)

Faculty of Education
Departments
- B.Ed.
- M.Ed.

Faculty of Law
Departments
- Department of Law
LL.B.
LL.M.
BA. LL.B. Integrated Course
(5 Years)

Faculty of Sciences
Departments (U.G. & P.G.)
- Physics
- Botany
- Mathematics
- Statistics
- Geology
- Defence Study
- Home Science
- Computer Science
- Bio-Chemistry
- Biotechnology
- Food and Nutrition
- Chemistry
- Zoology
- Microbiology
- Industrial Fishery and Fisheries
- Industrial Chemistry
- Silk and worm culture
- Phys. Edu., Health Education & Sport
- Environmental Science
- Applied Biochemistry
- Applied Microbiology
- Earth & Planetary Science (Applied Geology)

Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) Institute of Physical Sciences for Study and Research
M.Sc and Ph.D.
- Physics ■ Chemistry ■ Mathematics ■ Applied Geology
- B.Sc. (Phy., Chem.,Maths. and Phy., Maths,Geology)

Research Centres
- Centre for Nanoscience and Technology
- Centre for Renewable Energy

Faculty of Medicine
Departments (U.G.)
- Pharmacy ■ Medicine

Faculty of Engineering & Technology
Departments (U.G./P.G.)
- Electronics and Communication Engineering
- Electrical Engineering
- Computer Science & Engineering
- Mechanical Engineering
- Information Technology
- Electronics & Instrumentation Engineering
- Master in Computer Applications
- Applied Physics ■ Applied Chemistry
- Applied Mathematics
- Humanities & Social Sciences

Faculty of Management Studies
Departments
- Department of Business Administration
- Department of Human Resource Development
- Department of Finance & Control
- Department of Business Economics

Faculty of Applied Social Science
Departments
- Department of Applied Psychology
- Department of Mass Communication
- B.A. (Mass Comm., Appl. Psychology, Sociology)

The Vice-Chancellor

प्रो0 निर्मला एस. मौर्य
कुलपति

प्रो0 निर्मला एस0 मौर्य, कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर कुलपति नियुक्त होने के पूर्व उच्च शिक्षा एवं शोध संस्थान (संसदीय एक्ट 14 / 1964 के तहत एक राष्ट्रीय महत्व की संस्था) दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास की कुलसचिव, प्रोफेसर तथा विभागाध्यक्ष रहीं। 15 वर्षों के प्रशासनिक अनुभव के साथ पी.जी. शिक्षण, शोध निर्देशन का एक दीर्घ अनुभव रहा है। शोध निर्देशन में शोध करने वाले शोधार्थियों की एक लम्बी सूची रही है।

शैक्षिक योग्यता :

(1) बी.एस.सी. (1978) बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।

(2) एम.ए. (1980) बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।

(3) पीएच.डी. (1984) बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।

शोध–विषय : सूर तथा तुलसी के विनय–पदों का तुलनात्मक अनुशीलन

(4) डी.लिट्. (2001) टी.एम. भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर।

शोध–विषय : हिन्दी भक्ति साहित्य में सौन्दर्यबोध

अध्यापन एवं शोध निर्देशन अनुभव :

30 वर्ष (पी.जी., पी.जी. डिप्लोमा, एम.फिल. अध्यापन एवं एम.फिल., पीएच.डी., एवं डी.लिट्. शोध निर्देशन)

प्रकाशित प्रपत्र एवं पुस्तकें :

(अ) 160 से अधिक शोध–प्रपत्र एवं आलेख विभिन्न पत्र–पत्रिकाओं एवं शोध–पत्रिकाओं में प्रकाशित

(ब) आठ पुस्तकें प्रकाशित

1. बदनसीब (उपन्यास)
2. सूर तथा तुलसी के विनय पदों का तुलनात्मक अनुशीलन (सन्दर्भ ग्रन्थ)
3. प्रतिध्वनि (काव्य–संग्रह)
4. गूँज (काव्य–संग्रह)
5. एक था राजकुमार (बाल–कहानियाँ)
6. शब्द–कुशा (काव्य–संग्रह)
7. हिन्दी भक्ति साहित्य में सौन्दर्यबोध (सन्दर्भ ग्रन्थ)
8. हिन्दी–साहित्य के बहुआयामी कोण (आलोचनात्मक ग्रन्थ)

सम्पादित ग्रन्थ :

1. अभिनन्दन–ग्रन्थ – प्रो. रवीन्द्र कुमार जैन–तमिलनाडु बहुभाषी लेखिका संघ, चेन्नई द्वारा प्रकाशित
2. सुब्रह्मण्यम 'विष्णुप्रिया' – अभिनन्दन–ग्रन्थ – हिन्दी हृदय, चेन्नई द्वारा प्रकाशित
3. अमृतमयी का काव्य–उत्स – भारती परिषद प्रयाग द्वारा प्रकाशित
4. साहित्य दित्य – सत्यशील ज्ञानालय, चेन्नई द्वारा प्रकाशित
5. तमिलनाडु साहित्य बुलेटिन, – उप–सम्पादक, तमिलनाडु हिन्दी साहित्य अकादमी, चेन्नई
6. बहुब्रीहि (त्रैमासिक शोध पत्रिका) – सम्पादक, उच्च शिक्षा और शोध संस्थान, द.भा.हि.प्र.सभा. मद्रास
7. परामर्शदात्री – अखिलगीत शोध–दृष्टि, आजमगढ़ (उ.प्र.)
8. विशेष परामर्शदात्री – संचार बुलेटिन, शोध पत्रिका, लखनऊ (उ.प्र.)

सेमिनार एवं सम्मेलन :

1. 40 से अधिक राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनारों एवं सम्मेलनों में प्रपत्र प्रस्तुति।
2. 20 से अधिक सेमिनारों एवं सम्मेलनों में अध्यक्ष / विशिष्ट–अतिथि के रूप में भाग लिया।

विशेषज्ञ रूप में योगदान :

1. विभिन्न विश्वविद्यालयों, कालेजों, सरकारी तथा गैर सरकारी संस्थानों, बैंकों एवं साहित्यिक संस्थानों द्वारा आयोजित अनेकों सेमिनार, वर्कशाप में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
2. कालीकट विश्वविद्यालय, मद्रास विश्वविद्यालय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय एवं अविनाश लिंगम इंस्टीट्यूट ऑफ होम साइन्स एवं हॉयर एजूकेशन द्वारा आयोजित यू.जी.सी. रिफ्रेशर, ओरिएंटेशन कार्यक्रमों में विषय–विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित।

3. विभिन्न संस्थाओं एवं विभागों द्वारा विशिष्ट अतिथि, वक्ता तथा अध्यक्ष के रूप में भाग लेने पर सम्मानित।
4. कई विश्वविद्यालयों के बोर्ड ऑफ स्टडी में नामित।
5. अनेकों विश्वविद्यालयों के द्वारा शोध परीक्षक तथा मूल्यांकनकर्ता के रूप में नामित।
6. हिन्दी विशेषज्ञ के रूप में संधम साहित्य के तमिल से हिन्दी अनुवाद में विशेष योगदान।

सम्मान एवं पुरस्कार :

(अ) राज्य :

1. तमिलनाडु हिन्दी अकादमी द्वारा काव्य के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिये सम्मानित (2001)
2. शिक्षाप्रद ट्राफिक सुरक्षा सी.डी. निर्माण में सहयोग के लिये तमिलनाडु गवर्नर द्वारा सम्मानित (2006)
3. तमिलनाडु हिन्दी अकादमी द्वारा शोध और दक्षिण में हिन्दी अध्यापन में विशेष योगदान के लिये सम्मानित (2007)
4. नेहरू आर्ट्स एवं साइन्स कालेज, कोयम्बटूर के हिन्दी–साहित्य सेन्टर द्वारा दक्षिण भारत हिन्दी शिक्षण में विशेष योगदान के लिये सम्मानित (2012)
5. हिन्दी अकादमी एवं धर्मामूर्तिराव बहादुर कल्वल कण्णन चेट्टी हिन्दू कालेज द्वारा संयुक्त रूप से हिन्दी शिखर अवार्ड से सम्मानित (2013)
6. तमिलनाडु हिन्दी अकादमी द्वारा शोध–पत्र ''हिन्दी की दशा और दिशा'' के लिये सम्मानित (2014)
7. विश्व भाषा हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में मौलिक सृजन के लिये तमिलनाडु हिन्दी साहित्य अकादमी द्वारा सम्मानित (2015)
8. स्टेला माफरिस कालेज, चेन्नई एवं हिन्दी कश्मीरी संगम, कश्मीर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित सम्मेलन में त्रिपुरा एवं बंगाल के गवर्नर द्वय द्वारा आचार्य क्षेमेन्द्र साहित्य सम्मान द्वारा सम्मानित (2018)

(ब) राष्ट्रीय :

1. दक्षिण भारत में हिन्दी प्रचार–प्रसार में विशेष योगदान के लिये दक्षिण भारत हिन्दी परिषद, कोल्हापुर द्वारा सम्मानित (1998)
2. महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी और दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा मद्रास द्वारा संयुक्त रूप से साहित्यिक और अध्यापन क्षेत्र में विशेष योगदान के लिये सम्मानित (2007)
3. राष्ट्रीय हिन्दी परिषद, मेरठ द्वारा हिन्दी भाषा साहित्य और संस्कृति अध्ययन के लिये हिन्दी रत्न सम्मान से सम्मानित (2008)
4. दक्षिण भारत में हिन्दी प्रचार के साथ शिक्षा और उच्च शिक्षा में विशेष योगदान के लिए समेकित भारतीय साहित्य परिषद, उ.प्र. द्वारा सम्मानित (2009)
5. इण्डिया न्यूज टी.वी. मीडिया एवं जनसंदेश टाईम्स प्रिन्ट मिडिया द्वारा दक्षिण भारत में उच्च शिक्षा में विशेष योगदान के लिये उत्तराखण्ड आइकान अवार्ड 2013 द्वारा सम्मानित।
6. हिन्दी कश्मीरी संगम, श्रीनगर, कश्मीर द्वारा तमिल–हिन्दी साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन में योगदान के लिए ''स्वामी विवेकानन्द शारदा सम्मान'' से सम्मानित (अगस्त 2017)
7. केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय (मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार) की पत्रिका ''भाषा'' और विश्वव्यापी हिन्दी संचार केन्द्र आईजाल, मिजोरम द्वारा भारतीय आत्मकथा साहित्य पर प्रस्तुत शोध–पत्र के लिये सम्मानित (अक्टूबर 2017)

(स) अन्तर्राष्ट्रीय :

1. शोध और तुलनात्मक अध्ययन के लिय भारतीय–नार्वेजीयन सांस्कृतिक फोरम, ओस्लो, नार्वे द्वारा सम्मानित (2009)
2. महात्मा फुलेटैलेंट सर्च अकादमी द्वारा दक्षिण भारत में हिन्दी में हायर एजूकेशन तथा शोध कार्य के लिये फेबलो नेरूडा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मान द्वारा सम्मानित (2015)

विदेश भ्रमण :

1. 8वें वर्ल्ड हिन्दी कान्फ्रेन्स जिसका आयोजन न्यूयार्क शहर में किया गया था, विदेश मंत्रालय के आमंत्रण पर प्रपत्र की प्रस्तुति।
2. भारतीय–नार्वेजीयन सांस्कृतिक फोरम द्वारा ओस्लो, नार्वे में नार्वेजीयन साहित्य का हिन्दी–साहित्य से तुलनात्मक शोध प्रस्तुति पर सम्मानित।
3. यू.एस.ए. डेनमार्क, स्वीडन, उज्बेकिस्तान एवं न्यूजीलैण्ड की यात्रा।

अन्य योगदान :

1. यू.जी.सी. मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट – सत्तरोत्तर हिन्दी एवं तमिल कथा साहित्य की रचना प्रक्रिया।
2. आकाशवाणी के वाराणसी, भुज एवं चेन्नई केन्द्रों से वार्ता का प्रसारण।
3. जी. टी.वी. के नेशनल नेटवर्क पर अध्यात्मिक कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रवचन श्रृंखला का प्रसारण।
4. जी. टी.वी. द्वारा प्रसारित छोटी माँ सीरियल के 50 ऐपिसोड की स्क्रिप्ट राइटिंग।
5. विश्वविद्यालयीय, विद्यालयीय शिक्षा के अध्ययन सामग्री तैयार करने तथा वीडियो द्वारा हिन्दी शिक्षण कार्यक्रम में सहयोग।
6. विशेषज्ञ के रूप में भारत सरकार के साइंटिफिक एवं टेक्निकल डिक्शनरी के निर्माण कार्यक्रम में सहयोग।
7. अध्यक्ष, तमिलनाडु हिन्दी साहित्य अकादमी

कुलपति जी का उद्‌बोधन

प्रो0 निर्मला एस. मौर्य
कुलपति

विश्वविद्यालय के छब्बीसवें दीक्षांत समारोह की अध्यक्ष, माननीय कुलाधिपति, श्री राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी, समारोह के सम्माननीय मुख्य अतिथि प्रो0 गिरीश्वर मिश्र जी, कार्य परिषद, विद्या परिषद के सम्मानित सदस्यगण, समारोह में उपस्थित सभी सम्मानित जन प्रतिनिधिगण, राजभवन से हमारे बीच पधारे माननीय कुलाधिपति जी के विशेष कार्याधिकारी डॉ0 पंकज एल0 जानी जी, श्री अशोक देसाई जी, माननीय कुलाधिपति जी के परिसहाय, सम्मानित अतिथिगण, समस्त शिक्षक, विश्वविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी, प्रशासनिक अधिकारीगण, इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिन्ट मीडिया के पत्रकार बन्धुओं, उपाधि प्राप्तकर्ता एवं स्वर्ण पदक विजेता मेधावियों, जौनपुर के विभिन्न स्कूलों से आये प्रिय नन्हें–मुन्ने बच्चों, समस्त विद्यार्थी तथा अभिभावक एवं उपस्थित देवियों और सज्जनों –

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय का आज छब्बीसवाँ दीक्षान्त समारोह आयोजित है। इस शुभ अवसर पर मैं, विश्वविद्यालय परिवार की ओर से आप सभी का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन करती हूँ। दीक्षान्त समारोह के पावन अवसर पर मैं, सर्वप्रथम विद्या की देवी माँ सरस्वती के चरणों की वन्दना करती हूँ तथा अपने राजनैतिक एवं सामाजिक जीवन में अन्वेषणात्मक उच्च कीर्तिमान स्थापित करने वाली, वात्सल्य एवं ममतामयी भाव से ओतप्रोत, सामाजिक सरोकारों से अन्तःकरण से जुड़ीं, करुणा एवं स्नेह की प्रतिमूर्ति, हमारी संरक्षक, मार्गदर्शक एवं प्रेरणा–स्रोत आदरणीय कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश, श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी का मैं विश्वविद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक अभिनंदन–वन्दन और स्वागत करती हूँ। आपकी जनचेतना से जुड़ी हुई संवेदनशीलता और क्रियाशीलता के फलस्वरूप पूरे प्रदेश में, निम्नतम को उच्चतम बनाने के सरोकारों का बीजारोपण हुआ है। आपके निर्देशन में उच्च शिक्षा को नई दिशा प्राप्त हुई है। माननीय कुलाधिपति जी हम, पुनः आपका हृदय की गहराइयों से स्वागत एवं अभिनन्दन करते हैं।

समारोह के माननीय मुख्य अतिथि, अप्रतिम प्रतिभा के धनी, प्रो0 गिरीश्वर मिश्र जी ने हमारे आमंत्रण को स्वीकार कर, आज के इस दीक्षान्त समारोह को गौरव प्रदान किया है। हम विश्वविद्यालय परिसर में आपका अन्तःकरण से स्वागत एवं अभिनन्दन करते हैं। मुख्य अतिथि जी, आपका आशीर्वाद ही हमारे प्रिय विद्यार्थियों को नई ऊचाइयों तक, सहज में ही पहुँचा देगा। आपने दीक्षान्त समारोह में, दीक्षान्त भाषण देने के लिये, विश्वविद्यालय के आमंत्रण को स्वीकार किया, जिसके लिए विश्वविद्यालय परिवार आपका हृदय से आभारी है।

आज हमारे बीच राजभवन से पधारे माननीय कुलाधिपति जी के विशेष कार्याधिकारी तथा परिसहाय, मीडिया से जुड़े पत्रकार बन्धु, उपस्थित समस्त जन समुदाय का पुनः हृदय से स्वागत एवं अभिनन्दन करती हूँ।

विश्वविद्यालय के इस छब्बीसवें दीक्षान्त समारोह के पावन अवसर पर मैं उन सभी विभूतियों विशेषकर पूर्व मुख्यमंत्री स्व0 वीर बहादुर सिंह जी का स्मरण करते हुए अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करती हूँ, जिनके सद् प्रयासों से अस्तित्व में आया पूर्वान्चल की जनता के लिए ज्ञान का यह प्रकाश–स्तम्भ अपने उद्‌देश्यों की प्राप्ति हेतु अग्रसर हैं।

पूर्वान्चल की भूमि के जिस स्थल पर विश्व–विद्या–केन्द्र स्थापित हुआ है, उस जौनपुर का ऐतिहासिक ही नहीं, वरन् एक प्राचीन पौराणिक महत्व भी है। पौराणिक, आख्यानों के अनुसार पूर्वान्चल का यह जनपद ऋषि भृगु, महर्षि जमदग्नि, महर्षि दुर्वासा की साधना भूमि रही है।

जौनपुर जनपद की ऐतिहासिकता बौद्ध–युग से लेकर पूर्व मध्य–काल के राजपूत–युग एवं सल्तनत–युग के अवशेषों एवं इमारतों से जीवन्त है। भारत में मुस्लिम कला एवं हिन्दू कला की

समन्वयवादी धारा एवं हिन्दू–मुस्लिम एकता तथा साम्प्रदायिक सद्भाव की गंगा–यमुनी संस्कृति की सुगंध आज भी जौनपुर के सामाजिक जीवन में विद्यमान हैं।

छब्बीसवें दीक्षान्त समारोह के पुनीत अवसर पर उपस्थित सभी उपाधि तथा स्वर्णपदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देती हूँ जिन्होंने आज अपने अनवरत् परिश्रम के बल पर जीवन का एक सोपान पार किया है और विद्याध्ययन कर, ज्ञानार्जन किया है। प्रिय विद्यार्थियों, आज आपने कृषि, कला, वाणिज्य, शिक्षा, विधि, विज्ञान, प्रबन्ध अध्ययन, अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी, इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी एवं औषधि संकायों में स्नातक, परास्नातक एवं पीएच0डी0 की उपाधियों को अर्जित कर अपने अभिभावकों एंव गुरुजनों का सम्मान बढ़ाया है। विश्वविद्यालय परिवार को, आप पर गर्व है और आपको बधाई देता है।

पूर्वी उत्तर प्रदेश के इस अंचल में अवस्थित, वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, परिक्षेत्र की अनेक भौगोलिक, सामाजिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक विशिष्टताएँ हैं। यहाँ के विद्यार्थियों में असीम उत्साह एवं क्षमता है। उन्हें जीवन के प्रति आधुनिक विचारों के साथ नये–नये तकनीकी, आर्थिक एवं सामाजिक परिवर्तनों से प्रशिक्षित करते हुए जीवन की ऊँचाइयों को छूने के लिए प्रेरित करने की आवश्यकता है। यह विश्वविद्यालय इस पुनीत कार्य को अनवरत करता आ रहा है, जिससे यहाँ के विद्यार्थियों में राष्ट्रीय, चरित्र निर्माण एवं नैतिक उत्थान के भावों को बल मिला है।

प्रिय विद्यार्थियों! मैंने अभी बौद्धिक विकास की बात की है। मैं कहना चाहूँगी कि विश्वविद्यालय न केवल एक शैक्षणिक संस्थान है, बल्कि बौद्धिक एंव चारित्रिक चेतना के निर्माण का एक केन्द्र भी है। इस अवसर पर मुझे, विश्वविद्यालय की पाठ्येतर गतिविधियों से जुड़ी उपलब्धियों की चर्चा करते हुए प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है। जहाँ एन0 एस0 एस0, महिला अध्ययन केन्द्र, मिशन शक्ति, कौशल विकास केन्द्र एवं रोवर्स रेंजर्स जैसी गतिविधियों में विश्वविद्यालय का राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा है, वहीं विगत वर्षों में राजभवन, विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट सफलता का न केवल साक्षी रहा है, अपितु मार्गदर्शन एवं उत्साहवर्धन भी करता रहा है।

बौद्धिक विकास की यह प्रयोगशाला, पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर अपने उद्देश्यों के निरन्तर नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक, प्रशासकीय, अनुसंधान, संगोष्ठी/प्रशिक्षण, मासिक परिचर्चा, निर्माण, पर्यावरण संरक्षण के कार्यक्रमों के साथ–साथ सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्य एवं शासन की मंशानुसार निर्देशित अन्य कार्यों का आगे बढ़कर सम्पादन एवं नेतृत्व किया है तथा कतिपय विशिष्ट उपलब्धि हासिल की है जिन्हें मैं अति संक्षिप्त रूप में आप सभी के संज्ञान में लाना चाहूँगी–

- एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना के अन्तर्गत भाषा की अनेकता में एकता को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विश्वविद्यालय में सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स भाषा केन्द्र की स्थापना की गयी है जो प्रदेश में संचालित भाषा केन्द्रों की स्थापना, निगरानी, निरीक्षण एवं मूल्यांकन का दायित्व निभा रहा है। इस केन्द्र द्वारा तमिल के प्रसिद्ध कहानीकार ''कल्कि'' की लघु कथाओं का हिन्दी में अनुवाद किया गया है जो पुस्तक के रूप में प्रकाशित हो चुका है। जिसका लोकार्पण माननीय कुलाधिपति जी द्वारा किया गया है।
- विश्वविद्यालय को वर्तमान सत्र में खेलों के क्षेत्र में 121 पदक प्राप्त हुए हैं। जिन्हें 29 अगस्त को राजभवन में सम्मानित किया गया।
- विद्यार्थियों की सुविधा के लिए सितम्बर, 2020 से आनलाइन वेरिफिकेशन का कार्य शुरू किया गया है, इससे विद्यार्थी लाभान्वित हो रहे हैं।
- महिला सशक्तिकरण की दिशा में पहल करते हुए विश्वविद्यालय परिसर में लगातार ''सावन महोत्सव'' आयोजित हो रहा है।
- दो वर्षों से लगातार विश्वविद्यालय के शिक्षकों को शोध प्रोजेक्ट मिल रहें है।

- लगातार दूसरी बार विश्वविद्यालय के दो शिक्षकों को विश्व के दो प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में स्थान मिला है।
- विश्वविद्यालय शोध गंगा पोर्टल पर प्रथम स्थान और देश में पाँचवें स्थान पर है। शोध गंगा पोर्टल पर 8155 थीसिस अपलोड है।
- अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर 1000 महिलाओं का सम्मलेन परिसर में किया गया।
- विश्व पर्यावरण दिवस के दिन बड़ी संख्या में वृक्षारोपण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।
- ''शिक्षित महिलाओं से ही देश बनेगा आत्मनिर्भर'' विषय पर वेबीनार का आयोजन किया गया।
- विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन व कौशल विकास केन्द्र महिला सशक्तीकरण की दिशा में अनेक ट्रेनिंग प्रोग्राम चल रहे हैं।
- महिला सुरक्षा का मान–सम्मान एवं स्वाभिमान विषय पर वेबिनार एवं महिलाओं के मध्य जाकर जागरूकता कार्यक्रम लगातार किये जा रहे हैं।
- विश्वविद्यालय परिसर में हस्त निर्मित एवं स्वदेशी वस्तुओं का प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने हेतु ''स्वरोजगार मेला'' का आयोजन किया जा रहा है।
- आजादी का अमृत महोत्सव एवं हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत जनपद के शहीद स्थलों पर दिनांक 25 जुलाई से 17 अगस्त, 2022 के मध्य शहीद परिवारों को सम्मानित किया गया तथा कवि सम्मेलन, लोकगायन की प्रस्तुति, विभाजन की विभीषिका पर गोष्ठी एवं देशभक्ति पर केन्द्रित फिल्म का प्रदर्शन, तिरंगा यात्रा, रंगोली एवं पोस्टर, काव्यपाठ, निबंन लेखन एवं संभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये गाँवों में एन0 एस0 एस0 की इकाई लगातार कार्य कर रही है।
- टी0 बी0 के 65 मरीज ठीक हो चुके हैं अभी 779 रोगी विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एवं अधिकारियों द्वारा गोद लिए गये हैं। इस प्रकार समाज से जुड़कर विश्वविद्यालय अनेक कार्य कर रहा है।
- बेस्ट प्रैक्टिसेस के अन्तर्गत बापू बाजार एवं प्रेरणा कोचिंग का आयोजन।
- स्वामी विवेकानन्द जी की 159 वीं जयंती के शुभ अवसर उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन के आदेशानुसार ''अंतर्विश्वविद्यालयीय युवा महोत्सव'' का आयोजन किया गया, जिसमें कई विश्वविद्यालयों ने प्रतिभाग किया।

माननीया कुलाधिपति जी, उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जनपद आजमगढ़ में एक नया विश्वविद्यालय खोले जाने के फलस्वरूप, जनपद मऊ एवं आजमगढ़ उसमें सम्मिलित कर दिये गये हैं जिस कारण इस विश्वविद्यालय में मात्र जौनपुर एवं गाजीपुर जनपद के महाविद्यालय सम्बद्ध रह गये हैं। महाविद्यालयों एवं विद्यार्थियों की संख्या कम होने के कारण विश्वविद्यालय की वर्तमान आय में 50 प्रतिशत की कमी हो गई है, जिसके कारण विश्वविद्यालय को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। शिक्षकों के रिक्त पदों पर नियुक्तियाँ हो रही हैं जिससे व्यय भार और बढ़ेगा। इस कमी को पूरा करने हेतु विश्वविद्यालय के पास अन्य आय के स्रोत नहीं हैं, जिस कारण आधारभूत संरचनाओं के रख–रखाव, शिक्षकों/शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के वेतन व पेंशन की देयता को वहन कर पाना विश्वविद्यालय के लिये सम्भव नहीं हो पायेगा। यह भी अवगत कराना है कि विश्वविद्यालय को शासन से कोई अनुदान नहीं दिया जाता है। विश्वविद्यालय को सम्पूर्ण व्यय का निर्वहन अपने स्रोतों से ही करना पड़ता है।

आदरणीय कुलाधिपति जी पूर्वांचल विश्वविद्यालय की संक्रांतिमय उपलब्धियाँ, समर्पित शिक्षक, प्रबन्धक, कर्मठ अधिकारी एवं कर्मचारियों के अथक परिश्रम पूर्ण प्रयत्नों एवं हमारे कार्यक्षेत्र के जनसमाज, विश्वविद्यालय के विभिन्न समाजसेवी मित्रों, संस्थाओं, मीडिया के बन्धुगण तथा उ0प्र0 शासन एवं प्रशासन के सहयोग से ही अर्जित हुई हैं।

मैं सभी स्वर्ण पदक एवं उपाधि प्राप्तकर्ता विद्यार्थियों को पुनः हार्दिक बधाई देती हूँ और आशा करती हूँ वे अपने उत्कृष्ट योगदान से विश्वविद्यालय एवं देश का नाम रोशन करेंगे। मैं, महन्त अवेद्यनाथ संगोष्ठी भवन में उपस्थित सभी अभिभावकों, डिग्री धारकों, स्वर्ण पदक विजेताओं एवं आमंत्रित स्वनामधन्य समस्त सुधीजनों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करती हूँ तथा कक्षा 06 से कक्षा 08 तक के छात्र–छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करती हूँ। माननीया कुलाधिपति जी, मुख्य अतिथि विशिष्ट अतिथि एवं उपस्थित समस्त विद्वतजन् के प्रति आभार व्यक्त करती हूँ।

जय हिन्द, जय भारत।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल

माननीय कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

जीवन परिचय

जन्म तारीख : 21 नवम्बर, 1941

जन्म स्थान : खरोद, विजापुर तालुका, जिला - मेहसाणा।

शिक्षा : एम.एस-सी., एम.एड्. (गोल्ड मेडलिस्ट)।

व्यवसाय : सेवानिवृत्त प्राचार्य (मोहिनाबा गर्ल्स हाईस्कूल, अहमदाबाद) एवं समाज सेवा।

साहित्यिक गतिविधियाँ : समय-समय पर धरती, साधना एवं सखी पत्रिकाओं के लिए लेखन।

रुचि : अध्ययन, लेखन, यात्रा, जनसंपर्क।

प्रकाशित पुस्तक : 'ए मने हमेशा याद रहेशे' (गुजराती संस्करण), 'प्रयास' 'प्रतिबिंब'।

संसदीय जीवन

- राज्यसभा सदस्य वर्ष 1994-1998
- वर्ष 1998 मांडल विधानसभा क्षेत्र जिला अहमदाबाद से चुनकर विधायक बनीं।
- वर्ष 1998 से 2002 शिक्षा (प्रारंभिक, माध्यमिक, वयस्क) एवं महिला एवं बाल कल्याण मंत्री रहीं।
- पाटन विधानसभा क्षेत्र से वर्ष 2002 से दूसरी बार विधायक बनी और वर्ष 2002 से 2007 तक शिक्षा (प्रारंभिक, माध्यमिक, वयस्क), उच्च एवं तकनीकी शिक्षा, महिला एवं बाल कल्याण, खेल, युवा एवं सांस्कृतिक गतिविधि मंत्री के पद पर रहीं।
- वर्ष 2007 पाटन विधानसभा क्षेत्र से तीसरी बार विधायक बनीं। वर्ष 2007 से 2012 तक राजस्व, आपदा प्रबन्धन, सड़क एवं भवन, राजधानी परियोजना, महिला एवं बाल कल्याण मंत्री रही।
- वर्ष 2012 में अहमदाबाद शहर के घाटलोडिया विधानसभा क्षेत्र से चौथी बार लगातार विधायक बनीं तथा राज्य में सबसे अधिक मतों से विजय रहीं। वर्ष 2012 से 2014 तक राजस्व, सूखा राहत, भूमि सुधार, पुनर्वास, पुर्नर्निमाण, सड़क एवं भवन, राजधानी परियोजना, शहरी विकास शहरी आवास मंत्री रहीं।
- 22 मई 2014 से 7 अगस्त 2016 तक गुजरात राज्य की प्रथम महिला मुख्यमंत्री रहीं।
- 15 अगस्त 2018 से 28 जुलाई 2019 तक छत्तीसगढ़ की माननीय राज्यपाल रहीं।
- 23 जनवरी 2018 से 28 जुलाई 2019 तक मध्यप्रदेश की माननीय राज्यपाल रहीं।

राजनैतिक गतिविधियाँ

- 1987 में राजनीति से जुड़ी इस दौरान भाजपा प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्ष, प्रदेश इकाई की भाजपा उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रहीं।
- 1992 में भाजपा द्वारा आयोजित कन्याकुमारी से श्रीनगर तक की एकता यात्रा में शामिल होने वाली गुजरात की एक मात्र महिला रहीं। काश्मीर में तिरंगा नहीं लहरा देने की आतंकवादियों की धमकी के बावजूद 26 जनवरी 1992 में श्रीनगर के लाल चौक में राष्ट्रध्वज फहराने में शमिल थीं।

मुख्यमंत्री कार्यकाल में उपलब्धियाँ

- गरीब व मध्यम वर्ग के परिवारों को मुफ्त इलाज के लिए 'माँ वात्सल्य योजना' प्रारम्भ की।
- सभी गरीब वर्गों के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा हेतु 'युवा स्वावलंबन योजना' प्रारम्भ की।
- गुजरात को 100 प्रतिशत ओ.डी.एफ. (खुले में शौच-मुक्त) का अभियान चलाया।
- गुजरात को टोल टैक्स मुक्त (गैर व्यावसायिक वाहनों के लिए) बनाया।
- सभी महिलाओं के लिए कैंसर की जाँच एवं मुफ्त इलाज प्रारम्भ किया।
- नर्मदा के पानी को खेत तक पहुँचाने के लिए शाखा नहर, लघु नहर, उपलघु नहर के लिए सर्वसम्मति से जमीन संपादन का सफलतापूर्वक अभियान चलाया।
- सबसे कम समय में 100 से ज्यादा नगर नियोजन योजना को मंजूरी दी।
- विद्या सहायक योजना का पारदर्शक अमलीकरण।
- विद्या लक्ष्मी बॉन्ड एवं विद्या दीप योजनाएँ लागू की।
- माता यशोदा अवार्ड की घोषणा की।
- प्रक्रियात्मक सरलीकरण के लिए टेक्नोलॉजी का समुचित उपयोग।
- 10,000 करोड़ की लागत से ग्राम रास्तों का निर्माण।

सम्मान एवं पुरस्कार

- वर्ष 1958 में स्कूली शिक्षा के दौरान मेहसाणा के स्कूल स्पोर्ट्स फेस्टिवल में वीर बाला पुरस्कार से सम्मानित।
- वर्ष 1988 में गुजरात राज्य के 'श्रेष्ठ शिक्षक' पुरस्कार से सम्मानित।
- वर्ष 1990 में राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय स्तर के 'श्रेष्ठ शिक्षक' सम्मान से सम्मानित।
- मोहिनाबा कन्या विद्यालय की दो छात्राओं को जो तैरना नहीं जाननी थी बावजूद नर्मदा नदी में डूबने से बचाने के लिए गुजरात सरकार के वीरता पुरस्कार से सम्मानित।
- वर्ष 1999 में पटेल जागृति मण्डल, मुम्बई द्वारा 'सरदार पटेल पुरस्कार'।
- वर्ष 2000 में श्री तपोधन ब्राम्हण विकास मण्डल द्वारा 'विद्या गौरव' पुरस्कार।
- वर्ष 2005 में पटेल समुदाय द्वारा 'पाटीदार शिरोमणि' पुरस्कार दिया गया।
- अम्बुभाई पुरानी व्यायाम विद्यालय, राजपीपला द्वारा भी सम्मानित किया गया।
- चारुमति योद्धा अवार्ड द्वारा सम्मानित।

विदेश-यात्राएँ

- चौथी वर्ल्ड वूमेन्स कान्फ्रेंस, बीजिंग (चीन) में भारत सरकार के दल में शामिल हुई।
- वर्ष 1996 में भारतीय संसदीय दल के साथ बुलगारिया की यात्रा एवं फ्रांस, जर्मनी, हालैण्ड, इंग्लैण्ड, नीदरलैण्ड, अमेरिका, कनाडा एवं मेक्सिको आदि की शैक्षिक अध्ययन यात्राएँ।
- वर्ष 2002 में कॉमन वेल्थ पार्लियामेन्ट्री एसोसिएशन की गुजरात शाखा के दल के साथ नामीबिया-साउथ अफ्रीका में 48वीं कान्फ्रेंस में शामिल हुई।
- सितम्बर 2009 में आपने लंदन में विलेज इण्डिया प्रोग्राम में गुजरात का प्रतिनिधित्व किया।
- मई 2015 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र भाई मोदी के साथ गुजरात के व्यापारिक प्रतिनिधि-मण्डल के साथ बतौर मुख्यमंत्री चीन की यात्रा।

संस्थाएँ

- सहियर, ग्रामश्री।

मुख्य अतिथि प्रो0 गिरीश्वर मिश्र का संक्षिप्त परिचय

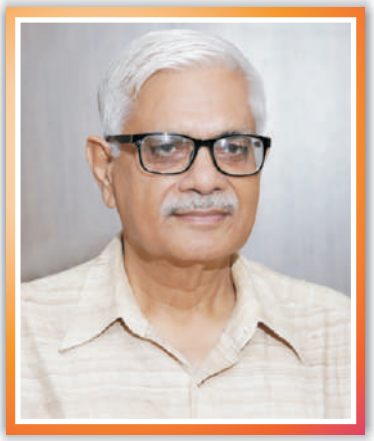

प्रो0 गिरीश्वर मिश्र एक मनोविद, विचारक एवं संस्कृति के अध्येता हैं। आपका जन्म 21 अप्रैल 1951 को पकड़डीहा गोरखपुर में हुआ। गोरखपुर विश्वविद्यालय से मनोविज्ञान में स्नातक, पीएचडी डिग्री प्राप्त करने के उपरांत आपने उसी विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान विषय के व्याख्याता के रूप में सन् 1970 में अपना कार्यजीवन प्रारम्भ किया। तद्नुपरान्त इलाहाबाद विश्वविद्यालय, भोपाल विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में आपका अध्यापन एवं शोध का एक वृहद अनुभव रहा है। उक्त विश्वविद्यालयों में अध्यापन तथा शोध कार्य के साथ–साथ ही आपने कई शैक्षणिक एवं प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन किया। आपने मार्च 2014 से अप्रैल 2019 तक महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र) में कुलपति के पद को भी सुशोभित किया। समाज, शिक्षा, संस्कृति और साहित्य से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर समाचारपत्रों में नियमित लेखन से आपने पाठकों का ज्ञानवर्धन किया है तथा समाज के सर्वांगीण विकास में आपके लेखनी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

भारतीय संस्कृति के व्याख्याकार के बतौर आपने जर्मनी, अमेरिका, इंग्लैंड, रूस, चीन, इंडोनेशिया तथा स्वीडन की शैक्षिक यात्रा की है। अमेरिका में मिशीगन, न्यू स्कूल ऑफ सोशल रिसर्च एंड स्वार्धमोर कॉलेज, फिलाडेल्फिया में फुलब्राइट फेलो तथा ससेक्स विश्वविद्यालय ब्रिटेन में फेलो के रूप में अध्यापन और शोध किया है। 35 छात्रों ने आपके निर्देशन में पीएच0डी0 की उपाधि प्राप्त की है। मनोविज्ञान विषय पर आपके द्वारा अंग्रेजी में 200 से अधिक शोध पत्र और 2 दर्जन से अधिक पुस्तकें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित की जा चुकी हैं। आप भारत के नेशनल एकेडेमी आफ साइकोलोजी के अध्यक्ष, भारत के सामाजिक अनुसंधान परिषद के सदस्य और राष्ट्रीय फेलो भी रहे हैं। आपको शैक्षणिक जगत में उत्कृष्ट योगदानों के लिए विभिन्न पुरस्कारों एवं सम्मानों से भी अलंकृत किया गया है जिसमें प्रमुख रूप से डॉ0 हरि सिंह गौर पुरस्कार, राधा–कृष्ण पुरस्कार, गोविंद बल्लभ पंत पुरस्कार और पंडित जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय पुरस्कार शामिल हैं। आप 10वें और 11वें विश्व हिंदी सम्मेलन के परामर्शदाता मंडल तथा केंद्रीय हिंदी समिति के सदस्य रहे हैं।

लगभग पाँच दशकों के अकादमिक जीवन में आपने विभिन्न शैक्षणिक प्रशासनिक पदों को भी सुशोभित किया है। आप 1985 से 1987 तक भोपाल विश्वविद्यालय में सामाजिक विज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष, 1983 से 1993 तक भोपाल विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष, 1998 से 1999 तक दिल्ली विश्वविद्यालय में कला संकाय के संकायाध्यक्ष, 1996 से 1999 तक दिल्ली विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विशेष सहायता कार्यक्रम के समन्वयक रहे। उक्त के अतिरिक्त आप शोध संकायाध्यक्ष, अध्यक्ष राजीव गांधी महिला छात्रावास तथा कमला नेहरू कॉलेज, सुखदेव कॉलेज, देशबंधु कॉलेज तथा हंसराज कॉलेज इत्यादि में गवर्निंग बॉडी के सदस्य भी रहे हैं। आप भारत के बहुप्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के अध्ययन परिषद, विद्या परिषद तथा अन्य समितियों के सम्मानित सदस्य भी रहें हैं।

प्रो0 गिरीश्वर मिश्र विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की समितियों के अध्यक्ष तथा सदस्य रहे हैं। वर्ष 1996 से 1999 तक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के मनोविज्ञान पैनल के सदस्य, 1998 में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एन0सी0ई0आर0टी0) के शैक्षिक शोध एवं नवाचार समिति के सदस्य, वर्ष 2000 में भारत के शैक्षिणिक सर्वे के सलाहकार एवं सम्पादकीय समिति के सदस्य, 2001 में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के मनोविज्ञान पाठ्यक्रम समिति के सलाहकार तथा राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय के मनोविज्ञान पाठ्यक्रम समिति के अध्यक्ष, 2002 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अनुसंधान पुरस्कार विजेता, 2003 से 2005 तक राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के प्रोग्राम एडवाइजरी कमेटी के सदस्य, 2002 से 2005 तक भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के सदस्य तथा 2003 में इसी संस्था के मनोवैज्ञानिक शोध सर्वे के पांचवें संस्करण के मुख्य संपादक भी रहे है।

आपके द्वारा मातृ भाषा हिंदी में भी लोकप्रिय एवं समसामयिक विषयों पर अनेक पुस्तकों का प्रकाशन किया गया है। आपकी कुछ महत्वपूर्ण प्रकाशित कृतियां ''होने और ना होने का सच''''हिंदी भाषा और समाज'' तथा ''भारत में शिक्षा : चुनौतियॉ और अपेक्षाएं'',''हिरना समुझि बूझि वन चरना'',''प्रकाश की आकांक्षा'',''समाज मनोविज्ञान के मूल आधार'',''बाल अपराध'',''एक विकासशील देश में मनोविज्ञानः भारतीय अनुभव''(अनुवाद)''भारतीय साधु संत और सन्यासी : जीने की एक राह यह भी'' हैं। इनके अतिरिक्त आपने पंडित विद्यानिवास मिश्र की प्रकाशित कृतियों ''रहिमन पानी राखिए'' ''वनका छंद : अज्ञेय'' ''अपने मोर्चे'',''भारतीय संस्कृत के आधार'' तथा ''भक्ति काव्य का उत्कर्ष : तुलसीदास'' का संपादन किया है। आप द्वारा साहित्य अकादमी के लिए विद्या निवास मिश्र रचना संरचना संचयन का संपादन भी किया गया है।

मुख्य अतिथि का उद्‌बोधन

प्रोफेसर गिरीश्वर मिश्र

पूर्व कुलपति

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र

ॐ पूर्णमदः पूर्णमिदं पूर्णात्पूर्णमुदच्यते।
पूर्णस्य पूर्णमादाय पूर्णमेवावशिष्यते ।।
ॐ शांतिः शांतिः शांतिः ।।

(ॐ पूर्ण है वह, पूर्ण है यह, पूर्ण से निष्पन्न होता पूर्ण है।
पूर्ण में से पूर्ण को यदि लें निकाल,
शेष तब भी पूर्ण ही रहता सदा।
ॐ शांतिः शांतिः शांतिः।)

माननीय कुलाधिपति, राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य जी, विश्वविद्यालय कार्य परिषद एवं विद्या परिषद के सम्मानित सदस्यगण, समस्त प्राध्यापक वृंद, कर्मचारीगण, उपाधि प्राप्त करने वाले सभी स्नातक तथा अभ्यागत अतिथिगण!

महान ऋषियों–मुनियों, सन्तों, कर्मवीरों की इस पावन भूमि को नमन करते हुए मैं आप सबको विश्वविद्यालय के छब्बीसवें दीक्षान्त समारोह के शुभ अवसर पर हार्दिक बधाइयाँ और शुभकामनाएँ देता हूँ। आज हम सब ऐसे उपक्रम के साक्षी हो रहे हैं, जब हमारे युवा साथी औपचारिक शिक्षा प्राप्त कर जीवन के अगले चरण में अग्रसर होने के लिए तत्पर हो रहे हैं।

मुझे विश्वास है कि ज्ञान–विज्ञान, सेवा और जीवन मूल्यों का जो अर्जन हमारे युवा साथियों ने इस विद्या–परिसर में किया है, उसे जीवन में उतारते हुए व्यक्तिगत, पारिवारिक और राष्ट्रीय जीवन को समृद्ध तथा पुष्ट बनाने में वे सफल होंगे। मेरी मंगल कामना है कि अपने भावी जीवन को लेकर इनकी जो कल्पनाएं हैं और इनके परिजनों के जो सपने हैं, वे पूर्ण हों। आप समाज, देश और दुनिया की सबसे मूल्यवान धरोहर सिद्ध हों तथा आपकी प्रतिभा, कौशल व ऊर्जा प्रति पल देश और समाज के उपयोग में आए। आप अपने लक्ष्यों को पाने में सफल हो कर सुखी, शांतिमय, गरिमामय एवं यशस्वी जीवन व्यतीत करें।

मैं जानता हूं कि आप ज्ञान और ऊर्जा के अक्षय भंडार हैं। आपको इसका सकारात्मक और सर्जनात्मक उपयोग देश और समाज की उन्नति के लिए करना है। एक ओर जहां आप सोचेंगे कि आपके ज्ञान और ऊर्जा का बेहतर उपयोग किस प्रकार हो, वहीं देश और समाज को भी इस हेतु उपयुक्त अवसर, कार्य–परिवेश और आवश्यक समर्थन देना होगा ताकि आप कुंठित न हों और उत्साह से कार्य कर सकें।

आज पूरा विश्व पारिस्थितिकी और पर्यावरण से जुड़ी अनेक समस्याओं से जूझ रहा है। इन समस्याओं का मुख्य कारण असंतुलित विकास और निर्माण कार्य में पर्यावरणीय समस्याओं की अनेदखी करना है। धरती हम सबकी माता है जो सबका भरण–पोषण करती है। यही सोच कर ऋषियों ने कहा था माता पृथ्वी पुत्रोहं पृथिव्याः। परंतु इस पवित्र भाव को भुलाते हुए हमने जल, जंगल और जमीन को भौतिक संसाधान मान कर स्वार्थवश उनके अंधाधुंध शोषण में जुट गए। ऐसे में संपूर्ण प्राणि–जगत और जीवन का अस्तित्व ही संकटग्रस्त होता गया। इसके विनाशकारी दुष्परिणाम अनेक रूपों में सामने आ रहे हैं। इससे देश के सामाजिक और आर्थिक ताने–बाने पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

इस संदर्भ में मेरा माननीय कुलपति जी तथा आप सभी आचार्यगणों, विद्यार्थियों, तथा समस्त विश्वविद्यालय परिवार से आग्रह है कि प्रकृति के संरक्षण की चिन्ता को अपने कार्यों में सम्मिलित करते हुए, इस दिशा में गम्भीरता से प्रयत्नशील हों। जल, जंगल और जमीन के संरक्षण और संवर्द्धन के प्रयासों को प्राथमिकता देते हुए इस दिशा में अपने ज्ञान, कौशल तथा अनुसंधान का उपयोग करें। इस कार्य में वैज्ञानिक ज्ञान के साथ लोक–ज्ञान को युक्तिसंगत ढंग से जोड़ने की जरूरत होगी। प्रकृति का संरक्षण जीवन का संरक्षण है। इसे शिक्षा का अभिन्न अंग बनाने की जरूरत है। इस काम में यदि हम सफल होते हैं तो अनेक समस्याओं के समाधान का मार्ग स्वयं ही निकल आयेगा, ऐसा मेरा विश्वास है।

मुझे यह जान कर प्रसन्नता हुई कि इस विश्वविद्यालय के अनेक शिक्षकों और विद्यार्थियों ने अपने क्षेत्र के प्राकृतिक परिवेश के विविध आयामों को समझने और समझाने की दिशा में पहल की है और सामाजिक उत्तरदायित्व का परिचय दिया है जिसका लाभ इस क्षेत्र को अवश्य मिलेगा। आशा है कि आने वाले वर्षो में यशस्वी कुलपति के नेतृत्व में यह काम और गहनता के साथ आगे बढ़ेगा। इस प्रसंग में यह भी याद रखना होगा कि गोमती नदी यहाँ

की जीवन रेखा है। यह इस क्षेत्र के लिए पुण्यतोया गंगा ही है। आशा है अन्य संस्थाओं के सहयोग से गोमती को निरन्तर प्रवाहमान बनाये रखने के प्रयास को गति मिलेगी ।

आज का दौर उपभोक्तावाद और व्यक्तिवाद का दौर है जिसमें 'सर्वे भवंतु सुखिनः सर्वे संतु निरामयाः' का लक्ष्य विस्मृत होता जा रहा है। 'अधिक से अधिक प्राप्त करो और अधिकाधिक उपभोग करो' की जीवन शैली हमारी सामाजिक और आर्थिक संरचना के लिए घातक सिद्ध हो रही है। खेद है कि इस पर हमारा ध्यान नहीं जा रहा है। हम भूल रहे हैं कि इस पृथ्वी के कोई भी संसाधन असीमित नहीं हैं। उन्हें एक न एक दिन समाप्त होना ही है। इसलिए जरूरी यह है कि हम उतना ही उपभोग करें, जितना यह धरती सहन कर सकती है और जिससे सबका हित हो सके। यदि हम निजी स्वार्थ छोड़ कर अपनी विचारधारा को व्यापक करें और इसके अनुरूप व्यवहार करना शुरू करें तो यह धरती और मानवता, दोनों की बहुत बड़ी सेवा होगी। मैं ईशावास्योपनिषद के उस मंत्र की ओर आपका ध्यान जरूर आकर्षित करना चाहूँगा जो पूज्य बापू को भी बड़ा प्रिय था :

ईशावास्यमिदं सर्वं यत् किंच जगत्यां जगत् ।
तेन त्यक्तन भुंजीथाः, मा गृधःकस्यस्विद्धनम् ।।

कविवर उमाशंकर जोशी ने इसका काव्यमय रूपांतर इस प्रकार किया है जिससे इसका अभिप्राय व्यक्त हो जाता है :

ईश का आवास यह सारा जगत
जीवन यहाँ जो कुछ उसी से व्याप्त है।
अतएव कर के त्याग उसके नाम से
तू भोग कर उसका, तुझे जो प्राप्त है ।
धन की किसी के भी न रख तू वासना ।।

यह संसार और यहाँ के पदार्थ सब में ईश्वर का वास है। यह सब हमारा आपका यह नहीं है। हम तो सिर्फ न्यासी या ट्रस्टी ही हो सकते हैं। इसलिए त्यागपूर्वक भोग ही करना जीवन और जगत के लिए हितकर और श्रेयस्कर है। कहना न होगा कि अस्तेय और अपरिग्रह का विचार बापू ने यहीं से हृदयंगम किया था। आज के अवसर पर, जो आपके जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ है, मैं आपको महात्मा गांधी की यह सीख याद दिलाना चाहता हूँ कि 'यह धरती हम सबका पालन तो कर सकती है किन्तु किसी के भी लालच को पूरा नहीं कर सकती'।

मित्रों, जब हम विकास के नये कार्यक्रम को स्वीकारते है, व उत्कृष्टता के मार्ग पर चलते हैं तो हमारे सामने कई चुनौतियां खड़ी होती हैं। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का क्षेत्र निश्चय ही बहुत रोमांचक है। कृत्रिम बुद्धि का विलक्षण परिणाम जाने क्या क्या करेगा? चुनौतियों और उपलब्धियों से भरा यह क्षेत्र हमारे जीवन की अनेक समस्याओं के समाधान के लिए कई बहुविषयक दृष्टिकोण विकसित करता है। सचमुच, इसके लिए ज्यादा मानसिक दक्षता, दृढ़ संकल्प एवं समर्पण से युक्त लोगों की जरूरत होती है। मैं अपने समक्ष ऐसे ही होनहार एवं जागृत लोगों का एक बड़ा समूह देख रहा हूँ जो उक्त योग्यताओं से भरपूर इस तेजी से बदलती रोमांचक दुनिया का किसी न किसी रूप में हिस्सा बन रहे हैं। आज की नौजवान पीढ़ी को विवेक के साथ वैश्विक नेतृत्व प्रदान करने के देश के सपने को साकार करने हेतु संकल्प लेना होगा, और मुझे विश्वास है कि आप निश्चय ही ऐसा करेंगे।

मेरा पूर्ण विश्वास है कि हमें अपनी क्षमताओं का सम्यक् निवेश करने के लिए साथ मिलकर विज्ञान और प्रौद्योगिकी के निष्कर्षों का व्यावहारिक उपयोग अपने ज्ञान और श्रम को देश की समृद्धि एवं आम जनों की जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए कर सकेंगे। हमें यह याद रखना होगा कि आज भारत विश्व का युवतम देश है जहां की जनसंख्या में युवा वर्ग का अनुपात सर्वाधिक है। देश के लिए यह एक बड़ा अवसर है। आपके बल पर आत्मनिर्भर और सशक्त भारत के निर्माण का मार्ग प्रशस्त होगा। इसलिए आपको स्वयं को निपुण और दक्ष बनाना होगा और जीवन में सतत स्वयं को परिष्कृत और योग्य प्रमाणित करते रहना होगा।

आपको जीवन–पथ पर अग्रसर होने के लिए मैं पुनः शुभकामनाएं देता हूँ कि आपका जीवन सुख और समृद्धि से परिपूर्ण हो और साथ ही यह भी कामना करता हूँ कि आप चरित्रवान हों तथा समाज और देश का गौरव बनें। आपकी जीवन – यात्रा शुभ हो – शुभास्ते संतु पंथानः !

मैं वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिवार के प्रति हृदय से कृतज्ञ हूँ कि मुझे इस विशिष्ट अवसर पर आप सब के बीच उपस्थित होने और अपने उद्‌गार व्यक्त करने का अवसर और गौरव प्राप्त हुआ। मैं उन समस्त महानुभावों के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूँ जो इस गरिमामय समारोह में सम्मिलित हैं।

धन्यवाद।

जय हिन्द।

कार्य परिषद के सम्मानित सदस्यगण

1.	प्रो0 निर्मला एस0 मौर्य, कुलपति।	अध्यक्ष
2.	मा0 न्यायमूर्ति श्री अभिनव उपाध्याय, (अ0प्रा0), 4, जवाहरलाल नेहरू रोड, टैगोर टाउन, प्रयागराज।	सदस्य
3.	प्रो0 राम नारायण, संकायाध्यक्ष विज्ञान संकाय, बायोटेक्नोलॉजी विभाग, विश्वविद्यालय परिसर।	सदस्य
4.	प्रो0 अजय प्रताप सिंह, संकायाध्यक्ष अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी संकाय, विश्वविद्यालय परिसर।	सदस्य
5.	प्रो0 आर0एस0 मीणा, वाणिज्य संकाय, काशी हिन्दू वि0वि0, वाराणसी।	सदस्य
6.	प्रो0 मुनेश कुमार, शिक्षा संकाय विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।	सदस्य
7.	प्रो0 परदेशी लाल, कुलपति, नागालैण्ड विश्वविद्यालय, लुमामी, नागालैण्ड।	सदस्य
8.	प्रो0 संजय कुमार, विभागाध्यक्ष, भौतिक विज्ञान विभाग, काशी हिन्दू वि0वि0, वाराणसी।	सदस्य
9.	प्रो0 अविनाश डी0 पाथर्डिकर, एच0आर0डी0 विभाग, विश्वविद्यालय परिसर।	सदस्य
10.	डॉ0 संतोष कुमार, भौतिक विज्ञान विभाग, इंजीनियरिंग संस्थान, विश्वविद्यालय परिसर।	सदस्य
11.	डॉ0 सचिन अग्रवाल, सहा0 आचार्य, एम0एफ0सी0 विभाग, विश्वविद्यालय परिसर।	सदस्य
12.	डॉ0 सुरेश कुमार पाठक, प्राचार्य, मड़ियाहूँ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मड़ियाहूँ, जौनपुर।	सदस्य
13.	डॉ0 विजय कुमार राय, प्राचार्य, स्वामी सहजानन्द पी0जी0 कालेज, गाजीपुर।	सदस्य
14.	डॉ0 अजय शुक्ल, प्राचार्य, समता स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सादात, गाजीपुर।	सदस्य
15.	प्रो0 अवधेश कुमार द्विवेदी, भौतिक विज्ञान विभाग, राजा श्री कृष्ण दत्त पी0जी0 कालेज, जौनपुर।	सदस्य
16.	डॉ0 विरेन्द्र कुमार त्रिपाठी, प्राणि विज्ञान विभाग, टी0डी0पी0जी0 कालेज, जौनपुर।	सदस्य
17.	श्री महेन्द्र कुमार, कुलसचिव।	सचिव
18.	श्री संजय कुमार राय, वित्त अधिकारी।	विशेष आमंत्रित

विद्या परिषद के सम्मानित सदस्यगण

1.	प्रो0 निर्मला एस0 मौर्य, कुलपति।	अध्यक्ष
2.	डॉ0 ओम प्रकाश सिंह, संकायाध्यक्ष, कृषि संकाय, तिलकधारी महाविद्यालय, जौनपुर।	सदस्य
3.	डॉ0 राजेश कुमार सिंह, संकायाध्यक्ष, कला संकाय, राष्ट्रीय पी0जी0कालेज, जमुहाई, जौनपुर।	सदस्य
4.	डॉ0 सत्य प्रकाश, वाणिज्य संकाय, महंत रामाश्रय दास महाविद्यालय, भुड़कुड़ा, गाजीपुर।	सदस्य
5.	प्रो0 जय प्रकाश सिंह, संकायाध्यक्ष, शिक्षा संकाय, टी0डी0 पी0जी0 कालेज, जौनपुर।	सदस्य
6.	डॉ0 राजेश कुमार सिंह, संकायाध्यक्ष, विधि संकाय, टी0डी0 पी0जी0 कालेज, जौनपुर।	सदस्य
7.	प्रो0 राम नारायण, बायोटेक्नोलॉजी विभाग, संकायाध्यक्ष, विज्ञान संकाय, विश्वविद्यालय परिसर।	सदस्य
8.	प्रो0 अजय प्रताप सिंह, संकायाध्यक्ष, अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी संकाय, विश्वविद्यालय परिसर।	सदस्य
9.	प्रो0 बी0बी0 तिवारी, संकायाध्यक्ष, इंजीनियरिंग और टेक्नालॉजी संकाय, विश्वविद्यालय परिसर।	सदस्य
10.	प्रो0 अजय द्विवेदी, संकायाध्यक्ष, प्रबन्ध अध्ययन संकाय, विश्वविद्यालय परिसर।	सदस्य
11.	डॉ0 संदीप कुमार सिंह, यांत्रिक अभियांत्रिक विभाग, विश्वविद्यालय परिसर।	सदस्य
12.	डॉ0 सन्तोष कुमार, भौतिक विज्ञान विभाग, इंजीनियरिंग संस्थान, विश्वविद्यालय परिसर।	सदस्य
13.	डॉ0 राजकुमार, गणित विभाग, इंजीनियरिंग संस्थान, विश्वविद्यालय परिसर।	सदस्य
14.	डॉ0 मनोज कुमार मिश्र, जनसंचार विभाग, विश्वविद्यालय परिसर।	सदस्य
15.	प्रो0 वी0डी0 भार्मा, व्यवसायिक अर्थशास्त्र विभाग, विश्वविद्यालय परिसर।	सदस्य
16.	डॉ0 संजीव गंगवार, कम्प्यूटर सांइस इजी. एवं इनफार्मेशन टेक्नालॉजी विभाग, विश्वविद्यालय परिसर।	सदस्य
17.	डॉ0 रजनीश भाष्कर, इलेक्ट्रिकल इन्जीनियरिग विभाग, विश्वविद्यालय परिसर।	सदस्य
18.	डॉ0 सौरभ पाल, कम्प्यूटर एप्लीकेशन विभाग, विश्वविद्यालय परिसर।	सदस्य
19.	डॉ0 सचिन अग्रवाल, वित्त एवं नियंत्रण, विश्वविद्यालय परिसर।	सदस्य
20.	डॉ0 कमलेश पाल, ह्यूमनीटिज एण्ड सोशल साइंस, विश्वविद्यलय परिसर।	सदस्य
21.	डॉ0 पारस नाथ, हिन्दी विभाग, गन्ना कृषक महाविद्यालय, ताखा, शाहगंज, जौनपुर।	सदस्य
22.	डॉ0 विजेन्द्र सिंह, राजनीति शास्त्र विभाग, सल्तनत बहादुर पी0 जी0 कालेज, बदलापुर, जौनुपर।	सदस्य
23.	डॉ0 विन्ध्याचल सिंह यादव, भूगोल, समता महाविद्यालय सादात, गाजीपुर।	सदस्य
24.	श्रीमती पुष्पा सिंह, संस्कृत विभाग, डिग्री कॉलेज मलिकपुरा गाजीपुर।	सदस्य
25.	डॉ0 यादवेन्द्र दत्त तिवारी, समाजशास्त्र विभाग, सल्तनत बहादुर पी0 जी0 कालेज, बदलापुर, जौनुपर।	सदस्य
26.	डॉ0 अखण्ड प्रताप सिंह, प्रा0 इतिहास विभाग, सल्तनत बहादुर पी0 जी0 कालेज, बदलापुर, जौनुपर।	सदस्य
27.	डॉ0 रमेश मणि त्रिपाठी, मनोविज्ञान विभाग, कुटीर पी0 जी0 कालेज ,चक्के, जौनपुर।	सदस्य
28.	डॉ0 श्रीमती शशि सिंह, इतिहास विभाग, टी0डी0 पी0 जी0 कालेज, जौनपुर।	सदस्य
29.	श्री मायानन्द उपाध्याय, शिक्षाशास्त्र विभाग, आर0 एस0 के0 डी0 पी0जी0 कालेज, जौनपुर।	सदस्य
30.	श्री अजय कुमार राय, अंग्रेजी विभाग, सहजानन्द पी0जी0कालेज, गाजीपुर।	सदस्य
31.	डॉ0 दलसिंगार सिंह, दर्शनशास्त्र विभाग, टी0डी0 पी0 जी0 कालेज, जौनपुर।	सदस्य
32.	डॉ0 राम सबद यादव, अर्थशास्त्र विभाग, गन्ना कृषक पी0 जी0 कालेज, ताखा, शाहगंज, जौनपुर।	सदस्य
33.	डॉ विजय कुमार उपाध्याय, गोविंद बल्लभ पंत महाविद्यालय, प्रतापगंज, जौनपुर।	सदस्य
34.	डॉ0 दीप्ति सिंह, संगीत विभाग, राजकीय महिला महाविद्यालय, गाजीपुर।	सदस्य
35.	डॉ0 दिनेश कुमार सिंह, रसायन विज्ञान विभाग, पी0जी0 कालेज, गाजीपुर।	सदस्य
36.	डॉ0 अवधेश कुमार द्विवेदी, भौतिकी विभाग, आर0एस0के0 डी0 कालेज, जौनपुर।	सदस्य
37.	श्री बीरेन्द्र कुमार त्रिपाठी, प्राणि विज्ञान विभाग, टी0डी0 पी0जी0 कॉलेज, जौनपुर।	सदस्य
38.	डॉ अरविंद कुमार सिंह, वनस्पति विज्ञान विभाग, टी0डी0 पी0जी0 कॉलेज, जौनपुर।	सदस्य
39.	डॉ0 सत्यप्रकाश सिंह, गणित विभाग, टी0डी0 पी0जी0 कॉलेज, जौनपुर।	सदस्य
40.	डॉ0 जय प्रकाश सिंह, बी0एड0 विभाग, टी0डी0 पी0जी0 कॉलेज, जौनपुर।	सदस्य
41.	श्री सूर्य प्रकाश सिंह, विधि विभाग, टी0डी0 पी0जी0 कॉलेज, जौनपुर।	सदस्य
42.	डॉ0 सत्य प्रकाश, वाणिज्य विभाग, महन्थ रामाश्रय दास पीजी0कालेज, भुड़कुड़ा, गाजीपुर	सदस्य
43.	डॉ0 अरूण कुमार यादव, कृषि अर्थशास्त्र विभाग, पी0 जी0 कालेज, गाजीपुर	सदस्य
44.	डॉ0 घसीटा सिंह, कृषि बनस्पति विभाग, पी0 जी0 कालेज, गाजीपुर	सदस्य

45. डॉ0 एन0के0 मिश्रा, कृषि प्रसार विभाग, टी0डी0 पी0जी0 कॉलेज, जौनपुर। सदस्य
46. डॉ0 राजेश कुमार पाल, पशुपालन एवं दुग्ध उद्योग विभाग, टी0डी0 पी0जी0 कॉलेज, जौनपुर। सदस्य
47. डॉ0 अवधेश कुमार सिंह, कृषि रसायन विभाग, पी0 जी0 कालेज, गाजीपुर। सदस्य
48. डॉ0 मनोज कुमार त्रिपाठी, कृषि कीट विज्ञान, टी0डी0 पी0जी0 कॉलेज, जौनपुर। सदस्य
49. डॉ0 रमेश सिंह, पादप रोग विभाग, टी0डी0 पी0जी0 कॉलेज, जौनपुर। सदस्य
50. डॉ0 श्रीश कुमार सिंह, शस्य विज्ञान विभाग, टी0डी0 पी0जी0 कॉलेज, जौनपुर। सदस्य
51. श्री पदमेन्द्र प्रभाकर सिंह, कृषि अभियन्त्रण विभाग, टी0डी0 पी0जी0 कॉलेज, जौनपुर। सदस्य
52. डॉ0 रजनीश सिंह, कृषि उद्यान विभाग, टी0डी0 पी0जी0 कॉलेज, जौनपुर। सदस्य
53. डॉ0 श्याम कन्हैया सिंह, भूगर्भ विज्ञान विभाग, प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) संस्थान, वि0वि0 परिसर। सदस्य
54. मु0 राशिद रब्बानी, उर्दू विभाग, राजकीय महाविद्यालय, यूसुफपुर , मुहम्मदाबाद, गाजीपुर। सदस्य
55. प्रो0 वन्दना राय, बायोटेक्नोलॉजी विभाग, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
56. प्रो0 मानस पाण्डेय, व्यसायिक अर्थशास्त्र विभाग, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
57. प्रो0 राजेश शर्मा, वायोटेक्नोलाजी विभाग, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
58. प्रो0 देवराज, भौतिक विज्ञान विभाग, प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) संस्थान, वि0वि0 परिसर। सदस्य
59. प्रो0 अशोक कुमार श्रीवास्तव, इंजीनियरिंग और टेक्नालाजी संकाय, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
60. डॉ0 सुरेश कुमार पाठक, प्राचार्य मड़ियाहूँ पी0जी0कालेज, मड़ियाहूँ, जौनपुर सदस्य
61. डॉ0 विजय कुमार राय, प्राचार्य सहजानन्द पी0जी0 कालेज, गाजीपुर। सदस्य
62. डॉ0 अजय शुक्ला, प्राचार्य समता महाविद्यालय, सादात, गाजीपुर। सदस्य
63. डॉ0 प्रदीप कुमार, वायोटेक्नोलाजी विभाग, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
64. डॉ0 प्रमोद कुमार यादव, भौतिक विज्ञान विभाग, प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) संस्थान, वि0वि0 परिसर। सदस्य
65. डॉ0 प्रमोद कुमार, रसायन विज्ञान विभाग, प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) संस्थान, वि0वि0 परिसर। सदस्य
66. डॉ0 मुराद अली, व्यवसाय प्रबंध विभाग, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
67. प्रो0 सुरजीत कुमार यादव, कम्प्यूटर एप्लीकेशन विभाग, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
68. डॉ0 रसिकेश, मानव संसाधन विभाग, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
69. श्री सुशील कमार, वित्त एवं नियंत्रण विभाग, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
70. डॉ0 धीरेन्द्र सिंह, प्राचीन इति0 विभाग, महन्थ रामाश्रय दास पीजी0 कालेज, भुड़कुड़ा, गाजीपुर। सदस्य
71. श्री रमाशंकर सिंह, अर्थशा0 विभाग, श्री गणेश राय पी0जी0 कालेज, डोभी, जौनपुर। सदस्य
72. डॉ0 सुधीर कुमार सिंह, अर्थशा0विभाग राजा हरपाल सिंह पी0जी0 कालेज, सिंगरामऊ, जौनपुर। सदस्य
73. डॉ0 बद्री नाथ सिंह, सैन्य विज्ञान विभाग पी0जी0 कालेज, गाजीपुर। सदस्य
74. डॉ0 अवधेश नारायण राय, समाजशास्त्र विभाग, स्वामी सहजानन्द पी0जी0 कालेज, गाजीपुर। सदस्य
75. डॉ0 विजय कुमार उपाध्याय, सैन्य विज्ञान विभाग, गोविन्द बल्लभ पन्त महाविद्यालय, प्रतापगंज, जौनपुर। सदस्य
76. श्री अजय कमार राय, अंग्रेजी विभाग, स्वामी सहजानन्द पी0जी0 कालेज, गाजीपुर। सदस्य
77. प्रो0 अजय द्विवेदी, वित्तीय अध्ययन विभाग, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
78. डॉ0 देवब्रत मिश्र, प्राणि विज्ञान विभाग, टी0डी0 पी0जी0 कॉलेज, जौनपुर। सदस्य
79. डॉ शीतला प्रसाद वर्मा, प्राचार्य, बाबा बरूआ दास स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अंबेडकर नगर। सदस्य
80. प्रो0 मुन्नीलाल (अ0प्रा0), अर्थशास्त्र विभाग, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी। सदस्य
81. डॉ गीता सिंह, हिंदी विभाग डी0ए0वी0पी0जी0 कॉलेज, आजमगढ़। सदस्य
82. प्रो0 रिषभ देव शर्मा, पूर्व अध्यक्ष उच्च शिक्षा एवं शोध संस्थान, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास। सदस्य
83. प्रो0 आर0एन0 खरवार, वनस्पति विज्ञान विभाग काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी। सदस्य
84. प्रो0 राजेश कुमार, एनवायरमेंटल माइक्रोबायोलॉजी, बाबा साहब भीमराव अंबेडकर वि0वि0, लखनऊ। सदस्य
85. डॉ0 शम्भू राम, प्राचार्य, आर0एस0के0डी0 कॉलेज, जौनपुर। सदस्य
86. प्रो0 महक सिंह, विभागाध्यक्ष, जेनेटिक एण्ड प्लांट ब्रीडिंग विभाग, चन्द्रशेखर आजाद कृषि वि.वि., कानपुर सदस्य

2022 : U.G. GOLD MEDALIST

Roll No. 185109

Student Name : ALOK KUMAR TRIPATHI
Father's Name : Vidya Nath Tripathi
Faculty/Department : B.Tech. (Mechanical Engineering)
College / Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 4158.75/5000
Division : First
Percent : 83.17%

Roll No. 185608

Student Name : SURYA KANT ASTHANA
Father's Name : Ravindra Pratap Asthana
Faculty/Department : B.Tech. (Electrical Engineering)
College / Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 3948.25/5000
Division : First
Percent : 78.96%

Roll No. 185215

Student Name : ANSHIKA SINGH
Father's Name : Akhilesh Kumar Singh
Faculty/Department : B.Tech. (Electronic & Comm. Engg.)
College / Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 4193.50/4500
Division : First
Percent : 93.18%

Roll No. 185422

Student Name : AAKRITI GUPTA
Father's Name : Manoj Kumar Gupta
Faculty/Department : B.Tech. (I.T. Engineering)
College / Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 4134.50/4500
Division : First
Percent : 91.87%

Roll No. 1953013

Student Name : ANKITA KUMARI SINGH
Father's Name : Ved Prakash Singh
Faculty/Department : B.Tech. (Electronic & Inst. Engg.)
College / Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 4183/4500
Division : First
Percent : 92.95%

Roll No. 185537

Student Name : GOVIND KUMAR
Father's Name : Santosh Kumar
Faculty/Department : B.Tech. (Comp. Sc. & Engineering)
College / Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 4165/5000
Division : First
Percent : 83.30%

Roll No. 2018026

Student Name : PALLAVI
Father's Name : P.K. Singh
Faculty/Department : B.Pharma
College / Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 3189/5000
Division : First
Percent : 63.78%

Roll No. 20658165501

Student Name : SADHANA YADAV
Father's Name : Rajesh Yadav
Faculty/Department : B.A.
College / Institute : Mata Prasad Adarsh Mahavidyalaya Bhabhhauri, Sherwan, Jaunpur
Marks Obtain : 1422/1800
Division : First
Percent : 79.00%

Roll No. 20001221386

Student Name : SUMIT YADAV
Father's Name : Birendra Kumar Yadav
Faculty/Department : B.Sc.
College / Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 1452/1800
Division : First
Percent : 80.66%

Roll No. 20604144391

Student Name : SHUBHAM BHARDWAJ
Father's Name : Ashok Bhardwaj
Faculty/Department : B.Com.
College / Institute : Shri Ganesh Rai Snatakottar Mahavidyalaya Dobhi, Jaunpur
Marks Obtain : 1435/2000
Division : First
Percent : 71.75%

Roll No. 191863

Student Name : URUSA MUMTAZ KHAN
Father's Name : Mumtaz Hussain Khan
Faculty/Department : B.Com. (HONS)
College / Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 2680/3600
Division : First
Percent : 74.44%

Roll No. 19601119902

Student Name : JAYSHREE SINGH
Father's Name : Vijay Kumar Singh
Faculty/Department : B.Sc. (Ag.)
College / Institute : Tilakdhari Snatakottar Mahavidyalaya, Jaunpur
Marks Obtain : 2351/2800
Division : First
Percent : 83.96%

Roll No.
20413102787

Student Name : AKRITI RAI
Father's Name : Manoj Kumar Rai
Faculty/Department : B.P.E.
College / Institute : Snatkottar Mahavidyalaya Ghazipur
Marks Obtain : 1175/1600
Division : First
Percent : 73.43%

Roll No.
21457194685

Student Name : KM. ANUPRIYA KUSHWAHA
Father's Name : Lallan Singh Kushwaha
Faculty/Department : B.Ed.
College / Institute : Lutavan Mahavidyalaya Sakra, Jaitpura, Ghazipur
Marks Obtain : T - 944/1200 P - 380/400
Division : First
Percent : T - 78.66% P - 95.00%

Roll No.
20141025809

Student Name : PREETY YADAV
Father's Name : Mahendra Yadav
Faculty/Department : B.C.A.
College / Institute : Technical Education & Research Institute, Ghazipur
Marks Obtain : 3131/3600
Division : First
Percent : 86.97%

Roll No.
20141025598

Student Name : AMISHA PATEL
Father's Name : Prahlad Patel
Faculty/Department : B.B.A.
College / Institute : Technical Education & Research Institute, Ghazipur
Marks Obtain : 2901/3600
Division : First
Percent : 80.58%

Roll No.
21245208651

Student Name : BIPIN SHARMA
Father's Name : Ram Pratap Sharma
Faculty/Department : B.P.Ed.
College / Institute : Shri Jagdish Narayan Mahendra Pr. Mahavidyalaya, Ragghupur, AZM
Marks Obtain : T - 1293/1600 P - 1485/1600
Division : First
Percent : T - 80.81% P - 92.81%

Roll No.
20201027362

Student Name : SHIVANSHI YADAV
Father's Name : Durga Prasad Yadav
Faculty/Department : L.L.B.
College / Institute : Shibli National College Azamgarh
Marks Obtain : 1949/3000
Division : First
Percent : 64.96%

2022 : P.G. GOLD MEDALIST

Roll No. 195707

Student Name : NEHAL MEHDI
Father's Name : Akhtar Mehdi
Faculty/Department : MCA
College / Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 4696/6000
Division : First
Percent : 78.26%

Roll No. 205732

Student Name : RAJ VERMA
Father's Name : Rajesh Kumar
Faculty/Department : MCA
College / Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 3085/4000
Division : First
Percent : 77.12%

Roll No. 201302

Student Name : SHWETA TIWARI
Father's Name : Brij Kishor Mani
Faculty/Department : MBA (E-Commerce)
College / Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 2048/2800
Division : First
Percent : 73.14%

Roll No. 201114

Student Name : GARIMA SINGH
Father's Name : Late Anand Singh
Faculty/Department : M.B.A.
College / Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 2130/2800
Division : FIRST
Percent : 76.07 %

Roll No. 201220

Student Name : SHREYA RAI
Father's Name : Shravan Kumar Rai
Faculty/Department : MBA (Agri-Business)
College / Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 1970/2800
Division : FIRST
Percent : 70.35 %

Roll No. 201420

Student Name : NEHA TIWARI
Father's Name : Uma Shankar Tiwari
Faculty/Department : MBA (Business Economics)
College / Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 2124/2800
Division : FIRST
Percent : 75.85 %

Roll No. 201731

Student Name : SHIPRA SINGH
Father's Name : Chandra Bahadur Singh
Faculty/Department : MBA (Financial & Contol))
College / Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 2207/2800
Division : FIRST
Percent : 78.82 %

Roll No. 2015008

Student Name : ANKITA YADAV
Father's Name : Suresh Yadav
Faculty/Department : MBA (HRD)
College / Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 2118/2800
Division : FIRST
Percent : 75.64 %

Roll No. 202114

Student Name : SAKSHI SINGH
Father's Name : Mahendra Pratap Singh
Faculty/Department : M.Sc. (Biotechnology)
College / Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 924/1200
Division : FIRST
Percent : 77.00 %

Roll No. 2022010

Student Name : MAMTA MISHRA
Father's Name : Arvind Mishra
Faculty/Department : M.Sc. (Microbiology)
College / Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 990/1200
Division : FIRST
Percent : 82.50 %

Roll No. 2023002

Student Name : NIDHI SINGH
Father's Name : Dhirendra Singh
Faculty/Department : M.Sc. (Biochemistry)
College / Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 959/1200
Division : FIRST
Percent : 79.91 %

Roll No. 202405

Student Name : HIMANSHU KUMAR PATHAK
Father's Name : Anil Pathak
Faculty/Department : M.Sc. (Environmental Sciences)
College / Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 968/1200
Division : FIRST
Percent : 80.66 %

Roll No.
202535

Student Name : MUSKAN SAHU
Father's Name : Sunil Kumar Sahu
Faculty/Department : M.Sc. (CHEMISTRY)
College / Institute : Rajju Bhaiya Sansthan VBSPU (Campus)
Marks Obtain : 1539/1800
Division : FIRST
Percent : 85.50 %

Roll No.
2026004

Student Name : ANAMIKA YADAV
Father's Name : Surendra Kumar Yadav
Faculty/Department : M.Sc. (Applied Geology)
College / Institute : Rajju Bhaiya Sansthan VBSPU (Campus)
Marks Obtain : 1650/1800
Division : FIRST
Percent : 91.66 %

Roll No.
202708

Student Name : PRADOOM KUMAR SHARMA
Father's Name : Gauri Shankar Sharma
Faculty/Department : M.Sc./M.A. (MATHEMATICS)
College / Institute : Rajju Bhaiya Sansthan VBSPU (Campus)
Marks Obtain : 1839/2100
Division : FIRST
Percent : 87.57 %

Roll No.
202817

Student Name : GARIMA SRIVASTAVA
Father's Name : Gopal Ji Srivastava
Faculty/Department : M.Sc. (PHYSICS)
College / Institute : Rajju Bhaiya Sansthan VBSPU (Campus)
Marks Obtain : 1480/1800
Division : FIRST
Percent : 82.22 %

Roll No.
203215

Student Name : CHHAYA TRIPATHI
Father's Name : Krishna Chandra Tripathi
Faculty/Department : M.A. (APPLIED PSYCHOLOGY)
College / Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 1518/2000
Division : FIRST
Percent : 75.90 %

Roll No.
203110

Student Name : UJJWAL KUMAR
Father's Name : Adarsh Kumar
Faculty/Department : M.A. (MASS COMMUNICATION)
College / Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 1404/2000
Division : FIRST
Percent : 70.20 %

Roll No.
203110

Student Name : UJJWAL KUMAR
Father's Name : Adarsh Kumar
Faculty/Department : M.A. (MASS COMMUNICATION)
College / Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 1404/2000
Division : FIRST
Percent : 70.20 %

Atul Maheshwari Gold Medal

Roll No.
21101011040

Student Name : ANIL KUMAR
Father's Name : Om Prakash
Faculty/Department : M.A. (PHYSICAL EDUCATION)
College / Institute : Handia P.G. College, Handia, Prayagraj
Marks Obtain : 859/1000
Division : FIRST
Percent : 85.90 %

Roll No.
21633123419

Student Name : JAYANT KUMAR
Father's Name : Vijay Bahadur
Faculty/Department : Anc. History, Archaeology & Culture
College / Institute : Gulabi Devi Degree College, Siddiqpur, Jaunpur
Marks Obtain : 805/1100
Division : FIRST
Percent : 73.18 %

Roll No.
21620120709

Student Name : AMRENDRA KUMAR GUPTA
Father's Name : Gyanendra Prasad Gupta
Faculty/Department : Defence and Strategic Studies
College / Institute : Mohammad Hasan Degree College, Jaunpur
Marks Obtain : 730/1000
Division : FIRST
Percent : 73.00 %

Roll No.
21601104457

Student Name : MANASI MISHRA
Father's Name : Jiledar Mishra
Faculty/Department : Economics
College / Institute : Tilakdhari Snatkottar Mahavidyalaya, Jaunpur
Marks Obtain : 729/1000
Division : FIRST
Percent : 72.90 %

Roll No.
21873183452

Student Name : SWETA
Father's Name : Ramsoch Yadav
Faculty/Department : Education
College / Institute : Baba J.D. M.A.S. Mahavidyalaya, Pakri Taal, (Ozipur) Ghosi, Mau
Marks Obtain : 754/1000
Division : FIRST
Percent : 75.40 %

Roll No.
21620120473

Student Name : SHREYA CHANDRA
Father's Name : Satish Chandra
Faculty/Department : English
College / Institute : Mohammad Hasan Degree College, Jaunpur
Marks Obtain : 750/1000
Division : FIRST
Percent : 75.00 %

Roll No.
21611114129

Student Name : SHAMBHAVI SHUKLA
Father's Name : Pramod Narayan Shukla
Faculty/Department : Geography
College / Institute : Saltanat Bahadur Mahavidyalaya, Badlapur, Jaunpur
Marks Obtain : 784/1000
Division : FIRST
Percent : 78.40 %

Roll No.
21669130605

Student Name : ALAKA TIWARI
Father's Name : Jitendra Tiwari
Faculty/Department : Hindi
College / Institute : Muneshvar Mahavidyalaya, Vishwapalpur, Baraipar, Jaunpur
Marks Obtain : 792/1000
Division : FIRST
Percent : 79.20 %

Roll No.
21620120967

Student Name : ABHAYNANDAN PANDEY
Father's Name : Nagendra Nath Pandey
Faculty/Department : Music (Gayan)
College / Institute : Mohammad Hasan Degree College, Jaunpur
Marks Obtain : 1041/1200
Division : FIRST
Percent : 86.75 %

Roll No.
21682133433

Student Name : KM RAGINI NISHAD
Father's Name : Gulab Chandra Navik
Faculty/Department : Home Science (Food Nutrition)
College / Institute : Maa Gujrati Mahavidyalaya Churavanpur, Baksha, Jaunpur
Marks Obtain : 978/1200
Division : FIRST
Percent : 81.50 %

Roll No.
21620120701

Student Name : KM NIRMALA YADAV
Father's Name : Shobha Nath
Faculty/Department : Home Sc. (Human Development)
College / Institute : Mohammad Hasan Degree College, Jaunpur
Marks Obtain : 996/1200
Division : FIRST
Percent : 83.00 %

Roll No.
21413071325

Student Name : NEHA YADAV
Father's Name : Rajnath Singh Yadav
Faculty/Department : Medieval & Modern History
College / Institute : Snatkottar Mahavidyalaya, Ghazipur
Marks Obtain : 737/1000
Division : FIRST
Percent : 73.70 %

Roll No.
21201019029

Student Name : KAVITA SONKAR
Father's Name : Shivnath Sonkar
Faculty/Department : Philosophy
College / Institute : Shibli National College, Azamgarh
Marks Obtain : 829/1000
Division : FIRST
Percent : 82.90 %

Roll No.
21622121784

Student Name : HARSH KUMAR SINGH
Father's Name : Dr. Vijay Kumar Singh
Faculty/Department : Political Science
College / Institute : Sarvajanik Mahavidyalaya, Mugara Badshahpur, Jaunpur
Marks Obtain : 785/1000
Division : FIRST
Percent : 78.50 %

Roll No.
21747145911

Student Name : KHUSHABU YADAV
Father's Name : Madhuban Yadav
Faculty/Department : Sanskrit
College / Institute : Sarvodaya Mahila Mahavidyalaya, Pranpatti, Leduka, Jaunpur
Marks Obtain : 795/1000
Division : FIRST
Percent : 79.50 %

Roll No.
21676132686

Student Name : NIRDOSH YADAV
Father's Name : Hanuman Prasad Yadav
Faculty/Department : Sociology
College / Institute : Prabhu Devi Mahavidyalaya Machhaligaon, Jaunpur
Marks Obtain : 732/1000
Division : FIRST
Percent : 73.20 %

Roll No.
21428075935

Student Name : SHUBHAM KUMAR VERMA
Father's Name : Ajeet Kumar Verma
Faculty/Department : Sociology
College / Institute : Dr. R.M. Lohia Mahavidyalaya, Jhotari Dhamupur, Ghazipur
Marks Obtain : 732/1000
Division : FIRST
Percent : 73.20 %

Roll No.
21670131395

Student Name : AREEBA ASAD
Father's Name : Asad Alam
Faculty/Department : Urdu
College / Institute : Faridul Haque Memorial Degree College, Sabrahad, Jaunpur
Marks Obtain : 787/1000
Division : FIRST
Percent : 78.70 %

Roll No.
2051504

Student Name : PRABHAWATI
Father's Name : Shiv Govind
Faculty/Department : M.Tech. E&CE
College / Institute : U.N.S.I.T, VBS Purvanchal University (Campus), Jaunpur
Marks Obtain : 9.000
Division : FIRST
Percent : 9.68

Roll No.
21201019968

Student Name : SHARMEEN BANO
Father's Name : Shahid Husain
Faculty/Department : Arabic
College / Institute : Shibli National College, Azamgarh
Marks Obtain : 715/1000
Division : FIRST
Percent : 71.50 %

Roll No.
21214029124

Student Name : VIPIN KUMAR
Father's Name : Lalchand Vishwakarma
Faculty/Department : Psychology
College / Institute : Purvanchal Snatkottar Mahavidyalaya Ramsunderpur, Rani Ki Sarai, Azamgarh
Marks Obtain : 744/1000
Division : FIRST
Percent : 74.40 %

Roll No.
21601208365

Student Name : KM DEEPTI SINGH
Father's Name : Kamal Kumar Singh
Faculty/Department : M.Ed.
College / Institute : Tilakdhari Snatkottar Mahavidyalaya, Jaunpur
Marks Obtain : 1582/2000
Division : FIRST
Percent : 79.10 %

Roll No.
21101011013

Student Name : SAPANA
Father's Name : Ram Ujagir
Faculty/Department : M.Com.
College / Institute : Handia P.G. College, Handia, Prayagraj
Marks Obtain : 886/1200
Division : FIRST
Percent : 73.83 %

Roll No.
21245035479

Student Name : JYOTSANA UPADHYAY
Father's Name : Atul Upadhyay
Faculty/Department : Botany
College / Institute : Shri Jagdish N. Mahendra P. Mahavidyalaya, Ragghupur, AZM
Marks Obtain : 941/1200
Division : FIRST
Percent : 78.41 %

Roll No.
21613183315

Student Name : SUSHMITA SINGH
Father's Name : Ranjeet Singh
Faculty/Department : Chemistry
College / Institute : Rashtriya Snatkottar Mahavidyalaya, Jamuhai, Jaunpur
Marks Obtain : 981/1200
Division : FIRST
Percent : 81.75 %

Roll No.
21607111169

Student Name : SHUBHAM GUPTA
Father's Name : Prem Chandra Gupta
Faculty/Department : Industrial Chemistry
College / Institute : Kutir Snatkottar Mahavidyalaya, Chakke, Jaunpur
Marks Obtain : 911/1200
Division : FIRST
Percent : 75.91 %

Roll No.
21413071843

Student Name : KM MONIKA SHARMA
Father's Name : Satya Prakash Sharma
Faculty/Department : Mathematics
College / Institute : Snatkottar Mahavidyalaya, Ghazipur
Marks Obtain : 1009/1200
Division : FIRST
Percent : 84.08 %

Roll No.
21479085532

Student Name : ANUSHRI YADAV
Father's Name : Awdhesh Yadav
Faculty/Department : Physics
College / Institute : Asha Mahavidyalaya, Dhirjijot, Sikhari, Ghazipur
Marks Obtain : 969/1200
Division : FIRST
Percent : 80.75 %

Roll No.
21814154693

Student Name : ZEBA TABASSUM
Father's Name : Amiruddin
Faculty/Department : Zoology
College / Institute : Kisan Majdur Mahavidyalaya, Bhiti, Mau
Marks Obtain : 949/1200
Division : FIRST
Percent : 79.08 %

अतुल माहेश्वरी स्वर्ण पदक

अतुल माहेश्वरी
नवोन्मेषक 'अमर उजाला समूह'
जन्म : 3 मई, 1956
निधन : 3 जनवरी, 2011

AMAR UJALA FOUNDATION

अमर उजाला समूह के नवोन्मेषक पत्रकार अतुल माहेश्वरी ने अपने जीवनकाल में सिर्फ पत्रकारिता ही की। 37 वर्षों की पत्रकारिता में उन्होंने अमर उजाला समूह को नई ऊंचाइया प्रदान की। 3 मई 1956 को दिल्ली में जन्मे अतुल माहेश्वरी की प्रारंभिक शिक्षा – दीक्षा मथुरा में हुई। बरेली में रहते हुए उन्होंने राजनीति विज्ञान से एमए की डिग्री हासिल की। अमर उजाला के सह संस्थापक और अपने पिता मुरालीलाल माहेश्वरी के मार्गदर्शन में पत्रकारिता के क्षेत्र में उन्होंने कदम रखा और कामयाबी की सीढ़ियां चढ़ते चले गए। अतुल जी के नेतृत्व में अमर उजाला का उत्तर प्रदेश के अलावा उत्तराखंड, दिल्ली,चंडीगढ़, हिमांचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर संस्करण शुरू हुआ। डेली टैब्लॉयड अमर उजाला कॉम्पैक्ट का प्रकाशन शुरू करके उन्होंने नया पाठक वर्ग तैयार किया। इसके साथ ही कई प्रतियोगी पत्रिकाओं का भी प्रकाशन शुरू कराया। अमर उजाला फाउंडेशन के जरिए उन्होंने अखबार को सामाजिक सरोकारों से जोड़ा। पत्रकारिता के प्रति समर्पित होने की वजह से उन्होंने अमर उजाला समूह को केवल अखबारी दुनिया तक ही सीमित रखा। सौम्य स्वभाव और मृदुभाषी होने की वजह से श्री अतुल माहेश्वरी मीडिया जगत में बेहद लोकप्रिय रहे। मीडिया को नई दिशा देने वाले इस पुरोधा का 3 जनवरी 2011 को महाप्रयाण हुआ।

विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग के एम०ए० जनसंचार विषय में सर्वोच्च अंक पाने वाले विद्यार्थी को वर्ष 2019 से दीक्षांत समारोह में अतुल माहेश्वरी स्वर्ण पदक दिया जाता है। अमर उजाला समूह के साथ इसके लिए सहमति हुई है। वर्ष 2019 में यह पदक आशुतोष त्रिपाठी को प्रदेश की माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने 23 वें दीक्षांत समारोह में दिया था। वर्ष 2020 में एम०ए० जनसंचार विषय में सर्वोच्च अंक पाने पर सौम्या तिवारी को 24 वें दीक्षांत समारोह में अतुल माहेश्वरी स्वर्ण पदक दिया गया। वर्ष 2021 में यह पदक शाकम्भरी नंदन को दिया गया। इस वर्ष परास्नातक जनसंचार विषय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने पर उज्ज्वल कुमार को अतुल माहेश्वरी स्वर्ण पदक दिया जायेगा।

पूर्वांचल के उज्ज्वल को मिलेगा अतुल माहेश्वरी स्वर्ण पदक

एमए जनसंचार में हासिल किए हैं सर्वोच्च अंक

संवाद न्यूज एजेंसी

करंजाकला (जौनपुर)। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के एमए जनसंचार के छात्र उज्ज्वल कुमार को सर्वोच्च अंक प्राप्त करने पर वर्ष 2022 का अतुल माहेश्वरी स्वर्ण पदक दिया जाएगा। अमर उजाला के नवोन्मेषक स्वर्गीय अतुल माहेश्वरी की स्मृति में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने वर्ष 2019 से यह पदक देने की शुरुआत की है। पूर्वांचल के 26वें दीक्षांत समारोह में उज्जवल को यह स्वर्ण पदक दिया जाएगा।

जौनपुर शहर के धरनीधरपुर मोहल्ला निवासी वरिष्ठ पत्रकार आदर्श कुमार के पुत्र उज्ज्वल कुमार ने डॉ. रिजवी लर्नर्स एकेडमी से सीबीएसई बोर्ड से इंटर तक की शिक्षा ग्रहण की। स्नातक मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज से किया। इसके बाद वर्ष 2020 में पूर्वांचल के जनसंचार में स्नातकोत्तर डिग्री के लिए दाखिला लिया। सत्र 2021-22 में उन्हें पत्रकारिता में सर्वाधिक 70 प्रतिशत अंक मिले हैं। इसी आधार पर उनका चयन स्वर्ण पदक के लिए हुआ है।

उज्ज्वल कुमार।

विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार, उज्ज्वल को एक मेडल विश्वविद्यालय की ओर से और एक अमर उजाला फाउंडेशन की ओर से नवोन्मेषक अतुल माहेश्वरी की स्मृति में दिया जाएगा। उज्ज्वल ने नेट जेआरएफ भी क्वालीफाई कर लिया है। उज्ज्वल का लक्ष्य जनसंचार के क्षेत्र में करियर बनाना है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय दादा स्व. कैलाश नाथ और माता-पिता को दिया।

वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर से सम्बद्धता प्राप्त महाविद्यालयों की संख्या

क्रमांक	जनपद	राजकीय महाविद्यालय	अनुदानित महाविद्यालय	स्ववित्तपोषित महाविद्यालय	कुल महाविद्यालयों की संख्या
1	जौनपुर	02	14	187	203
2	गाजीपुर	03	08	337	348
3	प्रयागराज	--	01	--	01
	कुल	05	23	524	552

परीक्षा सत्र : 2021–22 में उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या

कुल परीक्षार्थी	कुल परीक्षार्थी	छात्र	छात्रायें	कुल परीक्षार्थी उत्तीर्ण	छात्र उत्तीर्ण	छात्रायें उत्तीर्ण
स्नातक परीक्षार्थी	155271	67040	88231	148223	63104	85119
परास्नातक परीक्षार्थी	36571	14623	21948	34573	13703	20870
कुल परीक्षार्थी	191842	81663	110179	182796	76807	105989

स्वर्ण पदक धारक

स्वर्ण पदक	संख्या		
	छात्रायें	छात्र	कुल
स्नातक	12	06	18
परास्नातक	33	15	48
कुल योग	45	21	66

संकायवार शोध उपाधि धारक

क्रमांक	संकाय	शोधार्थियों की संख्या
1	कला संकाय	178
2	विज्ञान संकाय	17
3	कृषि संकाय	09
4	शिक्षा संकाय	66
5	विधि संकाय	08
6	इंजीनियरिंग संकाय	04
7	वाणिज्य संकाय	15
8	प्रबन्ध संकाय	06
9	अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी संकाय	03
योग		306

राष्ट्रीय सेवा योजना

वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना विभाग ने वर्तमान सत्र–2022–23 में कई प्रतिमान स्थापित किये हैं। विश्वविद्यालय का राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ देश में अपनी एक अगल पहचान रखता है। हमारे विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्र संख्या 30800 है जो कि देश एवं प्रदेश का सबसे बड़ा विभाग है। वर्तमान में इस वित्तीय वर्ष में अब तक उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विश्वविद्यालय से सम्बद्ध कुल 199 महाविद्यालयों में 30800 छात्र संख्या का आवंटन किया गया है, जो 199 महाविद्यालयों में कुल 308 इकाईयां आवंटित हैं। विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना का चिंतन महात्मा गांधी व स्वामी विवेकानन्द के विचारों से प्रेरित है। गाँधी जी का मत है कि छात्र जीवन न केवल बौद्धिक विकास का समय है बल्कि भावी जीवन के निर्माण का भी समय है। शिक्षा के तृतीय आयाम के रूप में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय सेवा योजना शिक्षण एवं समुदाय को जोड़ने वाली महत्त्वपूर्ण कड़ी है, जिससे विद्यार्थियों को सामाजिक समस्याओं से रूबरू कराया जाता है। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम मात्र सेवा कार्य नही है, बल्कि इस कार्यक्रम से जुड़े स्वयंसेवक/स्वयं सेविकाओं के जीनव को समाज से जोड़कर जीवन को पूर्णता प्रदान करने की प्रक्रिया है। मुझे आशा ही नही पूर्ण विश्वास भी है कि छात्र राष्ट्रीय सेवा योजना के सिद्धान्त वाक्य (मैं नही आप) **Not Me But You**'' पर चलकर निःस्वार्थ सेवा से ओत–प्रोत होकर एक प्रजातान्त्रिक एवं पथ निरपेक्ष भारत के निर्माण में अपनी अहम भूमिका का निर्वाह करेगें। राष्ट्रीय सेवा योजना की अन्य प्रमुख उपलब्धियां निम्नवत हैः–

1. वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय जौनपुर का राष्ट्रीय सेवा योजना विगत वर्ष राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारियों को ई0टी0आई0 प्रशिक्षित करने हेतु विश्वविद्यालय परिसर में दो बार सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन कर लगभग 50 कार्यक्रम अधिकारी का प्रशिक्षण करा चुका है। जिससे कार्यक्रम अधिकारियों को ई0टी0आई0 प्रशिक्षण हेतु बाहर जाने की आवश्यकता नहीं है।
2. विगत वर्षो की भाँति प्री0आर0डी0 हेतु एक दिवसीय शिविर का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर स्थित राष्ट्रीय सेवा योजना भवन एवं एकलव्य स्टेडियम में किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय द्वारा 06 बच्चों का चयन हुआ जिनको गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कोनी, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ प्रतिभाग करने भेजा गया।
3. गणतन्त्र दिवस परेड 26 जनवरी 2023 में स्वयं सेविका आंचल मौर्या ने कर्तव्य पथ, नई दिल्ली पर प्रतिभाग किया।
4. विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ को विशिष्ट पहचान दिलाने वाले बापू बाजार का आयोजन अनवरत जारी है। विश्वविद्यालय अब तक 60 बापू बाजार आयोजित कर चुका है और वर्तमान सत्र में 12 बापू बाजार आयोजन किया हैं। इसके माध्यम से गरीबों की ससम्मान सहायता के रुप में आवश्यक वस्त्र, जूते, चप्पल आदि प्रदान किये गये।
5. माननीय कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल उ0प्र0 श्रीमती आनंदीबेन पटेल के निर्देश पर विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गये 50 गाँवो में समय–समय पर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाईयों द्वारा जागरूकता कार्यक्रम तथा गरीबों के सहायतार्थ खाद्य समाग्री का वितरण किया गया।
6. विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ द्वारा कोविड–19 के दौरान कई महत्वपूर्ण कार्य किये गये जैसे मुस्कुराएगा इण्डिया इनीशिएटिव कार्यक्रम के अन्तर्गत काउन्सर की नियुक्ति, गाँवों में जागरुकता कार्यक्रम करना, मास्क, साबुन, सेनिटाइजर का वितरण कर लोगो को कोरोना से जागरुक करने के बारे में बताया गया।
7. माननीय कुलाधिपति श्री राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी के मंशानुरुप कुलपति प्रो0 निर्मला एस0 मौर्य के संकल्प के अनुपालन में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा 66 क्षय रोगियों को गोद लिया गया। उनकी लगातार देख–रेख समय से दवा एवं पोषक खाद्य समाग्री उपलब्ध कराने का परिणाम हुआ कि गोद लिये गये 66 क्षय रोगियों में से 65 पूर्णरूप से स्वथ्य हो गये।

8. 02 अक्टूबर, 2022 को गाँधी जयन्ती के शुभ अवसर पर संसद भवन के केन्द्रीय हाल में विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेविका शरीयत फात्मा ने भाषण दिया।
9. राष्ट्रीय सेवा योजना के दो स्वयं सेवकों ने राष्ट्रीय युवा महोत्सव में प्रतिभाग किया ।
10. एक छात्र एक पेड़ योजना के अन्तर्गत जौनपुर एवं गाजीपुर में 40 हजार से अधिक पौधों को रोपित किये गये।
11. विश्वविद्यालय के 12 स्वयं सेवकों ने एन आई सी कैम्प में प्रतिभाग किया ।
12. विश्वविद्यालय द्वारा सड़क सुरक्षा जागरुकता अभियान के अन्तर्गत जौनपुर और गाजीपुर जनपदों में सड़क सुरक्षा क्लब का गठन किया गया और 05 जून, 2022 से 04 फरवरी 2023 तक सड़क सुरक्षा हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।
13. विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 निर्मला एस0 मौर्य ने मतदाता जागरुकता एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार के दिशा–निर्देशों के अनुपालन में विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाईयों द्वारा सामान्य एवं विशेष शिविर के अन्तर्गत टी0बी0, कुपोषण, प्लास्टिक से मुक्ति, कन्या भ्रूण हत्या, लैंगिक भेदभाव, बाल विवाह, साक्षरता, सोशल मीडिया के सामाजिक उपयोग, कौशल विकास के लिये युवा, पर्यावरण संरक्षण, यातायात नियंत्रण सप्ताह, एड्स जागरुकता अभियान, मिशन इन्द्रधनुष, पल्स पोलियो एवं कोविड–19 टीकाकरण आदि समाज के उपयोगी विषयों पर कार्य किये जा रहे हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाईयों द्वारा अनवरत रुप से गाँवों में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किये जा रहें है।

डॉ0 राज बहादुर यादव, कार्यक्रम समन्वयक

रोवर्स/रेंजर्स

रोवर्स–रेंजर्स एक स्वयंसेवी और गैर राजनीतिक शैक्षिक आन्दोलन है जो हर एक नौजवान को मानवता की सेवा करने का सुअवसर प्रदान करती है। बिना किसी भेदभाव के यह आन्दोलन अपने लक्ष्य, सिद्धान्तों एवं गतिविधियों के आधार पर कार्य करता है। स्काउटिंग के जनक लार्ड स्टीफेन्शन स्मिथ बेडेन पावेल द्वारा 1907 में ब्राउन्सी पहाड़ी इंग्लैण्ड में इसकी नींव रखी गई थी जो आज भारत सहित विश्व के अधिकांश देशों में विस्तारित हो चुकी है।

रोवर्स रेंजर्स का ध्येय वाक्य ''सेवा करो'' की मूल भावना के साथ नौजवान अपने जीवन में प्रकृति और मानवता के प्रति उदार होता है। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में रोवर्स रेंजर्स गतिविधियाँ अनवरत चलती रहती हैं। मिशन शक्ति, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, सड़क सुरक्षा माह और मतदाता जागरूकता अभियान में रोवर्स रेंजर्स ने बढ़–चढ़कर भाग लिया।

गतवर्ष में वृक्षारोपण, बेसिक एवं एडवांस कोर्स फॉर रोवर्स रेंजर्स लीडर्स, कार्यशाला आदि का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित किया गया। गत वर्ष प्रदेश चैम्पियन टीमें वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की रही हैं। रोवर्स टीम पी.जी. कॉलेज गाजीपुर और रेंजर्स टीम राजकीय महिला पी.जी. कालेज, गाजीपुर दोनों ने बलदेव पी.जी. कॉलेज बड़ागांव, वाराणसी में आयोजित प्रादेशिक रोवर्स–रेंजर्स रैली में प्रथम स्थान पाकर प्रदेश चैम्पियन घोषित किये गये।

रोवर्स रेंजर्स संयोजक डॉ0 जगदेव जी के द्वारा दो टी0बी0 रोगियों को गोद लिया गया है। जिन्हें समय–समय पर मदद पहुँचायी गई। रोवर्स रेंजर्स के द्वारा सड़क सुरक्षा संबन्धी एवं मतदाता जागरूकता संबंधी रैली एवं शपथ का आयोजन किया गया। सत्र 2022–23 में प्रादेशिक रोवर्स रेंजर्स रैली का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में संभावित है।

वर्तमान में विश्वविद्यालय से सम्बद्ध जनपद जौनपुर एवं गाजीपुर के समस्त महाविद्यालयों में रोवर्स–रेंजर्स के छात्र छात्राएं विभिन्न गतिविधियों में सम्मिलित होते हैं। प्रयागराज जनपद का एक मात्र कॉलेज विश्वविद्यालय में सम्बद्ध है जहां पर रोवर्स रेंजर्स गतिविधियां निरन्तर होती रहती हैं। विश्वविद्यालय के लगभग 50 महाविद्यालयों में रोवर्स–रेंजर्स टीमें पंजीकृत हैं जो जनपदीय, विश्वविद्यालयीय एवं प्रादेशिक रैलियों में प्रतिभाग करती हैं यह प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय है जहाँ पर रोवर्स रेंजर्स विभाग का स्वयं का भवन है और समय–समय पर कार्यशाला, बेसिक एवं एडवांस कोर्स संचालित होते हैं।

प्रेरणा निःशुल्क कोचिंग

आज आधुनिकता के दौर में समाज अपने व्यक्तिगत हितों तक सिमट कर रह गया है। इस बुराई को समाप्त करने के उद्देश्य से नई शिक्षा नीति की मूल भाव में भी यह निहित है कि शैक्षणिक संस्थान अपना सामाजिक उत्तरदायित्व निर्धारित करें। विश्वविद्यालय जिस क्षेत्र विशेष में अवस्थित है उस क्षेत्र का विकास उसके द्वारा किया जाना चाहिए। पहले से ही पूर्वान्चल विश्वविद्यालय ने इस परम्परा का निर्वहन किया है। यदि कोरोना काल को छोड़ दिया जाए तो विगत 8 वर्षों से निःशुल्क कोचिंग प्रेरणा के माध्यम से वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्र–छात्राएं अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इस निःशुल्क कोचिंग का आविर्भाव 4 फरवरी 2014 को हुआ था। कोचिंग पूर्वान्चल विश्वविद्यालय के आस–पास के उन सभी ग्रामीण बच्चों के लिए वरदान है जो आज की महंगी शिक्षा से वंचित है। इस कोचिंग की शुरुआत राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम द्वारा उस समय हुई जब विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय की राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र–छात्राएं अपने विशेष शिविर के दौरान विश्वविद्यालय के पड़ोसी गाँव देवकली एवं भटानी में भारत सरकार के साक्षरता मिशन के प्रचार–प्रसार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जागरुकता रैली निकाल रहे थे। उसी दौरान इन छात्रों–छात्राओं द्वारा देवकली गाँव में कुछ बच्चों को कांच की गोलियों से खेलते देखा गया। उनसे पूछे जाने पर कि वे पढ़ते क्यों नहीं है तो वे बतातें हैं कि न तो उन्हें कोई पढ़ाने वाला है और न ही कोचिंग के लिए उनके पास पैसा है। यह सुनकर ठीक अगले दिन से इंजीनियरिंग संकाय के छात्रों की टीम द्वारा "प्रेरणा" नाम की निःशुल्क कोचिंग प्रारम्भ कर दी गयी। देवकली गाँव के इस पंचायत भवन में कोचिंग की शुरुआत की गई।

इन छात्र–छात्राओं ने निःशुल्क ज्ञान की अलख जलाते हुए एक मिशाल कायम की है तथा विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। प्रतिदिन शाम को 4:30 बजे से 6:00 बजे तक इंजीनियरिंग संकाय, विज्ञान संकाय, प्रो० रज्जू भईया संस्थान एवं फार्मेसी संकाय के छात्र–छात्राएं विश्वविद्यालय के पास देवकली गाँव के पंचायत भवन में "प्रेरणा" नाम की निःशुल्क कोचिंग के लिए अपने कीमती समय में से कुछ समय निकालकर न केवल गरीब एवं जरुरतमंद बल्कि समाज के हर वर्ग के बच्चों की प्रतिभा निखारने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहें हैं। प्रारंभ में कोचिंग 30 विद्यार्थियों की संख्या से शुरू हुई थी। वर्ष 2015 में पंजीकृत बच्चों की संख्या 150, वर्ष 2016 में 225, वर्ष 2017 में 243, वर्ष 2018 में 220, वर्ष 2019 में 208, वर्ष 2020 में 225, वर्ष 2020–21 में कोरोना महामारी के कारण सत्र शून्य करना पड़ा, वर्ष 2020–21 में 148 तथा वर्तमान वर्ष में इस निःशुल्क कोचिंग से 138 बच्चे लाभान्वित हो रहे हैं। शुरुआत में पढ़ाने वाले शिक्षकों (इंजीनियरिंग एवं तकनीकी संकाय के छात्र–छात्राएं) की संख्या 8 थी, जो वर्तमान वर्ष में 18 है। अभी तक इस कोचिंग से 1557 बच्चे लाभान्वित हुए है। वर्तमान सत्र में शिक्षण कार्य कर रहे छात्र–छात्राएं हैं– अमरजीत, अभिषेक, अमर, अंशु, कौशलेन्द्र, अज़मत, अफजल, कौशल, नदीम, अबसर, आयुष, अक्षय, स्वर्णिम, अंकिता, शिल्पा और हिमानी हैं। कोचिंग के समन्वयक गणित विभाग के अध्यक्ष डॉ० राज कुमार हैं।

मशरूम प्रशिक्षण एवं शोध केन्द्र (MTRC)

मशरूम प्रशिक्षण एवं शोध केंद्र विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय के बायोटेक्नोलॉजी विभाग में स्थापित एक शोध एवं प्रशिक्षण केंद्र है। केंद्र में मशरूम की खेती के साथ–साथ किसानों एवं छात्रों को शोध एवं प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध है। शोध केंद्र के समन्वयक प्रो० राम नारायण के निर्देशन में मशरूम के उत्पादन के उत्पादन एवं पोषकता में वृद्धि करने वाले एक नए बैक्टीरिया (Glutamicibacter arilaitensis MRC119) की खोज विगत वर्ष की जा चुकी है उक्त बैक्टीरिया का डाटा नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इंफॉर्मेशन के डाटा बैंक एवं ख्यातिलब्ध अंतर्राष्ट्रीय जर्नल आफ बेसिक माइक्रोबायोलॉजी में प्रकाशित हो चुका है। मशरूम केंद्र द्वारा किए गए शोध कार्य को व्यावसायिक रूप में विस्तृत उत्पादन का रूप देकर बहुचर्चित बटन मशरूम का उत्पादन भी सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है। वर्तमान सत्र में केंद्र में गुलाबी रंग वाले ढ़ींगरी मशरूम पर भी उत्पादन एवं शोध कार्य प्रारंभ कर दिया गया है, जिससे केंद्र के शोध छात्र काफी उत्साहित हैं मशरूम केंद्र में कपड़ा उद्योग में बहुतायत में प्रयोग होने वाली हानिकारक रंजक रिएक्टिव ग्रीन–12 को शीघ्रता से अवक्रमण करने वाले एक विलक्षण बैक्टीरिया (Bacillus cereus SSC) की खोज भी कर ली है जोकि शोधार्थी श्वेता सिंह की शोध प्रबंध की महती उपलब्धि होगी इस बैक्टीरिया का विवरण भी अमेरिकन वेबसाइट एन.सी.बी.आई. पर प्रकाशित होकर उपलब्ध है।

कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केन्द्र

भारत सरकार के आत्म निर्भर भारत एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाये जा रहे मिशन ''सबको हुनर सबको काम'' को मूर्त रूप देने के उद्देश्य से वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर परिसर में "कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र" की स्थापना दिनांक 16 सितंबर 2019 को हुई थी। कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस० मौर्य की मंशा केवल शिक्षा की उत्कृष्टता के लिए ही नहीं बल्कि सामाजिक हितों के लिए भी विश्वविद्यालय को समाज मे आगे लाकर कार्य करना चाहती है। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा उद्योगों के साथ समझौता ज्ञापन किया गया। हमारी सहयोगी संस्था PMG Commerce Edge Ltd. व्यावसायिक एवं रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण के माध्यम से रोजगार प्रदान करने में मदद कर रही है। केंद्र के नोडल अधिकारी डॉ० राज कुमार इस केंद्र के उद्देश्य को पूर्ण करने हेतु प्रयासरत हैं। केंद्र का लक्ष्य बड़ी संख्या में युवाओं के कौशल का संवर्धन तथा उन्हें उद्योग से संबंधित कौशल प्रशिक्षण लेने में सक्षम बनाना है, जो उन्हें बेहतर आय प्राप्त करने में मदद करेगा। ऐसे युवा जो स्कूल एवं कॉलेज छोड़ चुके है एवं बेरोजगार हैं, वे इस प्रशिक्षण केंद्र में दिए गए अल्पावधि प्रशिक्षण से लाभ प्राप्त कर सकते हैं जिससे वे अन्यत्र स्थानों पर रोजगार पा सकते हैं या अपना रोजगार शुरू कर सकते है। पहला समझौता ज्ञापन 3 अगस्त 2021 को पीएम जी कॉमर्स एज लिमिटेड, भदोही के द्वारा किया गया जिसके माध्यम से इस केंद्र पर वस्त्र मंत्रालय की समर्थ योजना के अंतर्गत सिलाई मशीन ऑपरेटर का प्रशिक्षण संचालित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में 240 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। दूसरा समझौता ज्ञापन डाटा एंट्री ऑपरेटर एवं माइक्रो फाइनेंस एग्जीक्यूटिव पाठ्यक्रम के सर्टिफिकेट कोर्स चलाये जाने के लिए पीएम जी कॉमर्स एज लिमिटेड, भदोही एवं विश्वविद्यालय के बीच हुआ है। इससे विश्वविद्यालय के आस–पास के ग्रामीण बेरोजगारों को रोजगार तो मिलेगा ही साथ ही उनके कौशल का भी विकास होगा।

वर्तमान सत्र में 30–30 प्रशिक्षुओं के चार बैच (कुल अवधि 300 घंटे) वस्त्र मंत्रालय के अंतर्गत सिलाई मशीन ऑपरेटर प्रशिक्षण जनवरी 2023 में पूर्ण हो चुके हैं तथा आगामी अप्रैल 2023 तक अंतिम दो बैच पूर्ण हो जायेंगे। 27–27 प्रशिक्षुओं के दो बैच (कुल अवधि 400 घंटे) उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन (UPSDM) के अंतर्गत डोमेस्टिक डाटा इंट्री ऑपरेटर व दो बैच (कुल अवधि 400 घंटे) माइक्रोफाइनेंस एग्जीक्यूटिव के सर्टिफिकेट कार्यक्रम जनवरी 2023 से शुरू किए गए हैं। इन प्रशिक्षणों के लिए आवश्यकतानुसार कम्प्यूटर, प्रोजेक्टर, प्रयोगशाला में मशीनें इत्यादि सुविधायें उपलब्ध है। प्रशिक्षकों एवं प्रशिक्षुओं की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए रिकॉर्डिंग, बायोमेट्रिक उपस्थिति द्वारा निगरानी की जाती है। उपस्थिति का सत्यापन हस्ताक्षर से कर लिया जाता है जिससे बारीकी से निगरानी की जाती है। प्रत्येक कक्षा में प्रशिक्षुओं की संख्या 30 है एवं न्यूनतम उपस्थिति का मानक 80% आवश्यक है। मूल्यांकन के लिए व्याख्यान और प्रयोगशाला सहित प्रतिदिन 4 घंटे तक कक्षायें चलाई जाती हैं। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद 80% रोजगार देने की सुविधा उपलब्ध है। प्रशिक्षुओं की रोजगार में रुचि के अनुसार बैंक की शर्तों पर बैंक से ऋण उपलब्ध कराकर प्रयास किया जायेगा जिससे प्रशिक्षु स्वरोजगार की शुरुआत कर सके।

फेलोशिप

ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये

विश्वविद्यालय में डाक्टोरल पोस्ट डाक्टोरल डिग्री हेतु विभिन्न विषयों में यू0जी0सी0 द्वारा प्रदत्त विभिन्न स्कीम के अन्तर्गत जे0आर0एफ0, एस0आर0एफ0, आर0जी0एन0एफ0, आर0जी0एन0एफ0एस0सी0, एम0,एन0एफ0, पी0डी0एफ0, एन0एफ0ओ0बी0सी0 एवं मिनिस्ट्री ऑफ ट्राइबल अफेयर्स द्वारा एन0एफ0एस0टी0 फेलोशिप हेतु वर्ष 2017 से 2022 (05 वर्ष) में 268 शोधार्थी पंजीकृत होकर लाभान्वित हो रहे है जिन्हें विश्वविद्यालय के यू0जी0सी0 प्रकोष्ठ द्वारा केनरा बैंक–यू0जी0सी0 पोर्टल पर ऑन लाइन पंजीकरण करते हुये प्रत्येक माह की फेलोशिप ऑन लाइन अग्रसारित किया जाता है। फेलोशिप की धनराशि PFMS के माध्यम से मिनिस्ट्री ऑफ एजुकेशन, भारत सरकार द्वारा सीधे शोधार्थी के खाते में भेजा जाता है, जिससे छात्र–छात्रायें लाभान्वित हो रहें हैं। साथ ही सत्र 2020–2022 में लगभग 159 शोधार्थियों का सरकारी सेवा (प्रशासनिक अधिकारी तथा शिक्षक के पद पर) में चयन हुआ है, यह विश्वविद्यालय के लिये गर्व की बात है। शोधार्थियों को गुणवत्ता युक्त शोध हेतु पॉच वर्षों में कुल लगभग रूपये 49.48 करोड़ धनराशि की व्यवस्था भारत सरकार द्वारा उपरोक्त समस्त फेलोशिप के मद में प्रावधानित किया गया है। यह भी विश्वविद्यालय के लिये बहुत बड़ी उपलब्धि है।

इन्क्यूबेशन केन्द्र

विश्वविद्यालय का नवनिर्मित इन्क्यूबेशन केंद्र विश्वविद्यालय परिसर एवं संबद्ध महाविद्यालयों में वैज्ञानिक अनुसंधान एवं ज्ञान निर्माण के बीच की खाई को पाटने के लिए एक मंच प्रदान करता है। यह केंद्र एक ओर क्षेत्र की आर्थिक एवं सामाजिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए छात्रों, शिक्षकों और अन्य लोगों के बीच नवाचार और उद्यमिता की भावना को विकसित करना चाहता है तो वहीं दूसरी ओर व्यवसायीकरण को भी बढ़ावा देना चाहता है, ताकि क्षेत्र में उद्यमशीलता के अवसर तथा वातावरण तैयार किया जा सके ।

इन्क्यूबेशन केंद्र के कार्य एवं उद्देश्य :

विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित इन्क्यूबेशन केंद्र वी.बी.एस.पी.यू. इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन फाउंडेशन कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 8 के अंतर्गत, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर द्वारा प्रवर्तित एक इनक्यूबेशन केंद्र है। यह इन्क्यूबेशन केंद्र हमारे परिसर एवं संबद्ध महाविद्यालयों के वर्तमान एवं पूर्व छात्रों, शिक्षकों तथा ऐसे किसी भी व्यक्ति के लिए जो अपने नवाचार आइडिया से उद्यमिता के क्षेत्र में अपना कैरियर बनाना चाहते हों, को मार्गदर्शन एवं सहायता उपलब्ध कराता है। हम उद्यमिता के लिए नवाचारयुक्त आइडियाज को आमंत्रित करते हैं और इन आइडियाज के साथ काम करना चाहते हैं, जब तक वे स्वतंत्र रूप से अपने स्वतंत्र अस्तित्व बनाए रखने में सक्षम होकर अपना उद्यम चलाने में पूर्ण रूप से समर्थ नहीं हो जाते, तब तक उनका पोषण, विकास और सहारा देते हैं।

हम नवीन व्यावसायिक विचारों को आमंत्रित कर उनका मूल्यांकन करते हैं और उन्हें व्यावहारिक बनाते हैं। जब तक ऐसे विचार व्यावहारिक होकर धरातल पर नहीं आ तब तक उन्हें सक्रिय मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है। इस केंद्र के माध्यम से सहयोग की संस्कृति के साथ एक उद्यमशील वातावरण प्रदान किया जाता है। हम व्यवसाय प्रारंभ की कार्य योजना तैयार करने एवं उन कार्ययोजनाओं (Project) से भविष्य के उद्यमियों का मार्गदर्शन और सहायता कर उन्हें उचित मंच पर प्रस्तुत (Presentation) करने में मदद करते हैं ताकि विभिन्न सरकारी और निजी एजेंसियों / प्रमोटरों से वित्तीय मदद (Financial Help) प्राप्त की जा सके।

हमारी दृष्टि : वी.बी.एस.पी.यू. इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन फाउंडेशन (VBSPUIIF) एक उद्यमशीलत संस्कृति बनाने और क्षेत्र के सतत विकास में योगदान करने के लिए छात्रों, संकाय सदस्यों और अन्य लोगों के व्यावसायिक विचारों को विकसित करने, पोषित करने और अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

हमारे उद्देश्य : हम नवोन्मेषी विचारों के साथ उद्यमशीलता की गतिविधियों को बढ़ावा देने और धन सृजन के माध्यम से समाज में योगदान देने और पर्यावरणीय स्थिरता के साथ संसाधनों के समान वितरण पर बल देते हैं।

हमारे मूल्य : नैतिकता के साथ उद्यमशील गतिविधियां, प्रत्येक विचार में बढ़ने, विकसित होने और उत्कृष्टता प्राप्त करने की क्षमता है, स्थिरता के साथ व्यापार

हमारे मार्गदर्शक एवं सहयोगी : हमने भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ई.डी.आई.आई.), अहमदाबाद, उद्यमिता विकास अध्ययन संस्थान (आई.आई.डी.एस.), नई दिल्ली, राफ्ट्स एंड रिवर्स समेत नवाचार और उद्यमिता में व्यापक अनुभव वाले कई प्रतिष्ठित संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं तथा कई अन्य समझौता ज्ञापन के हस्ताक्षरित होने पर कार्य चल रहा है । इंजीनियरिंग, प्रबंधन, मनोविज्ञान, विज्ञान, जनसंचार, फार्मेसी और कानून सहित विभिन्न विषयों के संकाय सदस्य भी नवीन और उद्यमशील नवाचारयुक्त विचारों का मार्गदर्शन भी कर रहे हैं।

मोबाइल एप : CRUX मोबाइल एप्लिकेशन को crux.center से किसी भी स्मार्ट मोबाइल में इन्स्टॉल किया जा सकता है । CRUX मोबाइल एप्लिकेशन किसी भी नवाचारयुक्त स्टार्ट अप आइडिया के लिए एक अच्छा एवं सुगम मंच प्रदान करता है। यह मोबाइल एप आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस (AI) युक्त एप है जिसकी सहायता से किसी भी नवाचारयुक्त आइडिया का मूल्यांकन किया जाता है। अधिक जानकारी के लिए www.vbspuiif.com वेबसाइट पर संपर्क कर सकते हैं

प्रो. अविनाश डी. पाथर्डीकर, कार्यकारी निदेशक

सड़क सुरक्षा जागरूकता

उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश के क्रम में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के अंतर्गत 19.05.2022 से 31.05.2022 एवं 05.01.2023 से 04.02.2023 तक विभिन्न गतिविधियों एवं जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान को जन–जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय परिसर में रोड सेफ्टी क्लब का गठन किया गया। जागरूकता अभियान के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर में रोड सेफ्टी क्लब के बैनर तले आनलाइन संगोष्ठियों, वाद–विवाद प्रतियोगिता, आभिभावकों के साथ बैठक, निबंध प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता आदि का सफतला पूर्वक आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में पुलिस विभाग, प्रशासन एवं उत्तर प्रदेश सरकार के अन्य विभागीय अधिकारियों के सक्रिय सहयोग से जागरूकता कार्यक्रम किया गया ।

सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की जन्म जयंती पर दिनांक 23.01.2023 के छात्रों द्वारा विशाल मानव श्रृंखला बनाई गई एवं माननीय कुलपति प्रो0 निर्मला एस0 मौर्य जी द्वारा छात्रों को सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने हेतु उद्बोधन दिया गया। सड़क सुरक्षा क्लब एवं राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा 'सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान' के उपलक्ष्य में यातायात के नियमों को अपने जीवन शैली में अपनाने की सलाह दी गई। जागरूकता अभियान के इसी क्रम में विश्वविद्यालय परिसर के मुख्य द्वार पर हस्ताक्षर अभियान चलाया गया जिसमें सभी लोगों ने सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने के लिए बड़ी संख्या में हस्ताक्षर किया ।

निर्वाचन साक्षरता क्लब

निर्वाचन साक्षरता क्लब भारत निर्वाचन आयोग के सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता कार्यक्रम (स्वीप) के रूप में भारत में मतदाता शिक्षा, मतदाता जागरूकता का प्रचार–प्रसार करने एवं मतदाता की जानकारी बढ़ाने के लिए एक प्रमुख कार्यक्रम है। इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों को उनके चुनावी अधिकारों के प्रति संवेदनशील बनाने और उन्हें पंजीकरण और मतदान की चुनावी प्रक्रिया से परिचित कराने के लिए विभिन्न रुचिकर गतिविधियों और व्यावहारिक अनुभवों के माध्यम से संलग्न करने का एक मंच है ।

1. दिनांक २३ जनवरी, २०२१ को विश्वविद्यालय स्थित संकाय भवन में आयोजित निबंध प्रतियोगिता, जिसका विषय "सभी मतदाता बने, सशक्त, सतर्क, सुरक्षित एंव जागरूक" का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न विभागों के 155 छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया ।

2. 23 जनवरी, 2021 को विश्वविद्यालय में आयोजित निबंध प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों क्रमशः कुणाल पाण्डेय, रितिका जायसवाल एवं प्रियंका पाठक को जौनपुर के जिलाधिकारी श्री मनीष वर्मा और अपर जिलाधिकारी श्री राम प्रकाश जी द्वारा टीडी इंटर कॉलेज, जौनपुर में 11 वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस (25 जनवरी, 2021) पर आयोजित कार्यक्रम में प्रशस्ति–पत्र देकर सम्मानित किया गया ।

3. मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश के पत्र के अनुपालन में विश्वविद्यालय परिसर में अध्ययनरत विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को सशक्त मतदाता के रूप में जागरूक करने के उद्देश्य से निर्वाचन साक्षरता क्लब का विस्तार किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के डॉ० मनोज कुमार पाण्डेय के संयोजकत्व में विभिन्न संकायों के 13 शिक्षकों को इस निर्वाचन साक्षरता क्लब में सहायक नोडल अधिकारी एवं सदस्य के रूप में नामित किया गया। इन का कार्य अपने–अपने संकायों में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को शत–प्रतिशत मतदान करने, नामांकन सूची में नाम जुड़वाने एवं विद्यार्थियों के माध्यम से अन्य छात्रों एवं उनके अभिभावकों को मतदान हेतु प्रेरित करना है ।

4. विश्वविद्यालय परिसर में दिनाँक ०१ नवम्बर, २०२१ को "चुनावी लोकतंत्र के संरक्षण और सुरक्षा में भारत निर्वाचन आयोग की भूमिका" विषय पर निबन्ध प्रतियेगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न विभागों के 75 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया ।

5. विश्वविद्यालय परिसर में दिनाँक २५ जनवरी, २०२२ ऑनलाइन गूगल मीट के माध्यम से १२ वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर "मतदाता जागरूकता अभियान एवं शपथ कार्यक्रम" का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विषय के आचार्य एवं लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश के सदस्य प्रो० आर०एन० त्रिपाठी जी रहें, कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो० निर्मला एस० मौर्य जी ने किया ।

6. विश्वविद्यालय परिसर में दिनाँक २५ जनवरी, २०२३ को १३ वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों हेतु सामूहिक मतदाता शपथ कार्यक्रम एवं विद्यार्थियों हेतु विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

25 वां दीक्षांत समारोह

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 25 वें दीक्षांत समारोह 10 दिसंबर 2021 को महंत अवैद्यनाथ संगोष्ठी भवन में संपन्न हुआ। इसमें मेधावियों को 65 गोल्ड मेडल दिए गए। मुख्य अतिथि पद्मश्री प्रो. जे.एस. राजपूत को डी.एससी. की मानद उपाधि प्रदान की गई। इसी के साथ रसायन विज्ञान के प्रो0 दीपक पठानिया को भी डी.एससी. की उपाधि दी गई।

इस अवसर पर प्रदेश की मा. राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि पूर्वांचल की मिट्टी में कुछ खास है तभी यहां की बेटियां बेटों से आगे हैं। उन्होंने कहा कि यहाँ 75 फीसदी बेटियां मेडल प्राप्त की हैं, स्थिति काफी अच्छी है। बेटियां आगे बढ़ रहीं हैं। आज के वातावरण में सोच और समझ में परिवर्तन आया है उसी से बेटियां आगे बढ़ी हैं। उन्होंने छोटे बच्चों पर कहा कि ऐसे छोटे बच्चे गाँव से जब विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में आते हैं तो यहाँ की भव्यता देखकर वह मन में सोच कर जायेंगे कि जब हम पढेंगे तभी यहाँ तक पहुंचेंगे। इस सोच के साथ बच्चों को आमंत्रित किया जाता है।

दीक्षांत उद्बोधन में मुख्य अतिथि पद्मश्री प्रो. जे. एस. राजपूत ने कहा कि ज्ञान से पवित्र कुछ नहीं है। शिक्षा चरित्र निर्माण के लिए होनी चाहिए। इसका विश्लेषण करिए कि आपने व्यक्तित्व विकास के लिए क्या किया? उन्होंने कहा कि शिक्षा अध्ययन, मनन, चिंतन और उपयोग के लिए होनी चाहिए। हमें देश, परम्परा और ज्ञान की शक्ति को पहचानना होगा।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो० निर्मला एस० मौर्य ने कहा कि हमारे विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों में असीम उत्साह एवं क्षमता है। उन्हें जीवन के प्रति आधुनिक विचारों के साथ नये–नये तकनीकी, आर्थिक एवं सामाजिक परिवर्तनों से प्रशिक्षित करने की जरूरत है ताकि वे जीवन की ऊँचाइयों पर पहुंच सकें। दीक्षांत समारोह की शुरुआत में शोभा–यात्रा निकाली गई जिसका नेतृत्व कुलसचिव महेंद्र कुमार ने किया। शोभायात्रा में अतिथियों के साथ कार्य परिषद् एवं विद्या परिषद के सदस्य शामिल हुए। दीक्षांत समारोह का संचालन डॉ. मनोज मिश्र ने किया।

51 बच्चों को राज्यपाल के हाथों मिला उपहार

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 25 वें दीक्षांत समारोह में प्रदेश की मा0 राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कक्षा 6 से 8 में पढ़ने वाले 51 बच्चों को स्कूल बैग, फल, महापुरुषों पर प्रकाशित पुस्तकें आदि प्रदान किया। इन बच्चों को एनएसएस के समन्वयक डा. राकेश यादव स्कूल के प्राध्यापकों के साथ लेकर आए थे।

64 मेधावियों को स्वर्ण पदक

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 25 वें दीक्षांत समारोह में प्रदेश की मा0 राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने 64 मेधावियों को प्रथम प्रयास में अपने विषय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने पर 65 स्वर्ण पदक प्रदान किया।

96 शोधार्थियों को मिली पीएच0डी0 की उपाधि

दीक्षांत समरोह में विभिन्न संकायों के 96 शोधार्थियों को पीएच0डी0 की उपाधि प्रदान की गई। इसमें कला संकाय के 64, विज्ञान संकाय के 09, शिक्षा संकाय के 13 कृषि संकाय के 02 विधि संकाय के 05 वाणिज्य संकाय के 02 तथा इंजीनियरिंग संकाय के एक शोधार्थी को उपाधि मिली। इंजीनियरिंग संस्थान के रसायन विज्ञान विभाग के प्रो. अशोक श्रीवास्तव के निर्देशन में प्रो. दीपक पठानिया को डी.एससी. की उपाधि दी गई।

खिलाड़ी सम्मान समारोह

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के मेडल प्राप्त विजेता 121 खिलाड़ियों को 29 अगस्त 2022 को राजभवन लखनऊ के गाँधी सभागार में सम्मानित किया गया। यह समारोह राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित किया गया। समारोह में मा0 कुलाधिपति एवं राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 121 खिलाड़ियों में 36 को स्वर्ण, 23 को रजत एवं 61 को कांस्य पदक से सम्मानित किया। इसके साथ टीम प्रशिक्षक और टीम प्रबंधक भी सम्मानित हुए। इस अवसर पर प्रदेश की मा0 राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि खेल भावनाओं के सम्मान से ही राष्ट्र के गौरव का निर्माण होता है। खिलाड़ी युवाओं के रोल मॉडल है, ऐसे में खिलाड़ियों की प्रतिभाओं को निखारने की जरूरत है। सामाजिक जीवन में मनुष्य को जो पाठ शिक्षा नहीं सिखाती वह खेल का मैदान सिखाता है। खेल स्वस्थ मस्तिष्क का निर्माण करता है। पीएम की फिट इंडिया, खेलो इंडिया इसका प्रमुख उदाहरण है। कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि खेल से युवाओं में स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है। उन्होंने आभार जताते हुए कहा कि राजभवन, विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट सफलता का न केवल साक्षी रहा है, अपितु मार्गदर्शन एवं उत्साहवर्धन भी करता रहता है। यहां एनएनएस, महिला अध्ययन केंद्र, मिशन शक्ति, कौशल विकास केंद्र एवं रोवर्स रेंजर्स जैसी गतिविधियों में विश्वविद्यालय का राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा, वहीं बौद्धिक विकास की यह प्रयोगशाला अपने उद्देश्यों के निरंतर नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। कोविड काल के दौरान सामाजिक सरोकार में भी विश्वविद्यालय की भूमिका अग्रणी रही है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की सुविधाओं को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार सुविधाएं बढ़ाई जा रहीं हैं। महिला सशक्तिकरण की दिशा में भी विश्वविद्यालय महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। एक भारत, श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना के अन्तर्गत भाषा की अनेकता में एकता को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विश्वविद्यालय में सेंटर आफ एक्सीलेंस भाषा की स्थापना की गयी है। अब तक पूर्वांचल विश्वविद्यालय में 12 सेंटर आफ एक्सीलेंस की स्थापना हो चुकी है। उन्होंने अपने कार्यकाल में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को भी गिनाई। कहा कि पिछले वर्ष विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने 104 पदक पाया था, अब यह संख्या बढ़कर 121 हो गई है। खेलकूद परिषद के संयुक्त सचिव डॉ. विजय प्रताप तिवारी ने खेल गतिविधियों की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। कुलपति ने मा0 कुलाधिपति को अंगवस्त्रम और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम के बाद मा0 राज्यपाल के साथ खिलाड़ियों, शिक्षकों एवं अधिकारियों की ग्रुप फोटोग्राफी हुई। समारोह का संचालन जनसंचार विभाग के अध्यक्ष डॉ. मनोज मिश्र ने और धन्यवाद ज्ञापन खेलकूद परिषद के अध्यक्ष प्रो. सुरेश कुमार पाठक ने किया। कुलसचिव महेन्द्र कुमार मंचासीन रहे।

मैत्री क्रिकेट मैच

28 अगस्त 2022 को राजभवन के बड़ा लान में राजभवन, उत्तर प्रदेश और वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के मध्य 12–12 ओवर के मैत्री क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर की टीम ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पूर्वांचल विश्वविद्यालय की टीम ने रोमांचक खेल का प्रदर्शन करते हुए 11–2 ओवर में 69 रन बनाकर राजभवन की टीम को जीतने के लिए 70 रन का लक्ष्य रखा।

राजभवन की टीम ने निर्धारित विजय लक्ष्य का पीछा करते हुए 11–4 ओवर में 43 रन बनाये। परिणाम स्वरूप वीर बहादुर पूर्वांचल विश्वविद्यालय की टीम ने अपने कुशल खिलाड़ियों के बेहतरीन प्रदर्शन के कारण इस रोमांचकारी मैच को जीतकर राजभवन टीम को 26 रन से पराजित कर दिया।

मा0 राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कुलपति प्रो0 निर्मला एस0 मौर्य के साथ रोमांचक मैच का आनन्द लिया तथा दोनों टीमों के खिलाड़ियों से मिलकर उनका उत्साहवर्द्धन कर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें बधाई दी।

शोध का बड़ा केंद्र बन रहा पूर्वांचल विश्वविद्यालय : केशव प्रसाद मौर्य

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में 21 अक्टूबर 2022 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के चिंतन में संपोषित विकास की अवधारणा विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह संगोष्ठी पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ द्वारा आयोजित की गई। इसके साथ ही अशोक स्तंभ और लाइब्रेरी समेत तीन भवनों का लोकार्पण एवं हस्तनिर्मित स्वदेशी मेला का उद्घाटन उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य द्वारा किया गया।

संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि देश को दुनिया में आगे करना है तो इसके लिए उत्तर प्रदेश को आगे करना होगा। इस कार्य में पूर्वांचल विश्वविद्यालय का बड़ा योगदान होगा। यह विश्वविद्यालय शोध का बड़ा केंद्र बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम स्वदेशी उत्पादन के क्षेत्र में जितना आगे जायेंगे हमारी अर्थव्यवस्था उतनी ही मजबूत होगी।

संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि विश्वविद्यालय निरंतर आगे बढ़े इसके लिए हर स्तर पर प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने शिक्षा के साथ ही महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक कार्यों से एक अलग छवि का निर्माण किया है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कौशल विकास केंद्र के माध्यम से प्रयास किया जा रहा है। कुलपति ने उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य एवं खेल मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री गिरीश चन्द्र यादव को अंगवस्त्रम और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। स्वागत भाषण प्रो. मानस पांडेय संचालन डॉ0 गिरिधर मिश्र एवं आयोजन सचिव डॉ. अनुराग मिश्र रहे। उप मुख्यमंत्री ने रज्जू भईया भौतिकी शोध संस्थान, केंद्रीय पुस्तकालय के नवीन भवन, अशोक सिंघल परंपरागत शोध संस्थान और मुख्य द्वार के सामने बने अशोक स्तंभ का लोकार्पण किया। उन्होंने रज्जू भईया परिसर में आयोजित स्वरोजगार मेला का भी उद्घाटन किया।

तीन पुस्तकों का किया विमोचन

संगोष्ठी में उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य एवं कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने डॉ. मनोज मिश्र एवं डॉ. सुधीर उपाध्याय द्वारा सम्पादित पुस्तक एनवायरमेंटल कम्युनिकेशन– लैब टू लैंड, प्रो0 मानस पाण्डेय द्वारा सम्पादित दीनदयाल उपाध्याय का युग बोध, प्रो0 मानस पाण्डेय एवं डॉ0 आशुतोष सिंह द्वारा सम्पादित पुस्तक टूरिज्म इन इंडिया : चैलेंजेज एंड अपारच्युनिटी पुस्तक का विमोचन किया।

उपमुख्यमंत्री ने तीन भवनों का किया लोकार्पण

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर लगे अशोक स्तम्भ, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भईया) भौतिकीय अध्ययन एवं शोध संस्थान, विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय के नवीन भवन एवं उमानाथ सिंह इंजीनियरिंग संस्थान के समीप अशोक सिंघल परम्परागत विज्ञान एवं तकनीकी संस्थान का लोकार्पण किया।

हस्त निर्मित स्वदेशी मेला लगा

विश्वविद्यालय परिसर में हस्त निर्मित स्वदेशी मेला का आयोजन किया गया। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने इस मेले का उद्घाटन किया। विद्यार्थियों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा 26 स्टाल लगाए थे। उप मुख्यमंत्री ने स्टाल का निरीक्षण किया एवं कम समय में इतना बढ़िया मेला लगाने पर आयोजक की प्रशंसा की। इसका आयोजन महिला अध्ययन केंद्र एवं कौशल विकास केंद्र द्वारा किया गया जिसका संयोजन डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव ने किया।

खेलकूद प्रगति आख्या (2021-2022)

सत्र 2021–2022 में वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर द्वारा आयोजित पूर्वी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालयीय हैण्डबाल पुरूष एवं महिला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान, डॉ0 सी0 वी0 रमन विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़, द्वारा आयोजित पूर्वी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालयीय कबड्डी पुरूष प्रतियोगिता में प्रथम स्थान, रायल ग्लोबल विश्वविद्यालय, असम द्वारा आयोजित पूर्वी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालयीय बैडमिन्टन महिला प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान, रायल ग्लोबल विश्वविद्यालय, असम द्वारा आयोजित पूर्वी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालयीय बैडमिन्टन पुरूष प्रतियोगिता में तृतीय स्थान, किट्ट विश्वविद्यालय भुवनेश्वर द्वारा आयोजित पूर्वी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालयीय खो–खो महिला प्रतियोगिता में तृतीय स्थान, अटल बिहारी वाजपेई विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ द्वारा पूर्वी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालयीय हॉकी महिला प्रतियोगिता में चतुर्थ स्थान, फकीर मोहन विश्वविद्यालय, उड़ीसा द्वारा आयोजित पूर्वी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालयीय खो–खो पुरूष प्रतियोगिता में चतुर्थ स्थान प्राप्त किया।

वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर द्वारा आयोजित अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय क्रिकेट महिला प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक, छत्रपति साहू जी महाराज कानपुर विश्वविद्यालय, कानपुर द्वारा अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय क्रिकेट पुरूष प्रतियोगिता में कांस्य पदक, हॉकी नेहरू सोसाइटी द्वारा आयोजित अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय हॉकी पुरूष प्रतियोगिता में कांस्य पदक, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक द्वारा आयोजित अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय क्वान की डो पुरूष एवं महिला प्रतियोगिता में 3 स्वर्ण, 2 रजत एवं 1 कांस्य पदक, वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर द्वारा आयोजित अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय किक बाक्सिंग महिला प्रतियोगिता में 4 स्वर्ण, 6 रजत, 4 कास्य पदक, डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या द्वारा आयोजित अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय किक बाक्सिंग पुरूष प्रतियोगिता में 7 स्वर्ण, 2 रजत, 6 कांस्य पदक, मंगलोर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय क्रासकण्ट्री पुरूष एवं महिला प्रतियोगिता में 1 स्वर्ण पदक, बंगलूरू विश्वविद्यालय, बंगलूरू द्वारा आयोजित अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय एथलेटिक्स पुरूष एवं महिला प्रतियोगिता में 1 कांस्य पदक, चौधरी बंशी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी द्वारा आयोजित अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय कुश्ती पुरूष प्रतियोगिता में 2 कांस्य पदक, अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय भारोत्तोलन पुरूष एवं महिला प्रतियोगिता में 1 स्वर्ण, 1 रजत एवं 4 कांस्य पदक, चण्डीगढ़ विश्वविद्यालय मोहाली द्वारा आयोजित अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय वूशू पुरूष एवं महिला प्रतियोगिता में 2 स्वर्ण, 4 कांस्य पदक, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक द्वारा आयोजित अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय ग्रेपलिंग पुरूष एवं महिला प्रतियोगिता में 2 स्वर्ण, 9 रजत एवं 7 कांस्य पदक सहित कुल 121 प्रदक प्राप्त किये। 29.08.2022 को माननीय कुलाधिपति महोदय द्वारा राजभवन लखनऊ, में सभी पदक प्राप्त खिलाड़ियों का सम्मान किया गया।

विश्वविद्यालय के कई खिलाड़ी विभिन्न खेलों में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, जिसमें प्रमुख रूप से हॉकी में खादंगम कोथाजीत सिंह, ललित उपाध्याय, भारोत्तोलन में पूर्णिमा पाण्डेय, बास्केटबॉल में अर्जुन सिंह भामिल है। भारतीय खेलों में सबसे लोकप्रिय खेल प्रतियोगिता आई0 पी0 एल0 में विश्वविद्यालय के राहुल शुक्ला तथा प्रवीण दूबे अपनी टीमों का प्रतिनिधित्व कर रहें हैं।

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पिछले वर्ष महिला खिलाड़ियों को दिये जाने वाला सर्वश्रेष्ठ रानी लक्ष्मी बाई खेल पुरस्कार विश्वविद्यालय की पूर्व हैण्डबाल खिलाड़ी कु0 तेजस्विनी सिंह एवं पुरूष खिलाड़ियों को दिये जाने वाला सर्वश्रेष्ठ लक्ष्मण खेल पुरस्कार विश्वविद्यालय के पूर्व हॉकी खिलाड़ी ललित उपाध्याय ने प्राप्त किया है।

दीक्षोत्सव समारोह

विश्वविद्यालय में 25वें दीक्षांत समारोह के आयोजन से पूर्व पांच दिवसीय दीक्षोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें परम्पारगत खेल, काव्य, लेखन, निबंध लेखन, चित्रकला, देशभक्ति गीत, लोक नृत्य, भाषण प्रतियोगिता, महिला सम्मलेन एंव शैक्षिक विषयों पर सेमिनार का आयोजन हुआ। प्रतियोगिताओं के विजेताओं तथा उत्कृष्ट कार्य के लिए अध्यापको को पुरस्कृत किया गया।

1. **खेल प्रतियोगिता :** 15–18 फरवरी, 2023 तक एकलव्य स्टेडियम में परम्पारगत खेल (पुरुष एवं महिला) – खो खो, कबड्डी, कुश्ती, रस्सा–कशी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसका समन्वयन व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रो. डॉ0 अन्नु त्यागी ने किया।
2. **काव्य लेखन प्रतियोगिता :** 18 फरवरी, 2023 को संकाय भवन के सेमिनार हॉल में आयोजित हुई। इसका समन्वयन डॉ. रसिकेश ने किया।
3. **निबंध लेखन प्रतियोगिता :** 18 फरवरी, 2023 को संकाय भवन के सेमिनार हॉल में आयोजित हुई। इसका समन्वयन प्रो0 रवि प्रकाश ने किया।
4. **चित्रकला प्रतियोगिता :** 19 फरवरी, 2023 को सेमिनार हॉल, संकाय भवन में आयोजित हुई। डॉ0 मंगला प्रसाद ने इसका समन्वयन किया।
5. **देशभक्ति गीत प्रतियोगिता :** 18 फरवरी, 2023 को आर्यभट्ट सभागार में संपन्न हुई। डॉ0 नितेश जायसवाल ने इसका समन्वयन किया।
6. **लोक नृत्य प्रतियोगिता :** 18 फरवरी, 2023 को आर्यभट्ट सभागार में संपन्न हुई। इसका समन्वयन डॉ0 जान्हवी श्रीवास्तव ने किया।
7. **भाषण प्रतियोगिता :** 18 फरवरी, 2023 को आर्यभट्ट सभागार में संपन्न हुई। इसका समन्वयन डॉ0 सत्यम उपाध्याय ने किया।
8. **महिला सम्मलेन :** 19 फरवरी, 2023 को में आर्यभट्ट सभागार आयोजित हुई। इसका समन्वयन डॉ0 जान्हवी श्रीवास्तव एवं डॉ0 अन्नू त्यागी ने किया।

पुरस्कार वितरण : प्रतियोगिताओं के विजेताओं तथा उत्कृष्ट कार्य के लिए अध्यापकों को आर्यभट्ट सभागार में पुरस्कृत किया गया। दीक्षोत्सव के संयोजक प्रो0 प्रदीप कुमार रहे। फार्मेसी संस्थान के शिक्षक डॉ. विनय वर्मा ने प्रतियोगिताओं का समन्वयन किया।

विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय

वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय में सन् 1999 में केन्द्रीय पुस्तकालय की स्थापना किया गया था। सन् 2004 में आधुनिक पुस्तकालय भवन का निर्माण किया गया जिनका नाम विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय रखा गया और इसका उद्घाटन तत्कालीन उपराष्ट्रपति माननीय श्री भैरव सिंह भोखावत ने किया था। 2022 में पुस्तकालय का नया विस्तार भवन तैयार किया गया है जिसमें प्रिन्ट पुस्तकों के साथ–साथ रिसर्च कैरल व शिक्षक अध्ययन रूम का व्यवस्था है। सन् 2016 में उत्तर प्रदेश सरकार ने इस पुस्तकालय को सेन्टर आफ एक्सलेन्स से नवाजा है।

वर्तमान समय में 196122 पाठ्य पुस्तक व सन्दर्भ पुस्तक, 186 जर्नल व मैग्जीन, 1310 बैक वैल्यूम, 8585 पी0एच0डी0 थेसिस, 873 सी0डी0 , 217 गर्वनमेन्ट पब्लिकेशन एवं विश्वविद्यालय संबधित प्रेस क्लिपिगं 2008 से उपलब्ध है। पुस्तकालय में भोल सॉफ्टवेयर द्वारा प्रिन्ट पुस्तकों का डाटा फिडिंग कार्य चल रहा है। जिससे कि पुस्तकों का आदान प्रदान कार्य, ओपैक एवं ओएब ओपैक के माध्यम से पुस्तकों का उपलब्धता का सर्च कार्य किया जा रहा है। पुस्तकालय में इटीडी लैब, डिजिटल पुस्तकालय एवं ई–पुस्तकालय स्थापित है जिसमें 20 कम्प्यूटर के साथ 1 जी0बी0पी0एस0 बी0एस0एन0एल0लीज लाईन की सुविधा उपलब्ध है। यहां पर 28000 से अधिक ई–बुक्स, ई–जर्नल, ई–थेसिस, ई– डाटाबेस, एवं ई– आरकाइब्स के लिये स्प्रिंगर, माइग्राहिल, एल्सबियर, टेलर एण्ड फ्रान्सिस, पियर्सन, वाईले, सेज, रायल सोसाइटी ऑफ केमेस्ट्री, नेचर पब्लिकेशन, आईईईई एमराल्ड, एप्सको, पब्लिशर का ई–रिर्सोस उपलब्ध है। पुस्तकालय में सी0सी0टी0वी0 कैमरा द्वारा निगरानी किया जाता है। पुस्तकालय में छात्र छात्राओ को वाई–फाई की सुविधा उपलब्ध है। 2015 से पुस्तकालय में बुक–बैंक की सुविधा उपलब्ध है जिस माध्यम से सभी छात्र छात्राओं को पूरा प्रत्येक सेमेस्टर के लिए पुस्तकें दी जाती है।

Shodh ganga a reservoir of Indian theses पर प्रदेश में द्वितीय व देश में सातवां स्थान

वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय यू0जी0सी0 के शोध ग्रंथ पोर्टल शोध गंगा प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालय में 8585 शोध ग्रंथ के साथ द्वितीय और देश में आठवाँ स्थान पर है विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्मित शोधगंगा एक ऐसा प्लेटफार्म है जिस पर देश के 674 विश्वविद्यालय से शोध ग्रंथ को अपलोड किया जा रहा है। वर्तमान समय में 430257 शोध ग्रंथ एवं 9783 सिनाप्सिस उपलब्ध है जो इण्टरनेट के माध्यम से कोई भी शोध ग्रंथ को अध्ययन कर सकता है। पूर्वान्चल विश्वविद्यालय द्वारा शोध ग्रंथ को अपलोड करने का कार्य 2016 में प्रारम्भ हुआ। इस कार्य का सफलता पूर्वक संचालन शोधगंगा के विश्वविद्यालय समन्वयक डॉ0 विद्युत कुमार मल द्वारा किया जा रहा है।

जी- 20 प्रोग्राम के लिए शिक्षक अंबेसडर नामित

जी–20 के तहत उप्र शासन की ओर से वीर बहादुर सिंह पूर्वाचल विश्वविद्यालय में तीन अंबेसडर बनाए गए हैं। इसमें डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव व्यावहारिक मनोविज्ञान को नोडल अधिकारी और डॉ. सुनील कुमार जनसंचार विभाग और डॉ. मनोज पांडे व्यावहारिक मनोविज्ञान को अंबेसडर नियुक्त किया गया है। इसके तहत 24 जनवरी 2023 को लखनऊ विश्वविद्यालय में ट्रेनिंग प्रोग्राम रखा गया। इसमें प्रदेश के मुख्य सचिव श्री दुर्गाशंकर मिश्र, प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा सुधीर बोबड़े, विशेष सचिव अखिलेश मिश्र, डॉ. स्वाति राव, संजय मेथावी समेत कई ब्यूरोक्रेट के साथ विषय विशेषज्ञों ने अपनी बात रखी। 27 जनवरी को संकाय भवन के संगोष्ठी भवन में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी का विषय था स्वास्थ्य पर्यावरण और आत्मनिर्भर भारत। 28 जनवरी को समावेशी विकास एवं आत्मनिर्भर भारत विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। 30 जनवरी 2023 को जी–20 पर जागरूकता के लिए एक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 31 जनवरी को क्राफ्ट, पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। एक फरवरी 2023 को योग शिविर का आयोजन किया गया। दो फरवरी को सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। तीन फरवरी को शासन स्तर पर मुख्यमंत्री की ओर से नामित डॉ0 विष्णुदत्त पांडेय और आईएस दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग के निदेशक श्री सत्यप्रकाश पटेल ने वन ट्रिलियन डालर इकोनामी : अवसर और आयाम विषय पर अपने विचार रखे। इसके बाद तीन फरवरी 2023 को डेमोक्रेसी एवम सतत विकास पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। सात फरवरी को भाषण और पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। 10 फरवरी को गोरखपुर विश्वविद्यालय के डॉ. रामवंत गुप्ता बतौर मुख्य अतिथि के रूप में आए। उन्होंने जी–20 के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। यह कार्यक्रम नवंबर 2023 तक चलता रहेगा।

वैज्ञानिक अनुसंधान में नए आयाम स्थापित करता पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय शोध के केंद्र होते हैं। शोध से ज्ञान के नए क्षितिज प्रकाश में आते हैं, और जो नया ज्ञान प्राप्त होता है वह शिक्षण–प्रशिक्षण के अंतर्गत शामिल होता रहता है। इस तरह शोध ज्ञान–सृजन और ज्ञान–परिष्कार का कार्य करता है। इस अवधारणा को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय चरितार्थ कर रहा है।

वर्ष 2022 में विश्वविद्यालय को भारत सरकार तथा उत्तर प्रदेश सरकार की विभिन्न विभागों द्वारा कुल तेईस (23) शोध अनुदान प्राप्त हुए। यह अनुदान मुख्यतः प्रो राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) भौतिकिय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान के भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, भूगर्भ विज्ञान, नैनो साइंस विभाग तथा इंजीनियरिंग संकाय के भौतिकी व गणित विभाग के शिक्षकों को शोध के लिए प्रदान किए गए।

विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा कुल दो शोध प्रस्तावों को अनुदान के लिए चुना गया। यह अनुदान क्रमशः डॉ. मनीष प्रताप सिंह और डॉ. काजल डे की शोध परियोजनाओं के लिए मिले हैं, जिनकी कुल शोध अनुदान राशि लगभग चौवालिस लाख रुपए हैं। विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड की योजना के अंतर्गत रिन्यूएबल एनर्जी सेंटर के वैज्ञानिक डॉ धीरेंद्र चौधरी को जर्मनी स्थित कोलोन विश्वविद्यालय में तीन महीने सोलर सेल पर शोध कार्य करने का अवसर मिला।

शोध को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा कुल नौ स्टार्टअप रिसर्च ग्रांट को स्वीकृति दी गई जिसकी कुल अनुदान राशि नब्बे लाख रुपए है। यह शोध अनुदान क्रमशः डॉ. अजीत सिंह, डॉ. नीरज अवस्थी, डॉ. नितेश जायसवाल, डॉ. मिथिलेश यादव, डॉ. मनीष प्रताप सिंह, डॉ. आलोक कुमार वर्मा, डॉ. धीरेंद्र चौधरी डॉ. श्रवण कुमार, डॉ. सुजीत कुमार चौरसिया को उनके शोध प्रस्तावों के लिए दी गई।

उच्चीकृत शोध के लिए उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कुल छः सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्रांट को स्वीकृति प्रदान की गई। यह शोध अनुदान क्रमशः डॉ. मिथिलेश यादव, डॉ. श्याम कन्हैया, डॉ. पुनीत कुमार धवन, डॉ काजल डे, डॉ. मनीष प्रताप सिंह, डॉ. सुशील शुक्ला को उनके शोध प्रस्ताव के लिए दिया गया है। शोध गतिविधियों के उन्नयन हेतु उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा रिसर्च एंड डेवलपमेंट योजना के अंतर्गत डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. प्रमोद कुमार यादव व डॉ सुशील शुक्ला को शोध के लिए अनुदान प्रदान किए गए हैं। उत्तर प्रदेश विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा लगभग चौतींस लाख रुपए के तीन शोध अनुदान क्रमशः डॉ. मिथिलेश यादव, डॉ. दिनेश कुमार वर्मा व डॉ. सुजीत कुमार चौरसिया को प्रदान किए गए हैं।

इसी क्रम में शोध को बढ़ावा देने के लिए वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने अपने मद से 15 अनुसंधान परियोजनाओं को स्वीकृति दी तथा उनके लिए अनुदान राशि जारी की। इससे यह लक्षित होता है कि विश्वविद्यालय शोध और अनुसंधान को लेकर गंभीर और सजग है।

महिला अध्ययन केन्द्र

महिला अध्ययन केंद्र की स्थापना मा0 कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी के दिशा निर्देश में प्रत्येक विश्वविद्यालय में स्थापित किया गया है, विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो0 निर्मला एस मौर्य जी के मार्गदर्शन एवं प्रभारी डॉ0 जाह्नवी श्रीवास्तव के नेतृत्व में महिला अध्ययन की पूरी टीम महिलाओं को स्वावलंबी, आत्मनिर्भर, सरकारी योजनाओं का लाभ लेने, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुक करने तथा भारतीय परंपराओं एवं संस्कृति से परिचित कराने के उद्देश्य से लगातार कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं–

- 13 फरवरी 2022 को राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 'महिला आत्मनिर्भरता–एक सामाजिक चुनौती" विषयक वेबिनार का आयोजन गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पद्मश्री फूलबासन बाई यादव, प्रख्यात समाजसेविका, छत्तीसगढ़ विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. कायनात काजी, ब्लॉगर एवं यात्रा लेखिका रहीं ।
- 26 फरवरी 2022 को वृहद् मतदाता जागरूकता अभियान के अन्तर्गत रंगोली, पोस्टर प्रतियोगिता एवं व्याख्यान आयोजित किया गया कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रो0 अविनाश पाथर्डिकर जी द्वारा व्याख्यान दिया गया।
- 8 मार्च 2022 को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 60 महिलाओं को अंगवस्त्रम व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य प्रबंधक पंजाब नेशनल बैंक, श्री राम बहादुर सरोज रहे।
- 15 मई 2022 अन्तर्राष्ट्रीय परिवार दिवस के अवसर पर बदलते परिवेश में परिवार की भूमिका एवं दायित्व विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में प्रो0 आर0 एन0 त्रिपाठी ने व्याख्यान दिया।
- 11 जून 2022 मा. कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य द्वारा बालिका हेल्थ क्लब एवं महिला अध्ययन केंद्र का उद्घाटन किया गया।
- 8 जुलाई 2022 आजादी महोत्सव' के शुभ अवसर पर पूर्वांचल सावन महोत्सव कार्यक्रम का विश्वविद्यालय परिसर (मुक्ताँगन) में हुआ, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं द्वारा बनाए उत्पादों के लिए रक्षा बंधन पर विश्वविद्यालय परिसर में बाज़ार उपलब्ध कराकर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना, जिसके लिए लगातार ब्लॉक स्तर पर राखी, साज–सज्जा की सामग्री बनाने हेतु पाँच दिवसीय प्रशिक्षण भी दिया गया साथ ही साथ विश्वविद्यालय के छात्र छात्राओं में अपनी संस्कृति, एवं परंपराओं, रीति–रिवाजों के प्रति श्रद्धा एवं जुड़ाव हो सके।

सावन महोत्सव के कार्यक्रम – शिव पूजन झांकी, पपेट झांकी, गुड्डा गुड़िया विवाह झांकी, कजरी गायन प्रतियोगिता, पूर्वांचल सावन महोत्सव प्रतियोगिता आकर्षक झांकी प्रतियोगिता, आकर्षक स्टाल प्रतियोगिता, पूर्वांचल सावन क्वीन प्रतियोगिता, पूर्वांचल सावन किंग प्रतियोगिता, पूर्वांचल सावन प्रिन्सेज़ प्रतियोगिता (छात्राओं के लिए) पूर्वांचल सावन प्रिंस प्रतियोगिता (छात्रों के लिए) पूर्वांचल सावन किड्स प्रतियोगिता (बच्चों के लिए) मेहंदी प्रतियोगितापर्यावरण से सम्बंधित सामान्य ज्ञान का आयोजन भी किया गया।

– 21 अक्टूबर 2022 को स्वरोज़गार मेला का आयोजन किया गया। मेले का मुख्य आकर्षण केंद्र, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा बनाए उत्पादों का स्टाल रहा। स्वरोज़गार मेले का उद्घाटन मा0 उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य जी के कर कमलों द्वारा किया गया, जिसमें रू0 5000 की ख़रीददारी भी की मा0 राज्यमंत्री श्री गिरीश चंद्र यादव जी उपस्थित रहे।

– 26 नवम्बर 2022 को विरासत कला वीथिका का उद्घाटन मा0 कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य जी द्वारा किया गया।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

भारत वर्ष की आज़ादी की 75वीं वर्षगाँठ के अवसर पर आज़ादी का अमृत महोत्सव के रूप में 12 मार्च 2021 से 12 अगस्त 2023 तक अलग–अलग कार्यक्रमों के माध्यम से मनाया गया। विश्वविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रम मा0 कुलपति प्रो0 निर्मला एस मौर्य जी के संरक्षकत्व में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए। आज़ादी के अमृत महोत्सव के नोडल अधिकारी के रूप में प्रो. अजय प्रताप सिंह, सह नोडल अधिकारी के रूप में डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव, हर घर तिरंगा के नोडल अधिकारी डॉ. मनोज मिश्र, विविधता में एकता के नोडल अधिकारी मनीष गुप्ता ने विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जिसका विवरण निम्नवत है।–

1. 26 फरवरी, 2022 को मतदाता जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया।
2. 24 मार्च, 2022 को विश्व क्षय रोग दिवस के अवसर पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ।
3. 14 अप्रैल 2022 को डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किया गया।
4. 22 अप्रैल 2022 को पृथ्वी दिवस पर महिला छात्रावास में पोस्टर प्रतियोगिता एवं ट्रांजिट हॉस्टल में शिक्षकों ने पौधरोपण किया।
5. 24 अप्रैल 2022 को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ0 सुरेश जी ने व्याख्यान दिया।
6. 15 मई 2022 को अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस के अवसर पर वेबिनार का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में प्रो0 आर0एन0 त्रिपाठी रहे।
7. 21 मई 2022 को आतंकवाद विरोध दिवस के अवसर पर आतंकवाद विरोध एवं राष्ट्रवाद विषयक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में सैन्य विज्ञान की प्रो0 शिखा श्रीवास्तव रहीं।
8. 22 मई 2022 पर्यावरण विज्ञान विभाग के तत्वावधान में बायो डायवर्सिटी कंजर्वेशन दिवस की पूर्व संध्या पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें बतौर मुख्य अतिथि काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो0 ज्ञानेश्वर चौबे थे।
9. 25 मई 2022 को विश्व थायरायड दिवस पर वेबिनार का आयोजन किया गया मानव स्वास्थ्य पर थायरायड का महत्व विषय पर स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ0 शैली निगम ने विचार व्यक्त किया।
10. 28 मई 2022 को विनायक दामोदर जयंती पर क्रांतिकारी आंदोलन के विकास में वीर सावरकर के योगदान पर चर्चा हुई।
11. 14 जून 2022, विश्व रक्तदान दिवस पर एक दिवसीय वेबिनार विषयक "रक्तदान का महत्व" का आयोजन किया गया। इसके मुख्य वक्ता डॉ. शैलेश मिश्र, आयुष विभाग, भुवनेश्वर के थे।
12. 21जून 2022 को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में योग का कार्यक्रम आयोजित किया गया। योग के बाद सभी लोग मा. प्रधानमंत्री जी के उद्बोधन का सीधा प्रसारण सुना गया। कुलपति प्रो0 निर्मला एस0 मौर्य ने विश्वविद्यालय के सदस्यों के साथ एकलव्य स्टेडियम में योग किया।
13. 11 जुलाई 2022 को विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर जनसंख्या विस्फोट एवं खाद्य सुरक्षा विषयक सेमिनार का आयोजन किया गया।
14. 26 जुलाई 2022 को कारगिल विजय दिवस' के उपलक्ष्य में एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक नागरिक के मन में राष्ट्र प्रेम की भावना को जागृत करना था। वेबिनार के मुख्य वक्ता श्री दयानन्द गुप्ता, पूर्व सैन्य अधिकारी रहे।
15. 1 से 7 अगस्त 2022 के बीच विश्व स्तनपान सप्ताह के अंतर्गत के विश्वविद्यालय द्वारा जिला अस्पताल में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ तब्बसुम बानो ने लोगों को जागरुक किया।
16. 14 अगस्त 2022 को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। पाकिस्तान के मीरपुर पंजाब से विस्थापित हुए तथा अब लखनऊ में रह रहे पीड़ित परिवार के सरदार स्वर्ण सिंह ने कहा कि विभाजन वस्तु का ठीक है मुल्क का

कष्टकारी होता है। उन्होंने कहा कि जो लोग बंटवारे के शिकार हुए वे कितने दर्द सहे होंगे इसकी कल्पना नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि 1947 का विभाजन बहुत महंगा था इसका कोई हल निकाला जाना चाहिए था। उन्होंने अपने पूर्वजों की स्मृतियों को साझा किया तो लोगों के रोंगटे खड़े हो गए। फेसबुक के माध्यम से पाकिस्तान के अपने घर की वीडियो मंगाकर प्रदर्शित किया।

17. भारत सरकार द्वारा विभाजन की विभीषिका पर भेजी गई सामग्री का डिजिटल प्रदर्शन हुआ। इसके साथ ही चिल्ड्रेन ऑफ़ पार्टीशन वृतचित्र एवं विभाजन की विभीषिका पर कई वीडियो दिखाएं गए।
18. 15 अगस्त 2022 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।
19. 17 अगस्त 2022 को मदन लाल धींगरा शहीदी दिवस' के उपलक्ष्य में एक दिवसीय वेबिनार बिषयक "क्रांतिकारी आंदोलन नायक के रूप में मदन लाल धींगरा" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक नागरिक के मन में राष्ट्र प्रेम की भावना को जाग्रत करते हुए स्वतंत्रता के प्रतीकों के प्रति सम्मान का भाव उजागर करना रहा। वेबिनार के मुख्य वक्ता डॉ0 नितेश जायसवाल, सहायक आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग, रज्जू भैया संस्थान रहे।
20. 26 सितम्बर 2022 को विविधता में एकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन सरकार के सेवा पखवारा के तहत किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने 29 राज्यों के खान–पान को व्यंजन प्रतियोगिता के आयोजन के माध्यम से दिखाया ,भारत के विभिन्न राज्यों के परिधान प्रतियोगिता के माध्यम से परिधान को दिखाया साथ ही साथ अलग–अलग राज्यों का लोक नृत्य विद्यार्थियों द्वारा किया गया ।
21. 31 नवम्बर 2022 को राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में वेबिनार आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि डॉ0 संतोष कुमार सिंह, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, हरियाणा रहे।
22. 19–25 नवम्बर को विश्व विरासत सप्ताह के अंतर्गत विरासत कला वीथिका का उद्घाटन किया गया तथा विश्वविद्यालय स्थित अशोक स्तम्भ के सामने देश की विरासत को सुरक्षित करने का संकल्प लिया, साथ ही साथ एक डाक्युमेंट्री भी दिखाई गयी ।
23. 26 दिसमबर 2022 को वीर बाल दिवस के रूप में मनाया गया जिसमें मुख्य वक्ता श्री गुरप्रीत सिंह द्वारा व्याख्यान दिया गया।

डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव, सह नोडल अधिकारी

हर घर तिरंगा कार्यक्रम

18 जुलाई 2022 को विश्वविद्यालय परिसर स्थित गांधी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर, कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने अमृत महोत्सव के अंतर्गत "हर घर तिरंगा" कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव में हम सभी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का नमन करते हैं, जिनके बदौलत आज हम स्वतंत्र हैं। अवकाश प्राप्त न्यायाधीश श्री मंगल प्रसाद ने कहा कि भावी पीढ़ी जिसने स्वतंत्रता आंदोलन को ना देखा ना भोगा है उनमें देशभक्ति की भावना भरने के लिए इस कार्यक्रम को शुरू किया गया। कुलसचिव श्री महेंद्र कुमार ने कहा कि यह अभियान इस वर्ष स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में शुरू किया जा रहा है। इस अभियान से विद्यार्थी, शिक्षक और नागरिकों के मन में देश के प्रति जिम्मेदारी का अहसास के साथ–साथ राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान का भाव उत्पन्न होगा। इस कार्यक्रम का संचालन नोडल अधिकारी डॉ. मनोज मिश्र और धन्यवाद ज्ञापन एनएसएस समन्वयक डॉ. राकेश यादव ने किया।

21 जुलाई 2022 को उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश के क्रम में नोडल अधिकारी और राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय,गाजीपुर परिसर में जनपद गाजीपुर के प्रचार्यगण के साथ बैठक की गई। जागरूकता बैठक मे क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी डॉ0 ज्ञान प्रकाश वर्मा, प्राचार्य प्रो0 सविता भारद्वाज, एनएसएस समन्वयक डॉ0 राकेश कुमार यादव सहित प्राचार्यगण उपस्थित रहे।

23 जुलाई 2022 को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद की जयंती के अवसर पर अमर राष्ट्र नायक चंद्रशेखर आजाद विषयक ऑनलाइन सेमिनार का आयोजन किया गया। इसके साथ ही बाल गंगाधर तिलक के जयंती पर उन्हें भी नमन किया गया।

25 जुलाई 2022 को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत धनियामऊ शहीद स्तंभ पहुँचकर कुलपति प्रो. निर्मला एस मौर्य ने शहीदों को नमन किया और उनके परिवारजनों को अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया। विद्यार्थियों को शहीद स्तम्भ पर अंकित शहीद जमींदार सिंह,राम अधार, राम पदारथ, रघुराई चौहान, राम निहोर कहार और रामानंद चौहान के बारे में अंकित परिचय और वीरता की गाथा को सुनाया।

— 30 जुलाई 2022 को अमृत महोत्सव के अंतर्गत हर घर तिरंगा कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिसर के विभिन्न मार्गों की नाम पट्टिका पर अंकित गुमनाम अमर शहीदों की शौर्य गाथा पर छात्रों से चर्चा। कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने मुख्य द्वार के समीप शहीद मातादीन,बल्लू राम और बांके मार्ग की शिलापट्टिका पर पुष्प अर्पित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि यह मार्ग विद्यार्थियों को पग–पग पर शहीदों के त्याग और बलिदान की याद दिलाते है। मार्गों का नामकरण शहीदों के नाम करने पर तत्कालीन कुलपति प्रो. सुन्दर लाल का भी उन्होंने आभार व्यक्त किया ।

— 01 अगस्त 2022 को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत हौज शहीद स्मारक पहुंचकर कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके परिजनों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। विद्यार्थियों को शहीद स्तम्भ पर अंकित 16 शहीदों के बारे में प्रधान चंदन सिंह ने जानकारी दी।

— 04 अगस्त 2022 को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत को सेनापुर शहीद स्तंभ पहुंचकर कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किया।

— 07 अगस्त 2022 को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत देशभक्ति आधारित काव्यपाठ, निबंध, संभाषण व प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में कुल 348 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

— 10 अगस्त 2022 को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आजादी से संबंधित शोध कार्यः एक संकलन पुस्तक का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि देशभक्ति एक विरासत है जो हमें अपने पूर्वजों से मिली है। यह चिंगारी है जो देश की भावना को जगाती है। एक देशभक्त व्यक्ति को हमेशा अन्य देशवासियों से सम्मान, प्यार, समर्थन और कभी ना खत्म होने वाला स्नेह मिलता है। यह केवल उनके बलिदानों के कारण ही नहीं बल्कि देश के प्रति प्रेम, देखभाल, समर्पण और स्नेह के कारण भी है। विश्वविद्यालय की लाइब्रेरी से 10 लोगों के शोध जो कि आजादी पर आधारित है इनके संकलन के शोधसंग्रह का आज लोकार्पण किया जा रहा है। हमारे लिए यह गर्व की बात है कि हमारे यहां के शोधार्थियों ने आजादी और देशभक्ति पर आधारित विषयों पर शोध किया है।

— 11 अगस्त, 13 अगस्त, 16 अगस्त 2022 को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आज़ादी का अमृत महोत्सव के हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत गुरुवार 11 अगस्त व शनिवार 13 अगस्त व 16 अगस्त को विश्वविद्यालय में तिरंगा यात्रा निकली। तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थी शामिल हुए। तिरंगा यात्रा की शुरुआत विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार से हुई। यात्रा का नेतृत्व कुलपति प्रो. निर्मला एस मौर्य ने किया।

— 14 अगस्त 2022 को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत परिसर स्थित पुरुष व महिला छात्रावासों में देशभक्ति आधारित काव्यपाठ, संभाषण व प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

— 14 अगस्त 2022 को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाया गया। परिचर्चा में वक्ताओं द्वारा उनके परिवारों पर विभाजन की विभीषिका के दर्द को सुनकर लोगों की आंखें नम हो गई।

इस अवसर पर भारत सरकार द्वारा विभाजन की विभीषिका पर भेजी गई सामग्री का डिजिटल प्रदर्शन हुआ। इसके साथ ही चिल्ड्रेन ऑफ़ पार्टीशन वृतचित्र एवं विभाजन की विभीषिका पर कई वीडियो दिखाएं गए। उत्तर प्रदेश शासन के संस्कृति विभाग द्वारा नामित लोक गायक आशीष पाठक अमृत द्वारा देशभक्ति सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

— 15 अगस्त 2022 को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में सोमवार को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने ध्वजारोहण किया। इस बार विश्वविद्यालय में 100 फीट के ध्वज का लोकार्पण किया गया। कुलपति ने महात्मा गाँधी, वीर बहादुर सिंह, सरदार वल्लभ भाई पटेल समेत अन्य महापुरुषों की मूर्तियों पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

17 अगस्त 2022 को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के महंत अवेद्यनाथ संगोष्ठी भवन में देर शाम तक चले कवि सम्मेलन में विद्यार्थियों,शिक्षकों एवं कविगण की देशभक्ति केंद्रित रचनाओं से श्रोतागण झूम उठे। कवि सम्मेलन की मुख्य अतिथि राज्य सभा सांसद श्रीमती सीमा द्विवेदी ने कहा कि आज़ादी के अमृत महोत्सव में जन जन में एक नई ऊर्जा देखने को मिली। कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि कवि सितारों में सूर्य की तरह होते है। उन्होंने अपनी रचना कौन सी कविता होती है पूरी, सदा रहती है अधूरी, इच्छाओं की तरह.....सुना कर खूब तालियां बटोरी।

अन्तर विश्वविद्यालयीय युवा महोत्सव

12-13 जनवरी 2023

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में 12–13 जनवरी 2023 को अंतर विश्वविद्यालय युवा महोत्सव का आयोजन हुआ। इस महोत्सव में प्रदेश के विश्वविद्यालयों में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ, महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली, महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी, महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय,आजमगढ़, जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया एवं वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के प्रतिभागियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इस युवा महोत्सव में शास्त्रीय गायन–वादन एवं नृत्य, एकल संगीत, समूह संगीत–नृत्य, वाद विवाद,मूक अभिनय, स्पॉट पेंटिंग, कोलाज, पोस्टर, रंगोली, स्पॉट फोटोग्राफी, मेंहदी सहित 16 प्रतियोगिताएँ आयोजित की गयी। स्वामी विवेकानंद जी की जयंती पर आयोजित युवा महोत्सव 2023 का शुभारम्भ सांस्कृतिक समारोह से हुआ। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री श्री योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि विवेकानंद जी व्यक्ति नहीं देश के विचार थे, उनके विचारों से प्रभावित होकर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने नई शिक्षा नीति बनवाई। विवेकानंद के विचार हमें सदा ऊर्जा देते रहे है। उन्होंने कहा था कि शक्तिशाली भारत का निर्माण होगा विश्वविद्यालय और खेल के मैदानों से।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि पंजाब नेशनल बैंक के अंचल प्रबंधक अजय कुमार सिंह ने कहा कि आज ऐसे महापुरुष की जयंती है जो कि युवाओं को प्रोत्साहित करते हैं। मैं भी उन्हीं से प्रेरणा लेता हूं। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि शिक्षा हमें समाज में रहने लायक बनाती है। अतिथियों और युवा महोत्सव का संक्षिप्त परिचय प्रो. अजय द्विवेदी ने दिया। संचालन नोडल अधिकारी डॉ. मनोज मिश्र और धन्यवाद ज्ञापन आयोजन सचिव डॉ0 गिरधर मिश्र ने किया।

युवा महोत्सव के दौरान 12 जनवरी 2023 को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के महंत अवेधनाथ संगोष्ठी हाल में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही। आल्हा सम्राट श्री फौजदार सिंह ने अपनी गीतों और आल्हा प्रस्तुति से लोंगों में जोश भर दिया। विद्यार्थियों नें नशामुक्ति अभियान और महिला सशक्तिकरण पर अपनी जोरदार प्रस्तुति की। सांस्कृतिक समारोह के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा और विशिष्ट अतिथि पुलिस अधिक्षक श्री अजय साहनी रहे। समारोह में अतिथियों और कलाकारों को कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने अंगवस्त्रम और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर आकांक्षा समिति की अध्यक्ष डॉ0 अंकिता राज, सांस्कृतिक कार्यक्रम में टीम के निर्देशक सलमान को भी सम्मानित किया गया।

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय अंतर विश्वविद्यालयीय युवा महोत्सव का समापन 13 जनवरी को हुआ। समापन समारोह में उत्कृष्ट प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य श्री विद्यासागर सोनकर द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य श्री विद्यासागर सोनकर ने कहा कि युवा मन से होता है उन्हें अनुशासित होकर लक्ष्य प्राप्ति करना चाहिए तभी सही दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि युवा महोत्सव में एक दूसरे की संस्कृति और संस्कार को जानने का मौका मिलता है। आज युवा सोच के चलते ही दुनिया हमारे सामने नतमस्तक है।

समारोह की अध्यक्षता कर रहीं विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि अन्य देश बने और मिट गये लेकिन युवाओं की सोच और संस्कृति के बल पर अपना देश आगे बढ़ रहा है।

दो दिनों में महोत्सव की विविध प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। जिसमें काशी विद्यापीठ वाराणसी प्रथम,वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय द्वितीय, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ तृतीय और जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया चतुर्थ स्थान पर रहा।

दो दिवसीय अंतर विश्वविद्यालयीय युवा महोत्सव में प्रतिभाग किये समस्त प्रतिभागी सुखद स्मृतियों को लिए अपने विश्वविद्यालयों को प्रस्थान किये सभी टीम प्रबंधकों ने आयोजन एवं न्याय मंडल के निर्णयों की भूरि–भूरि प्रशंसा की। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ, महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली एवं वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के प्रतिभागियों नें 13 जनवरी की रात अतिथिगृह में सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ लोहणी का पर्व मनाया गया।

लोकार्पण समारोह

12 जनवरी 2022 को विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन स्थित वीडियो कान्फेंसिंग कक्ष, महात्मा ज्योतिबाफुले छात्रावास और वीर सावरकर भवन का लोकार्पण उत्तर–प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री श्री योगेंद्र उपाध्याय ने किया। इस दौरान विधि विधान से दोनों भवनों में पूजन किया गया।

पुस्तक का विमोचन

युवा महोत्सव के उद्घाटन सत्र में कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य द्वारा लिखित पुस्तक "कौन सी कविता होती है पूरी", प्रो. अजय द्विवेदी की पुस्तक "इंडियन रूरल वोमेन" और डा. सुनील कुमार और डा. दिग्विजय सिंह राठौर के संपादन में "अन्तर्विश्वविद्यालयीय युवा महोत्सव" की स्मारिका का विमोचन भी उत्तर–प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री श्री योगेंद्र उपाध्याय ने किया।

डॉ. मनोज मिश्र, नोडल अधिकारी

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर से किए गए MoU का विवरण

1. पी०एम०जी० कॉमर्स एड्ज लिमिटेड, कानपुर, मिनिस्टरी ऑफ टेक्सटाइल, भारत सरकार के समर्थ योजना के अधीन कार्यरत (03.08.2021 से 02 वर्ष) गतिविधियाँ।

वर्तमान सत्र में 30–30 प्रशिक्षुओं के चार बैच (कुल अवधि 300 घंटे) वस्त्र मंत्रालय के अंतर्गत सिलाई मशीन ऑपरेटर प्रशिक्षण जनवरी 2023 में पूर्ण हो चुकें हैं तथा आगामी अप्रैल 2023 तक अंतिम दो बैच पूर्ण हो जायेंगे। 27–27 प्रशिक्षुओं के दो बैच (कुल अवधि 400 घंटे) उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन (UPSDM) के अंतर्गत डोमेस्टिक डाटा इंट्री ऑपरेटर व दो बैच (कुल अवधि 400 घंटे) माइक्रोफाइनेंस एग्जीक्यूटिव के सर्टिफिकेट कार्यक्रम जनवरी 2023 से शुरू किए गए हैं ।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आसपास के गांव के बेरोजगार युवक/युवतियों एवं महिलाओं को टेक्सटाइल मंत्रालय के द्वारा चलाई जा रही 'समर्थ योजना' के अंतर्गत शुरू कराए जाने वाले सिलाई मशीन ऑपरेटर का 28.04.2022 से 100 दिन का प्रशिक्षण दिया गया।

2. गुरुनानक महाविद्यालय (स्वशासी), चेन्नई, तमिलनाडु (06.12.2021 से तीन वर्ष) गतिविधियाँ।

Faculty Exchange कार्यक्रम के तहत विगत वर्ष 11–14 दिसंबर, 2022 तक गुरुनानक महाविद्यालय (स्वशासी), चेन्नई, तमिलनाडु के महासचिव श्री मंजीत सिंह नायर के नेतृत्व में 7 सदस्यीय टीम के साथ विश्वविद्यालय का 4 दिवसीय आधिकारिक शैक्षणिक भ्रमण किया गया । भ्रमण के दौरान दिनांक पूर्वांचल विश्वविद्यालय द्वारा चार दिवसीय "INTER & INSTITUTIONAL ACADEMIC & ADMINISTRATIVE QUALITY IMPROVEMENT" विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. जिसमे निम्न कार्यक्रम हुए :

- श्री मंजीत सिंह नैय्यर, महासचिव, गुरुनानक महाविद्यालय (स्वशासी), चेन्नई द्वारा दिनाँक : 12–13 दिसंबर, 2022 को छात्रों एवं शिक्षकों हेतु आयोजित "अभिप्रेणात्मक/नेतृत्व कौशल कार्यक्रम" में विशेषज्ञ के रूप में सम्बोधन दिया गया ।
- डॉ० स्वाति पालीवाल, समन्वयक, IQAC द्वारा Quality Issues in Higher Education विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया गया।
- डॉ० स्वाति पालीवाल, समन्वयक, IQAC, डॉ० क्रिस्टी, संकायाध्यक्ष, ई–गवरनेंस एवं श्री सौम्यकांत सारंगी, आई०एम०एस० अध्यक्ष, गुरुनानक महाविद्यालय, (स्वशाषी), चेन्नई द्वारा विषय विशेषज्ञ के रूप में विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध तिलक धारी महाविद्यालय, जौनपुर के IQAC, NAAC एवं NIRF समन्वयकों एवं उनकी टीम को कार्यशाला (12–13 दिसंबर, 2022) के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया ।
- डॉ० एस० सावित्री, डीन एकेडमिक्स एवं डॉ० डॉली, नोडल अधिकारी, MoU गुरुनानक महाविद्यालय, (स्वशाषी), चेन्नई द्वारा विश्वविद्यालय के छात्रों हेतु प्लेसमेंट सेल एवं छात्र अधिष्ठाता कल्याण कार्यालय द्वारा "Soft Skills : Communication Skills Development for Students पर आयोजित दो दिवसीय (12–13 दिसंबर, 2022) कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रतिभाग किया गया।
- डॉ० प्रेम मथी मारन, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं निदेशक, गिल शोध संस्थान (GRI), गुरुनानक महाविद्यालय, (स्वशाषी), चेन्नई के द्वारा "Integrated Pest Management (IPM) Using Artificial Intelligence and Nano Technology पर जैव–प्रौद्योगिकी विभाग एवं शोध और विकास प्रकोष्ठ द्वारा विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं छात्रों हेतु आयोजित दो दिवसीय (12–13 दिसंबर, 2022) कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रतिभाग किया गया ।

- गुरुनानक महाविद्यालय (स्वशासी), चेन्नई, तमिलनाडु एवं जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में "Life Science Interface : The Key To Sustainability" विषय पर पाँच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन (25 से 29 जून, 2022) शिक्षकों एवं छात्रों के लिए किया गया।

❋ व्यवहारिक मनोविज्ञान विभाग, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य डॉ० मनोज कुमार पाण्डेय द्वारा "Importance of Leadership Skills" विषय पर गुरुनानक महाविद्यालय (स्वशासी), चेन्नई, तमिलनाडु द्वारा Personality Development विषय पर आयोजित ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला (14–18 मार्च, 2022) में आमंत्रित वक्ता के रूप में उद्‌बोधन दिया गया।

❋ दोनों संस्थाओं के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षण, शोध एवं रोजगार में मातृभाषा की उपादेयता विषय पर सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन (21.02.2022 से 30.02.2022) किया गया ।

❋ वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के IQAC द्वारा दिनाँक : 21 दिसंबर, 2021 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है, जिसमे महाविद्यालय से IQAC Coordinator डॉ० स्वाती पालीवाल ने विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय के 50 प्रतिभागियों (शिक्षकों एवं प्राचार्यों) को विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रशिक्षण दिया, जिसका विषय "NAAC Revised Assessment and Accreditation Framework : A Road Map to Institutional Quality Enhancement" था ।

3. एस०एस०आर०डी०पी०, बंगुलुरु, कर्नाटक (11.04.2022 से 03 वर्ष)

प्रस्तावित गतिविधियाँ :

❋ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21.06.2022 के अवसर पर अमृत योग सप्ताह (14–21, जून, 2022) का आयोजन किया गया, जिसमें योग प्रशिक्षक के रूप में एस०एस०आर०डी०पी०, बेगंलुरु के अनुषांगिक संस्था आर्ट ऑफ लिविंग, बेगंलुरु के योग प्रशिक्षक ई० अंकुश जी एवं उनकी टीम ने 100 लोगों को एक सप्ताह का योग प्रशिक्षण दिया ।

4. उद्यमिता विकास संस्थान (EDII), अहमदाबाद गांधीनगर – 382428 (28.04.2022 से 03 वर्ष)

गतिविधियाँ :

EDII, Ahmedabad द्वारा दिनाँक 03–08, जुलाई, 2022 को Entrepreneurship Educator's Orientation Programme "Building Climate for Entrepreneurship Education at Higher learning Campus" विषय पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला में विश्वविद्यालय द्वारा तीन शिक्षको क्रमशः डॉ० मनोज कुमार पाण्डेय (नोडल ऑफिसर, MoU), प्रो० अविनाश डी० पार्थिडीकर (कार्यकारी निदेशक, VBS Purvanchal University Incubation & Innovation Foundation), एवं प्रो० अजय द्विवेदी (अधिष्ठाता छात्र कल्याण) को उपरोक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभाग करने हेतु प्रायोजित (Sponsored) किया गया था।

EDII द्वारा शिक्षकों के प्रशिक्षण के पश्चात छात्रों के लिए Make Your Career in Entrepreneurship पर प्रस्तावित ऑनलाइन कार्यशाला में पंजीकरण किया जा रहा है।

5. राजीव गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश (11.05.2022 से 03 वर्ष)

गतिविधियाँ :

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचाल विश्वविद्यालय की तरफ से Student Exchange Program, Faculty Exchange Program के तहत राजीव गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश का शैक्षणिक भ्रमण प्रस्तावित है।

6. Petrasys Global Pvt. Limited, Nai Mumbai, Maharashtra (13.06.2022 से 03 वर्ष)

गतिविधियाँ

दिनाँक 13–15 जून, 2022 को पेट्रासिस ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई के मैनिजिंग डायरेक्टर डॉ० फिलिप बी० कास्से द्वारा विश्वविदयालय परिसर स्थित इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के शिक्षकों, शोधार्थियों, एवं विद्यार्थियों को फोटोनिक्स एवं फ़ाइबर ओपटिक्स विषय पर प्रशिक्षित किया गया।

7. Institute for Industrial Development (IID) New Delhi (14.07.2022 से 03 वर्ष)

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय और इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट स्टडीज, नई दिल्ली के मध्य हुए MoU का उद्देश्य विश्वविद्यालय में स्थापित इनक्यूबेशन एवं इनोवेशन सेंटर के सहयोग से रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना, विद्यार्थियों के स्टार्टअप को गति देने में सहायता करना, उद्यमिता के संबंध में सरकार की योजनाएं बनाने, छात्रों को टेक्निकल सपोर्ट और उद्यमिता और कौशल उन्नयन हेतु प्रोजेक्ट को कैसे बनाया जाए? विषयों पर छात्रों को शिक्षण, प्रशिक्षण प्रदान करना हैं।

डॉ० मनोज कुमार पाण्डेय, नोडल ऑफिसर, MoU

साइबर क्लब

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में गृह मंत्रालय, भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार के दिशा–निर्देश के क्रम में शिक्षक, विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करने के लिए साइबर क्लब का गठन किया गया है। क्लब के संचालन हेतु जनसंचार विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर को नोडल अधिकारी बनाया गया है। साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया जा रहा है इसके साथ ही साथ विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से जन–जागरूकता की जा रही है।

विश्वविद्यालय में बनेगी हेरिटेज गैलरी
उत्तर प्रदेश सरकार ने 20 लाख रूपये किया स्वीकृत

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में प्रदेश की कल्चरल क्लब योजना के अंतर्गत हेरिटेज गैलरी बनेगी। विश्वविद्यालय ने इसके लिए संस्कृति निदेशालय को प्रस्ताव भेजा था जिसकी प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति मिल गई।

विश्वविद्यालय में प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण एवं प्रोत्साहन करने एवं युवा पीढ़ी की समृद्ध विरासत से जोड़ने के लिए कल्चरल क्लब की स्थापना की जाएगी। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि यह बहुत खुशी की बात है कि उत्तर प्रदेश संस्कृति निदेशालय ने हमारे विश्वविद्यालय को चयनित किया है। इसके माध्यम से संस्कृति और विरासत को सामने लाया जायेगा।

हेरिटेज गैलरी में विश्वविद्यालय के विकास से लेकर उत्कृष्ट कीर्तिमान स्थापित करने वाले पूर्व विद्यार्थियों की फोटो को जगह मिलेगी। विभिन्न पुरस्कार प्राप्त विद्वानों, लेखकों, वैज्ञानिकों की फोटो भी गैलरी में देखने को मिलेगी। स्थानीय संस्कृति एवं विरासत, कलाकृतियों का प्रदर्शन किया जायेगा। उन्होंने हेरिटेज गैलरी की स्थापना के लिए वित्त अधिकारी संजय कुमार राय एवं शिक्षकों के साथ विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय के नवीन भवन का निरीक्षण कर विविध बिन्दुओं पर चर्चा की। वित्त अधिकारी संजय कुमार राय ने बताया कि हेरिटेज गैलरी के लिए विश्वविद्यालय द्वारा भेजे गए प्रस्ताव पर बीस लाख रुपये की वित्तीय स्वीकृति मिली है। इस प्रस्ताव को जनसंचार विभाग के शिक्षक डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर द्वारा तैयार किया गया था।

गाँधी जयंती पर नशीली दवाओं के विरुद्ध दिलाई गई शपथ

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में गाँधी जयंती के अवसर पर आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत नशीली दवाओं के दुरूपयोग के विरुद्ध कर्मचारियों, प्रशासनिक अधिकारियों, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को शपथ दिलाई गई

– हमें अहसास हैं कि हमारे देश में, विशेष रूप से युवाओं के बीच नशीली दवाओं का दुरुपयोग बढ़ता जा रहा हैं और ये चिंता का विषय हैं। हम शपथ लेते हैं की हम नशीली दवाओं के दुरुपयोग की रोकथाम में सहयोग करेंगे।. हम वचन देते हैं कि किसी भी प्रयोजन के लिए किसी भी प्रकार से हानिकारक अथवा अवैध पदार्थो का सेवन नहीं करेंगे।

– हम प्रत्येक व्यक्ति, विशेषतः युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए नशीली दवाओं के दुष्प्रभावों के संबंध में जागरूकता पैदा करेंगे ताकि भारत का युवा वर्ग नशा मुक्त जीवन– यापन कर सके और वे समाज के रचनात्मक और महत्वपूर्ण सदस्य बन सकें।

– आज हम प्रतिज्ञा करते हैं कि नशे से दूर रहेंगे और स्वस्थ जीवन–यापन करेगें।

इस अवसर पर कुलपति प्रो निर्मला एस.मौर्य, कुलसचिव महेंद्र कुमार, वित्त अधिकारी संजय कुमार राय, नोडल अधिकारी, प्रो. अजय प्रताप सिंह, सह–नोडल अधिकारी डॉ. मनोज मिश्र, डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव, डॉ राकेश कुमार यादव, समस्त शिक्षक, प्रशासनिक अधिकारी सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे ।

सोशल मीडिया

Website- http://www.vbspu.ac.in
Blog-http://vbspurvanchaluniversity.blogspot.in/
Facebook Page- https://www.facebook.com/Vbspuofficial
Instagram- https://www.instagram.com/vbspu.jaunpur/
Youtube Channal- https://www.youtube.com/@vbspuofficial
Twitter- https://twitter.com/vbspu_official

मीडिया कवरेज

आजादी के अमृत महोत्सव अभियान के तहत पूर्वांचल विश्वविद्यालय में कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस मौर्य के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा निकालते शिक्षक ● जागरण

- तिरंगे की शान बनाए रखें, युवा देश निर्माण में करें योगदान: प्रो. निर्मला
- यात्रा में पूरे उत्साह के साथ शामिल हुए विद्यार्थी, जन-जन को किया प्रेरित

छात्र-छात्रा, शिक्षक व युवा उद्यमियों को उड़ान देगा इनक्यूबेशन सेंटर

उद्योग चलाने को किया जाएगा पारंगत, पूविवि में 25 को होगा उद्घाटन

संवाद सहयोगी, मल्हनी (जौनपुर): वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय छात्र-छात्राओं, शिक्षक व युवा उद्यमियों को उड़ान देगा। इसके लिए परिसर के फार्मेसी संस्थान में इनक्यूबेशन सेंटर की स्थापना करने जा रहा है। इसका उद्घाटन 25 जनवरी को होगा। तैयारी अंतिम चरण में पहुंच चुकी है।

इस इनक्यूबेशन सेंटर में विश्वविद्यालय के पूर्व एवं वर्तमान छात्र-छात्राएं, शिक्षक तथा कोई भी व्यक्ति जिनके पास उद्यमिता के लिए कोई नवाचार युक्त आइडिया है, उसे पंख लगाकर उड़ान देने का कार्य किया जाएगा।

इस केंद्र में छात्र-छात्राओं के कोर बिजनेस आइडिया को एक एप के माध्यम से आमंत्रित किया जाएगा। इसका परीक्षण तथा मूल्यांकन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस...

पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में नवनिर्मित इनक्यूबेशन सेंटर ● जागरण

आइडिया छात्र-छात्रा, शिक्षक एवं उद्योग शुरू करने का सोच रहे युवाओं का होगा। जिसे उड़ान देने का कार्य विश्वविद्यालय इनक्यूबेशन सेंटर करेगा। लोगों से आइडिया लेने के पहले इनक्यूबेशन सेंटर के एक्सपर्ट बारीकी से अध्ययन करेंगे, तभी उसे चयनित किया जाएगा।
प्रो. अविनाश पथरडीकर, कार्यकारी...

...एंटर प्रीनियरशिप इंस्टीट्यूट आफ इंडिया, अहमदाबाद इंस्टीट्यूट आफ इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट स्टडीज नई दिल्ली तथा बहुराष्ट्रीय कंपनी... का सहयोग लिया जा रहा है। इस संबंध में केंद्र के कार्यकारी निदेशक प्रो. अविनाश पाथरडीकर ने बताया कि छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए तथा उनके बिजनेस से संबंधित किसी समस्या समाधान के लिए वर्ष भर इस केंद्र पर कार्यशाला आयोजित की जाएगी। जिसमें युवाओं को नवाचार, उद्यमिता तथा स्टार्टअप के लिए सभी जानकारियां प्रदान की जाएंगी।

इसी के दृष्टिगत प्रथम कार्यशाला में आगामी 25 जनवरी को ... कार्यशाला आयोजित की जा रही है। एक कार्यशाला छात्र-छात्राओं के लिए तथा दूसरी विश्वविद्यालय...

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में संगोष्ठी में बोलते मनजीत सिंह नायर ● जागरण

जागरण संवाददाता, मल्हनी (जौनपुर): वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय और गुरुनानक कालेज चेन्नई की ओर से चार दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन सोमवार को आर्यभट्ट सभागार में किया गया। मुख्य अतिथि गुरुनानक कालेज चेन्नई के जनरल सेक्रेटरी मनजीत सिंह नायर ने कहा कि काम अपने नहीं समाज के लिए उपयोगी होता है। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्था के उन्नयन और विकास में वहां के सभी लोगों की भागीदारी होती है। हमें अपने काम के साथ-साथ यह भी करके सकारात्मक दिशा दिखा सकते हैं। उन्होंने सलाह दी कि हम जो भी करें उसका डाटा बैंक बनाकर रखें, जिससे समय पर उसे प्रस्तुत कर पाएं। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि इस विश्वविद्यालय के लोगों में ऊर्जा की कमी नहीं है। बस इसका उपयोग कौशल और समुचित ढंग से करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कक्षा विद्यार्थियों में श्रवण, वाचन और लेखन की आवश्यकता है, ताकि विद्यार्थी के मन में भटकाव न हो। कार्यशाला में पूविवि के समन्वयक डा. मनोज पांडेय ने विश्वविद्यालय...

आगे बढ़ने के लिए बच्चे पढ़ाई पर दें ध्यान : प्रो. नि...

जनसंदेश न्यूज

पीयू के एंबेसडरों ने जी-20 में किया प्रतिभाग

स्वदेश संवाद ■ जौनपुर

लखनऊ विश्वविद्यालय में मंगलवार को आयोजित जी-20 कान्क्लेव में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की तरफ से नोडल अधिकारी डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव, डॉ. मनोज पाण्डेय और मीडिया प्रभारी डॉ. सुनील कुमार ने एंबेसडर के रूप में प्रतिभाग किया। यह प्रदेश सरकार और लखनऊ ... की ओर से आयोजित किया गया...

रूप से ताकतवर हुआ है। इसे जन-जन तक पहुंचाने की जरूरत है। जी-20 का भारत श्रेष्ठ भारत है। आनेवाले अतिथि अपने अच्छे होने का परिचय दें। इसमें वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय और अपने से संबंधित महाविद्यालयों ... कार्यक्रम कराकर शिक्षकों और विद्यार्थियों को जागरूक करेगा। इस अवसर पर मुख्य ... दुर्गा शंकर मिश्र, प्रमुख सचिव...

विद्यार्थी अपना लक्ष्य चुनें, विकल्प नहीं

राष्ट्रीय साम्प्रदायिक सौहार्द सप्ताह के समापन पर आयोजित समारोह में छात्रा को सम्मानित करते पूर्व कुलपति नरेश चंद्र गौतम व कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस मौर्य ●जागरण

जागरण संवाददाता, मल्हनी (जौनपुर): वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के रज्जू भैया शोध संस्थान में राष्ट्रीय व्यवसाय प्रबंधन के तत्वावधान में गोष्ठी हुई। मुख्य अतिथि पूर्व कुलपति नरेश चंद्र गौतम ने कहा कि सम्मान खुद आता है मांगने की जरूरत नहीं पड़ती है। देने लायक बनिए, किसी से मांगने की जरूरत नहीं पड़ेगी। छात्रों को अपना लक्ष्य चुनना चाहिए, विकल्प नहीं। कुलपति प्रो. निर्मला एस मौर्या ने विद्यार्थियों को विवादों से रहने की नसीहत दी। सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर कुलसचिव महेंद्र कुमार, परीक्षा नियंत्रक व्यास नारायण सिंह, सहायक कुलसचिव परीक्षा अजय प्रताप सिंह, प्रोफेसर ब्रीबी तिवारी, प्रो. अजय द्विवेदी, कर्मचारी संघ अध्यक्ष नंदकिशोर सिंह, महामंत्री रमेश यादव आदि उपस्थित रहे।

स्वस्थ शरीर से ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास : प्रो. निर्मला एस. मौर्य

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित डॉक्टर सीवी रमन हॉस्टल और चरक हॉस्टल में बुधवार को कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य के कर कमलों द्वारा जिम का उद्घाटन किया गया।

आयोजन

सीवी रमन, चरक हॉस्टल में कुलपति ने किया जिम का उद्घाटन

इस अवसर पर कुलपति प्रो. मौर्य ने कहा कि स्वस्थ शरीर से ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है। जिम के माध्यम से युवाओं को व्यायाम करने और अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने...

नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है पीयू : कुलपति

केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री से कुलपति ने की औपचारिक मुलाकात

जौनपुर। भारत सरकार की केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री अन्नपूर्णा देवी के जनपद आगमन पर शनिवार को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने बुके, अंगवस्त्रम देकर उनका स्वागत किया।

शिक्षा राज्यमंत्री से डाक बंगले में औपचारिक मुलाकात करने कुलपति, विश्वविद्यालय के...

केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री का स्वागत करती कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य

शिक्षक की जिम्मेदारियां समाज के प्रति अहम

जागरण संवाददाता, मल्हनी (जौनपुर): शिक्षक की जिम्मेदारी समाज के प्रति सबसे महत्वपूर्ण होती है। वह देश की तरक्की की बुनियाद होता है। यह बातें वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निर्मला एस मौर्या ने मंगलवार को कार्यालय में आयोजित नवनिर्वाचित उत्तर प्रदेश विश्वविद्यालय महाविद्यालय शिक्षक महासंघ के सम्मान समारोह में कही।

शिक्षक महासंघ के नव निर्वाचित पदाधिकारियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करती कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस मौर्या ●जागरण

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के अध्यक्ष डा. विजय कुमार सिंह ने जिम्मेदारियों का निर्वहन हरसंभव... वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर निर्वाचित तिलकधारी महाविद्यालय के प्रोफेसर हिमांशु सिंह एवं संयुक्त मंत्री के महामंत्री डा. राहुल सिंह, प्रो. एके चतुर्वेदी, डा. पंकज गौतम, डा. नरेंद्र देव पाठक, डा. शैलेंद्र सिंह...

पूर्वांचल विवि ने राजभवन की टीम को किया पराजित

जासं, जौनपुर: राजभवन लखनऊ में रविवार को राजभवन उत्तर प्रदेश...

राजभवन लखनऊ में आयोजित पूर्वांचल विवि व राजभवन क्रिकेट टीम के बीच मैच को देखती राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस मौर्या ●स्वंत - विश्वविद्यालय

जज्बा | हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाकर देश की आजादी के पर्व को नई ऊंचाई देने का किया गया आह्वान

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शहीदों के परिजनों का सम्मान

- हौंसलें को नमन करें
- अमृत महोत्सव के तहत वीरों व कुलपतियों ने किया सम्मानित

मीडिया कवरेज

...प्रो. माय

...का उद्घाटन

सरायख्वाजा। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के मुक्तांगन में बालिका हेल्थ क्लब और संकाय भवन में महिला अध्ययन केंद्र का उद्घाटन कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में मिशन शक्ति के तीसरे चरण की शुरुआत हो चुकी है। ऐसे में राज्य सरकार महिलाओं और बालिकाओं की सुविधा के लिए नए-नए इंतजाम कर रही है।

बालिकाओं की सुविधा के लिए की जा रही तैयारियों के चलते अब राज्य के सभी विश्वविद्यालयों और महिला महाविद्यालयों में बालिका हेल्थ क्लब ...है। इसके सहारे वहां पढ़ने वाली छात्राओं को स्वास्थ्य सम्बंधित प्राथमिक उपचारों के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों में बनने वाले इन सभी हेल्थ क्लब में छात्राओं के लिए अगस्त से दिसंबर के बीच स्वास्थ्य परीक्षण शिविर भी लगाया जाएगा ताकि उन्हें स्वस्थ रखा जा सके। इसी तरह महिला अध्ययन केंद्र की स्थापना भी महिलाओं को जागरूक करने और उनके सशक्तिकरण के लिए की गई है। लगातार विश्वविद्यालय में पिछले डेढ़ वर्षों से कुलपति के निर्देशन में गाँव एवं ब्लॉक स्तर पर शासन तथा राजभवन के निर्देशानुसार महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलम्बन से सम्बंधित कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। नए सत्र से महिला अध्ययन में शोध, पीजी डिप्लोमा एवं डिग्री कोर्स भी चलाया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन महिला अध्ययन केंद्र की प्रभारी डा. जाह्नवी श्रीवास्तव ने और धन्यवाद ज्ञापन संकायाध्यक्ष प्रो. अजय प्रताप सिंह ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव महेंद्र कुमार, वित्त अधिकारी संजय राय, प्रो. मानस पांडेय, प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, डा. रामनारायण, डा. संगीता साहू, डा. मनोज मिश्र आदि मौजूद थे।

खिलाड़ी युवाओं के रोल मॉडल : राज्यपाल

नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है पीयू: प्रो. निर्मला एस. मौर्य

समारोह

...ीय खेल दिवस पर ...ानित हुए 121 खिलाड़ी

...पुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल ...विद्यालय जौनपुर के मेडल प्राप्त ...ला 121 खिलाड़ियों को 29 ...त सोमवार को राजभवन लखनऊ ...ांधी सभागार में सम्मानित किया ...। यह? समारोह राष्ट्रीय खेल ...के अवसर पर किया गया है। ...रोह में कुलाधिपति एवं राज्यपाल ...प्रदेश आनंदीबेन पटेल ने पूर्वांचल ...विद्यालय के 121 खिलाड़ियों में ...हो स्वर्ण, 23 को रजत एवं 62 को ...य पदक से सम्मानित किया। इसके ...टीम प्रशिक्षक और टीम प्रबंधक ...म्मानित हुए। इस अवसर पर प्रदेश राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की ...धिपति आनंदीबेन पटेल ने कहा कि ...न भावनाओं के सम्मान से ही राष्ट्र ...गौरव का निर्माण होता है। खिलाड़ी ...ओं के रोल मॉडल है, ऐसे में ...लाड़ियों की प्रतिभाओं को निखारने ...जरूरत है। सामाजिक जीवन में ...य को जो पाठ शिक्षा नहीं सिखाती ...खेल का मैदान सिखाता है। खेल ...स्थ मस्तिष्क का निर्माण करता है। ...ा को फिट इंडिया, खेलो इंडिया ...का प्रमुख उदाहरण है। उन्होंने ...ास्वागत खेलों को सिर्फ यादों और ...तक कैद रहने पर चिंता जताई।

समारोह को सम्बोधित करती राज्यपाल

खिलाड़ी को गोल्ड मेडल देकर सम्मानित करती राज्यपाल आनन्दी बेन पटेल

मस्तिष्क का विकास होता है। उन्होंने आभार जताते हुए कहाकि राजभवन, विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न खेल दौरान सामाजिक सरोकार में भी विश्वविद्यालय की भूमिका अग्रणी रही है। उन्होंने कहाकि खिलाड़ियों की सुविधाओं को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय ...हो चुकी है। ...विश्वविद्यालय ...निभाया। ...विश्वविद्यालय ...पदक पाया था, 121 हो गई। ...संयुक्त सचिव ...ने खेल गतिवि... प्रस्तुत की।

टीबी मरीजों की देखभाल करने वालों का सम्मान

संवाद न्यूज एजेंसी

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में ... टीबी रोगियों को गोद लेकर ... अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कुलपति ने सम्मानित किया। ...

हॉस्टल की छात्राओं ने निकाली तिरंगा यात्रा

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव के हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत मंगलवार को विश्वविद्यालय के गर्ल्स हॉस्टल से तिरंगा यात्रा निकाली गई। यह यात्रा आवासीय परिसर से वीर बहादुर सिंह की प्रतिमा पर होते हुए गांधी वाटिका पर समाप्त हुई। तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय के शिक्षक और छात्राएं शामिल हुईं। इस अवसर पर चीफ वार्डन प्रो. रजनीश भास्कर ने कहाकि तिरंगा यात्रा से पूरा देश बलिदानियों को स्मरण कर रहा है। इसी के चलते हम कई गुमनाम शहीदों को स्थानीय स्तर पर जान रहे। तिरंगा यात्रा में नारे के साथ लोगों का उत्साहवर्धन भी ... आभार नोडल अधिकारी डॉ. मनोज मिश्र ने किया। तिरंगा यात्रा के दौरान देशभक्ति के नारों से पूरा विश्वविद्यालय गूंजता रहा। इस अवसर पर डॉ. ... सिंह, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. विनय वर्मा, डॉ. धर्मेंद्र सिंह, डॉ. झांसी मिश्रा, ... पूजा सक्सेना, जया शुक्ला और विद्यार्थी शामिल हुए।

सोच में परिवर्तन से बेटियां आगे बढ़ीं : राज्यपाल

जनसंदेश न्यूज

दीक्षांत समारोह को संबोधित करती राज्यपाल आनंदीबेन पटेल

गोल्ड मेडल व उपाधि के साथ छात्र-छात्राएं

छात्रा को बैग वितरित करतीं राज्यपाल व कुलपति

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 25वें दीक्षांत समारोह ... विश्वविद्यालय को 65 गोल्ड मेडल दिए ... मुख्य अतिथि पद्मश्री प्रो. जे.एस. राजपूत को डी.एससी. की मानद उपाधि प्रदान की गई। ... इस अवसर पर प्रदेश की राज्यपाल व कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि पूर्वांचल की मिट्टी में ... बेटियों ने ... आगे हैं। ... सोच में परिवर्तन आया है ...

दीक्षांत समारोह

पीयू के विद्यार्थियों में असीम क्षमता : कुलपति

विश्वविद्यालय ने प्रो. जे.एस. राजपूत को दी डीएससी की मानद उपाधि

विश्वविद्यालय में मनाया गया 25वां दीक्षांत समारोह

जाएं, इस दिशा में लगातार विवि, महिला अध्ययन केन्द्र के माध्यम से प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि एनएसएस, महिला अध्ययन केन्द्र, मिशन शक्ति, कौशल विकास केन्द्र एवं रोवर्स रेंजर्स जैसी गतिविधियों में ... सिंह, डा. प्रदीप कुमार, डा. मनीष गुप्ता, एनएसएस समन्वयक डा. राकेश यादव, रोवर्स रेंजर्स डा. जगदेव, डा. विजय तिवारी, डा. संतोष कुमार, डा. रजनीश भास्कर, डा. रसिकेश, डा. सुनील कुमार, डा. दिग्विजय सिंह, डा. अवध बिहारी सिंह, डा. जाह्नवी श्रीवास्तव, अनु त्यागी, डा. अमरेंद्र सिंह, डा. चंदन सिंह, डा. मनोज पांडेय, डा. आशुतोष सिंह, डा. अमित वत्स, रामजी सिंह, स्वतंत्र कुमार, डा. पीके कौशिक, सतीश ...

गतिमान के अंक का हुआ लोकार्पण

64 मेधावियों को स्वर्ण पदक

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विवि के 25वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने 64 मेधावियों को प्रथम प्रयास में अपने विषय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने पर 65 स्वर्ण पदक प्रदान किया। ...

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 25वें दीक्षांत समारोह में गतिमान पुस्तिका के विमोचन अवसर पर सम्पादक मण्डल ... डॉ. मनोज मिश्र, प्रो. अजय द्विवेदी, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. सुनील ...

सीडीएस जनरल बिपिन रावत के निधन पर दो मिनट का शोक

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में सीडीएस जनरल बिपिन रावत के असामयिक निधन पर शुक्रवार को दीक्षांत समारोह में शोकसभा का आयोजन किया गया। सीडीएस बिपिन रावत का तमिलनाडु के कुन्नूर में एक हेलीकॉप्टर हादसे में निधन हो गया। हेलीकॉप्टर में कुल 14 लोग सवार थे जिसमें 13 लोग की मौत हो गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि यह घटना बहुत ही दुखद है। ...

51 बच्चों को राज्यपाल के हाथों मिला उपहार

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 25वें दीक्षांत समारोह में प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कक्षा 6 में पढ़ने वाले 51 बच्चों को स्कूल बैग, फल, महापुरुषों पर प्रकाशित पुस्तक आदि प्रदान किया। इस बच्चों को एनएसएस के समन्वयक डा. राकेश ... स्कूल के प्राध्यापकों के साथ लेकर आए थे।

शाकम्भरी को मिला अतुल माहेश्वरी स्वर्ण पदक

जौनपुर। विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग के एम.ए. जनसंचार में सर्वोच्च अंक पाने वाले विद्यार्थी को अतुल माहेश्वरी स्वर्ण पदक दिया जाता है। वर्ष 2021 में एमए जनसंचार विषय में सर्वोच्च अंक पाने पर शाकम्भरी सोनकरिया को यह पदक मिला।

96 शोधार्थियों को मिली पीएचडी की उपाधि

दीक्षांत समारोह में विभिन्न संकायों के 96 शोधार्थियों को पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई। इसमें कला संकाय के 64 विज्ञान संकाय के 09 शिक्षा संकाय के 13 कृषि संकाय के 02 विधि संकाय के 05, वाणिज्य संकाय के 03 ...

कुलपति ने किया शिलान्यास

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आवासीय परिसर में कुलपति ने नर्सरी मुन्नी के सर्वांगीण विकास के लिए पार्क और विभिन्न तरह के उपवन आदि के लिए सामुदायिक भवन की आधारशिला रानियार को रखकर श्री गणेश किया। विधि विधान से पूजन कार्यक्रम करके ... विकास के लिए इस पार्क का ... जाएगा, क्योंकि आज बच्चों ... मोबाइल फोन से दूर रखना एक बहुत बड़ी चुनौती है इसलिए ऐसे पार्क का विकसित किया जाना नितांत आवश्यक था। परिसर में उपवन आदि के लिए सामुदायिक भवन का शिलान्यास किया गया। शिलान्यास कार्यक्रम में कुलसचिव महेंद्र कुमार ..., वित्त अधिकारी संजय कुमार राय ...

मातृभाषा पर गर्व करें नागरिक : सुरेश शुक्ल

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

एक दूसरे को जोड़े रखती है भारत की आत्मीयता: प्रो. निर्मला एस. मौर्य

देश, समाज और संस्कृति का निर्माण करती है भाषा: डॉ. सत्यप्रकाश

विदेशों में हिंदी की बढ़ती लोकप्रियता विषय पर हुई अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

अपनी पुस्तक भेंट करते मुख्य अतिथि

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में शुक्रवार को विदेशों में हिंदी की बढ़ती लोकप्रियता विषय ... भाषा के रूप में हिंदी के बढ़ते कदम ... अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। ... के अध्यक्ष लब्धप्रतिष्ठ साहित्यकार सुरेश चंद्र शुक्ल 'शरद आलोक' ने कहा कि मातृभाषा के प्रति हीन भावना के शिकार नहीं हों नागरिक। ... रहीं है। उन्होंने कहाकि नार्वे के अमदन को परंपरा से हमें सीख लेने की जरूरत है। इसके ... व्यक्ति में देश प्रेम की भावना जागृत होती है। ... किया। अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि वैश्विक स्तर पर हिंदी बाजार की मजबूरी बन गई है। दुनिया के देश घूमने के स्थान हो सकते हैं लेकिन रहने के लिए सिर्फ भारत ही उपयुक्त है। यहां की हिंदी भाषा और संस्कृति लोगों को एक दूसरे से बांधे रहती है। उन्होंने कहा कि हर देश की अपनी एक विशेषता और सौंदर्य होता है जो लोगों को एक दूसरे से जोड़ता और अवसर देता है। ... विश्वविद्यालय हिंदी विभाग के डॉ. सत्यप्रकाश पाल ने कहा कि बाजारवाद ने हिंदी को ... में भी हिंदी उतर रही है। कहा कि भाषा, देश, समाज और संस्कृति का निर्माण करती है। ... अगर भाषा मरती है तो संस्कृति भी मर जाती है। विश्व में भारत के बाहर 200 विश्वविद्यालय में हिंदी की पढ़ाई हो रही है। ... इससे यह संभावना बनती है कि हिंदी भाषा ... में अनवरत की वजह से इसकी लोकप्रियता बढ़ रही है। ... कारण हिंदी ने विश्व में स्थान बनाया है। ... अधिकारी संजय राय ने कहा कि विश्व ... बाजार में सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक प्रभाव बढ़ रहा है। ... विश्व प्रवर्तन संगोष्ठी के संयोजक डॉ. मनोज मिश्र ने विषय प्रवर्तन किया। ... स्वागत करते हुए प्रो. मानस पांडेय ने ... इस अवसर पर कोविड-19 के दौरान ... संगोष्ठी का संचालन डॉ. गिरधर मिश्र ... धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मनोज कुमार पांडेय ने किया। इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक वीएन सिंह, प्रो. बीबी तिवारी, प्रो. वंदना राय, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. देवराज सिंह, प्रो. अशोक श्रीवास्तव, प्रो. नूपुर तिवारी, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. राजेश शर्मा, डॉ. प्रमोद यादव, डॉ. अमरेंद्र सिंह, डॉ. ...

उच्च शिक्षा नीति मंथन से बढ़ेगी शिक्षा की गुणवत्ता : कुलपति

जनसंदेश न्यूज

जौनपुर। उच्च शिक्षा नीति मंथन का आयोजन लखनऊ में रविवार को किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य वन ट्रिलियन डॉलर इकोनामी पर आधारित था। इस मंथन में विभिन्न विश्वविद्यालय के कुलपति और कुलसचिव को बुलाया गया था ताकि सरकार का सटीक और सुझाव की शिक्षा में कैसे लागू किया जाए, जिससे रोजगार के अवसर उत्पन्न हो। मंथन में प्रतिभाग के बाद पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस मौर्य ने कहा कि उच्च शिक्षा नीति मंथन में शिक्षा के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई जो कि शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने के काम आएगी। साथ ही हमारे शिक्षक भी किया जाएगा ताकि शिक्षा, शोध और नवाचार को गुणवत्तायुक्त बनाया जा सके। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश आध्यात्मिक, दार्शनिक प्रदेश है। भारत ने वैश्विक मंच पर विश्व का पुरातन शिक्षा की याद दिलाते हैं। विश्वविद्यालय शोध और नवाचार के क्षेत्र में मानक गढ़ें, ताकि हम विश्व की बड़ी ताकत बन सकें। इन्हीं पहलुओं पर इस मंथन का आयोजन किया गया। इस मंथन में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति और कुलसचिव ने भी प्रतिभाग किया। विश्वविद्यालय के शिक्षाविदों के साथ मुख्यमंत्री, उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी, मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्र, ...

श्रीमती आनंदीबेन पटेल

माननीय कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश